हिन्दी दैनिक
# तीसरा विकल्प न्यूज़
(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 03, अंकः-268, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, शनिवार 14 मार्च 2026

रविदास घाट पर 'खुला आसमान' संस्था ने उत्साह के साथ...02

कीलर रोड ने फिर निगली एक जिंदगी ...06

10 ग्राम सोना 1,904 गिरकर 1.58 लाख का हुआ

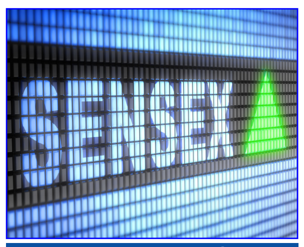

सेंसेक्स 1470 अंक गिरकर 74,564 पर बंद

एडीबी के सीईओ शांतनु 18 साल बाद पद छोड़ेंगे

# राजनाथ सिंह और योगी ने जनता को किया ग्रीन कॉरिडोर समर्पित

**लखनऊ, संवाददाता।** रक्षा मंत्री और स्थानीय सांसद राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में समता मूलक चौराहे से डालीगंज तक ग्रीन कॉरिडोर परियोजना का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने अगले चरण का शिलान्यास भी किया। शहर के झूलेलाल पार्क में आयोजित समारोह में प्रदेश के कई मंत्री, जनप्रतिनिधि और भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान ग्रीन कॉरिडोर परियोजना को लखनऊ के यातायात को सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया। इस परियोजना के माध्यम से शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच आवागमन तेज और सुगम होगा, जिससे ट्रैफिक दबाव कम होने के साथ ही लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। गौरतलब है कि 100 करोड़ की लागत से ग्रीन कॉरिडोर परियोजना के प्रथम चरण का लोकार्पण 11 मार्च, 2024 को किया गया था। 6.8 किलोमीटर लंबा ये पुल आईआईएम रोड से पक्का पुल तक बना था जबकि 299 करोड़ की लागत से आज परियोजना के द्वितीय चरण का लोकार्पण किया गया है। इस चरण के अंतर्गत डालीगंज से लेकर निशातगंज होते हुए समता मूलक चौक तक का हिस्सा आता है। लगभग सात किमी लंबे इस पुल के खुलते ही हजरतगंज, डालीगंज और निशातगंज जैसे घनी आबादी वाले और व्यस्ततम क्षेत्रों में लगने वाले भीषण जाम से बड़ी राहत मिलेगी।

## योगी जी ने माफिया को सही किया, लोग इनको बुलडोजर बाबा कहते हैं: राजनाथ सिंह

**लखनऊ।** लखनऊ में ग्रीन कॉरिडोर का शुक्रवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लोकार्पण किया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे जनता को समर्पित किया। झूलेलाल पार्क में लोकार्पण समारोह हुआ। यूपी सरकार के कई मंत्री और भाजपा पदाधिकारी भी इसमें शामिल हैं। यह ग्रीन कॉरिडोर कुल 57 किलोमीटर लंबा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, योगी जी को लोग बुलडोजर बाबा के नाम से जानते हैं। इन्होंने माफियाओं को सही कर दिया। बुलडोजर सिर्फ तोड़ने का ही नहीं। नए विकास की जमीन भी तैयार करता है। कुछ ही दिनों में लखनऊ से कानपुर की यात्रा 35 से 45 मिनट में पूरी हो सकेगी। यह नया अध्याय होगा। डिफेंस सेक्टर में भी लखनऊ पीछे नहीं है। ब्रह्मोस, एयरो स्पेस से संबंधित काम भी लखनऊ में होगा। ब्रह्मोस से हमने आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। अगर उन्होंने दोबारा कभी ऐसा करने का सोचा तो वह इससे कभी उबर नहीं पाएंगे। ब्रह्मोस की टेस्टिंग, इंटीग्रेशन फैसिलिटी का काम अब लखनऊ में होगा। लखनऊ देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती देने का काम हो रहा है। इस महीने के अंत या अप्रैल महीने की शुरुआत में ही लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे शुरू हो जाएगा।

## संक्षिप्त समाचार

### मोदी ने की ईरान के राष्ट्रपति पेज़ेश्कियन से बात

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेज़ेश्कियन से क्षेत्र की गंभीर स्थिति पर चर्चा की हैं। टोलीफोन में हुई वार्ता के दौरान श्री मोदी ने शांति और स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया और शांति बहाली के लिए बातचीत तथा कूटनीति का आग्रह किया। उन्होंने तनाव बढ़ने, आम नागरिकों की जान जाने तथा नागरिक बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा, साथ ही सामान और ऊर्जा के निर्बाध आवागमन की आवश्यकता भारत की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं।

### जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री से चौथी बार की बात

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों को लेकर ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ टेलीफोन पर अहम बातचीत की है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से दोनों नेताओं के बीच यह चौथी बातचीत है। यह बातचीत ऐसे महत्वपूर्ण समय में हुई है, जब पश्चिम एशिया में जारी भारी संकट के बीच भारतीय जहाज सफलतापूर्वक होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर आगे बढ़े हैं।होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल और गैस का बड़ा हिस्सा गुजरता है। संघर्ष के दौरान इस मार्ग पर मिसाइलों और ड्रोनों से हमले किए हैं, जिससे अमेरिका, यूरोप और इजरायल से जुड़े जहाजों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

### चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए संसद में नोटिस

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** विपक्षी सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 193 विपक्षी सांसदों ने लोकसभा और राज्यसभा में अलग-अलग नोटिस जमा किए हैं, जिसमें लोकसभा से 130 और राज्यसभा से 63 सांसद शामिल हैं। यह भारतीय संसदीय इतिहास में पहली बार है जब किसी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हटाने की ऐसी कार्रवाई की गई है। यह कदम मुख्य रूप से तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व में उठाया गया है, जिसमें इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियां, आप और कुछ निर्दलीय सांसदों ने समर्थन दिया है।विपक्ष ने नोटिस में सीईसी के खिलाफ 7 प्रमुख आरोप लगाए हैं। इनमें पक्षपातपूर्ण आचरण, चुनावी धांधली की जांच में जानबूझकर बाधा डालना, बड़े पैमाने पर मतदाता वंचित करना (मास डिसेनफ्रैंचाइजमेंट) और चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को प्रभावित करना शामिल है।

## भारत हमारा दोस्त, होर्मुज में सुरक्षित रास्ता देंगे, 2-3 घंटे में ऐसा होते देखेंगे: ईरान

**तेहरान, एजेंसी।** भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली ने कहा है कि ईरान भारत को सुरक्षित रास्ता देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत और ईरान के बीच दोस्ताना संबंध हैं। नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान उनसे सवाल पूछा गया कि क्या ईरान भारत को होर्मुज स्ट्रेट में रास्ता देगा। इस पर फतहाली ने कहा, हां, क्योंकि भारत हमारा दोस्त है। आप दो-तीन घंटे में ऐसा होते देखेंगे। उनके मुताबिक भारत और ईरान के बीच लंबे समय से सहयोग और विश्वास का रिश्ता रहा है। इसी बीच ओमान के सोहर प्रांत में ड्रोन गिरने से दो भारतीय कामगारों की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक सुरक्षा बलों ने एक ड्रोन को मार गिराया था, जिसके बाद उसका मलबा गिरने से यह हादसा हुआ। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हैं और कोमा में हैं। ब्रिटिश मीडिया द सन की रिपोर्ट के मुताबिक 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल होने के बाद उन्हें तेहरान के सिना यूनिवर्सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि उनकी हालत बेहद गंभीर है। रिपोर्ट के मुताबिक हमले में चोट इतनी गहरी थी कि उनका एक पैर काटना पड़ा और लिवर को भी गंभीर नुकसान पहुंचा है। मुजतबा खामेनेई को उनके पिता और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद 9 मार्च को देश का नया सुप्रीम लीडर बनाया गया था।

## कांग्रेस ने लागातार असम से झूठ बोला: मोदी

किसानों को विदेशों पर निर्भर रखा, दौरे के पहले दिन 24,250 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन-शिलान्यास

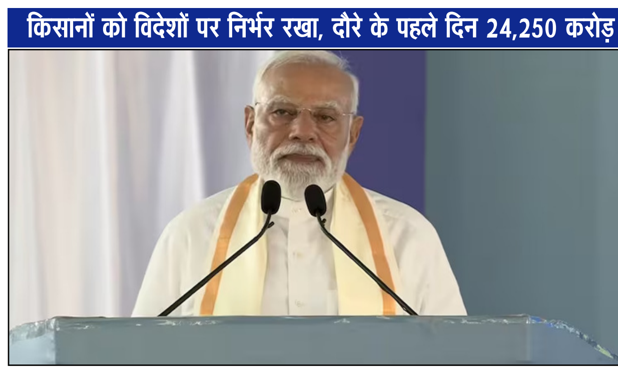

**गुवाहाटी, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने असम के लोगों से लगातार झूठ बोला। कांग्रेस की गलत नीतियों ने इस राज्य को नुकसान पहुंचाया। उन्होंनो कहा कि हमने देखा कि बाहरी देशों के युद्ध की वजह से हमारे किसानों पर असर पड़ता है। हमने कृषि को बाहरी संकट से बचाने के लिए आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन दिया है। कांग्रेस ने साबित कर दिया कि वो किसी भी स्थिति देश के लिए ईमानदार नहीं है। मोदी ने कहा कि आज युद्ध की स्थिति में कांग्रेस केवल गलत प्रचार करने में जुटी है। वे केवल देश को अंधेरे में रखना चाहते हैं, देश को गुमराह कर रहे हैं। पीएम ने चाय किसानें के लिए कहा टी-गार्डन के किसानों का सम्मान करना मेरे लिए कर्ज चुकाने जैसा है। आपकी चाय बेचकर मैं पीएम बन गया। मां कामाख्या देवी ने मुझे चाय बागान के लोगों का कर्ज चुकाने का मौका दिया है। पीएम 13-14 अप्रैल को असम के दो दिन के दौर पर हैं। उन्होंने पहले दिन 24.250 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने नॉर्थ ईस्ट के लिए 3 नई ट्रेनों की शुरुआत भी की। पीएम दो दिन में यहां कुल मिलाकर 47800 रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। 14 मार्च को सुबह करीब 10-45 बजे प्रधानमंत्री सिलचर में भूमि पूजन करेंगे और करीब 23,550 करोड़ रुपए के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स देश को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में चाय किसानों को पट्टा वितरण को लेकर लिखा कि ये न्याय और सम्मान की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम। मैं इसके लिए असम में एनडीए सरकार की तारीफ करता हूं। हमें चाय बागान परिवारों की मेहनत पर गर्व है और हम हमेशा उनकी भलाई के लिए काम करेंगे।

## रेल पटरियों को उन्नत बनाने का 80 प्रतिशत काम पूरा: वैष्णव

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को बताया कि भारतीय रेल नेटवर्क के 50 प्रतिशत रेल-मार्गों को उन्नत कर सेमी-हाई स्पीट रेलगाड़ी चलाने लायक कर दिया गया है जिस पर रेलगाड़ियां 130 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सुरक्षित दौड़ सकती है। राज्य सभा में प्रश्न काल के दौरान अपने मंत्रालय से संबधित पूरक प्रश्नों का जवाब देते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में पिछले एक दशक में रेल पटरियों के अपग्रेडेशन (उन्नयन) का काम बहुत गंभीरता से किया जा रहा है। 80 प्रतिशत रेल लाइनों को अपग्रेड कर 110 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार के लिए मजबूत और सुरक्षित किया गया है तथा 50 प्रतिशत मार्ग 130 किमी प्रति घंटे की ट्रेनों के लिए उपयुक्त बनाए जा चुके हैं जो सेमी हाई-स्पीड की श्रेणी में आता है। उन्होंने यात्री ट्रेनों के समय पर परिचालन के रिकार्ड के बारे में एक अनुपूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि इस समय रेलवे की 24 डिवीजनों में गाड़ियों के समय पर चलने का रिकार्ड 90 प्रतिशत , 43 डिवीजनों में 80 प्रतिशत और आठ डिवीजनों में 95 प्रतिशत तक पहुंच गया है। मदुरै, रतलाम, हुबली, अजमेर जैसे कुछ डिवीजनों में समयानुसार परिचालन का स्तर 77 प्रतिशत है। श्री वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेल का यह प्रदर्शन जर्मनी, फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों के स्तर का है पर हमारी तुलना का आधार जापान होना चाहिए।

राज्यों को जमाखोरी पर सख्ती के निर्देश

## देश में तेल और गैस का संकट नहीं: सरकार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में ईरान और इस्राइल-अमेरिका के बीच जारी तनाव और होर्मुज क्षेत्र में तेल व गैस के जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने की खबरों के बीच भारत में ईंधन संकट की आशंकाएं जताई जा रही हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने साफ कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और देश में तेल-गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और घबराकर बुकिंग या खरीदारी न करने की अपील की। संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि भारत की कुल शोधन क्षमता 258 मिलियन मीट्रिक टन है और देश पेट्रोल व

डीजल के उत्पादन में आत्मनिर्भर है। उन्होंने कहा कि देश की सभी रिफाइनरियां फिलहाल 100 प्रतिशत या उससे अधिक क्षमता पर काम कर रही हैं और उनके पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। इस वजह से पेट्रोल और डीजल के आयात की आवश्यकता नहीं है। एलपीजी आपूर्ति को लेकर शर्मा ने कहा कि देशभर के 25 हजार से अधिक एलपीजी वितरकों में कहीं भी गैस खत्म होने की स्थिति नहीं आई है। उन्होंने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं को बिना किसी रुकावट के एलपीजी उपलब्ध कराई जा रही है और अस्पतालों व शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 5 मार्च की तुलना में रिफाइनरियों में एलपीजी का घरेलू उत्पादन लगभग 30 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों को राज्य सरकारों को उपलब्ध कराया गया है ताकि जरूरत के अनुसार प्राथमिकता तय कर उनका वितरण किया जा सके।

### मासिक धर्म अवकाश पर नीति पर बोले सीजेआई, याचिका पर सुनवाई से इनकार

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** उच्चतम न्यायालय ने छात्राओं एवं कामकाजी महिलाओं को मासिक धर्म अवकाश देने संबंधी राष्ट्रव्यापी नीति निर्माण का अनुरोध करने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से शुक्रवार को इनकार करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में कोई महिलाओं को नौकरी नहीं देगा और ऐसा प्रावधान लैंगिक रूढ़ियों को अनजाने में और मजबूत करेगा। शीर्ष अदालत ने हालांकि कहा कि सक्षम प्राधिकारी इस संबंध में दिए गए अभ्यावेदन पर विचार कर सकते हैं और सभी संबंधित पक्षों से परामर्श के बाद मासिक धर्म अवकाश पर नीति बनाने की संभावना की समीक्षा कर सकते हैं। ये महिलाओं को हीन बताने के लिए, यह कहने के लिए दायर की जाती हैं कि मासिक धर्म उनके साथ होने वाली कोई बुरी चीज है.. लेकिन उस नियोक्ता के बारे में सोचिए, जिसे सवेतन अवकाश देना होगा।

## एलपीजी संकट पर संसद में विपक्ष की नारेबाजी

वित्त मंत्री बोलीं, मुश्किल समय में साथ खड़े हों, मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का नोटिस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के 5वें दिन, शुक्रवार को भी विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने 8 निलंबित सांसदों की वापसी की मांग की। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा- सदन की मेजों पर चढ़ोगे तो यही एक्शन होगा। लोकसभा में हंगामे का कारण पहले 12 बजे तक कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इसके बाद दूसरी बार 2 बजे तक फिर से कार्यवाही स्थगित की गई। 2 बजे शुरू हुई कार्यवाही भी केवल 1 घंटा चली। इसके बाद लोकसभा को 16 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इस दौरान विपक्ष ने पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी की। लोकसभा में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि विदेशों में हो रहे घटनाक्रम के कारण हमारे देश में कुछ मुश्किलें खड़ी हो रही हैं। सरकार जरूरी फंड मुहैया कराने और पूरी तरह तैयार रहने के लिए कदम उठा रही है। ऐसे समय में विपक्ष को सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होना चाहिए, लेकिन वह गैर-जिम्मेदाराना हरकत कर रहा है। सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी दलों ने संसद परिसर में एलपीजी संकट के खिलाफ प्रदर्शन किया। इधर, पीटीआई के सूत्रों ने बताया कि टीएमसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के खिलाफ दोनों सदनों में प्रस्ताव दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 1 लाख करोड़ का आर्थिक स्थिरीकरण कोष भारत को वित्तीय गुंजाइश देगा, जिससे वह वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सके। उन्होंने कहा कि यह कोष एक बफर (सुरक्षा कवच) के रूप में काम करेगा, जो पश्चिम एशिया जैसी मौजूदा अप्रत्याशित वैश्विक चुनौतियों से पैदा होने वाले झटकों को झेलने में मदद करेगा। लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को देखते हुए सभी राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय हित में एक साथ आना चाहिए।

## ईरान सरेंडर करने वाला है: राष्ट्रपति ट्रंप

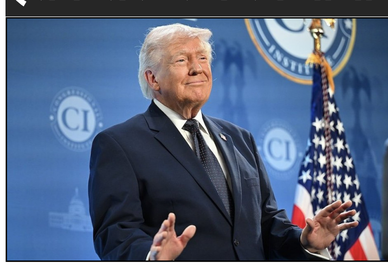

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में जी7 देशों के नेताओं के साथ एक वर्चुअल बैठक में यह दावा किया है कि ईरान लगभग आत्मसमर्पण करने वाला है। यह जानकारी एक्सियोस द्वारा शुक्रवार को जी7 देशों के तीन अधिकारियों के हवाले से प्रकाशित की गई है, जिन्हें इस बातचीत के बारे में जानकारी दी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने सहयोगियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने एक ऐसे कैंसर को खत्म कर दिया है जो हम सभी को धमकी दे रहा था। उन्होंने बुधवार की सुबह जी-7 कॉल के दौरान ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के परिणामों का भी बखान किया। ट्रंप ने यह भी कहा कि कोई नहीं जानता कि नेता कौन है, इसलिए ऐसा कोई नहीं है जो आत्मसमर्पण की घोषणा कर सके। शुक्रवार को, ट्रंप ने ईरान के नेताओं पर तीखी टिप्पणी की और कहा कि मध्य पूर्व में युद्ध के दो सप्ताह पूरे होने के साथ ही इस क्षेत्र में ड्रोन और मिसाइल हमलों के भारी आदान-प्रदान के बीच उन्हें मारना उनका बड़ा सम्मान था।

हेगसेथ का बड़ा बयान

## लगभग खत्म हो चुकी ईरान की सैन्य ताकत अब तक 15000 लक्ष्यों को बनाया निशाना

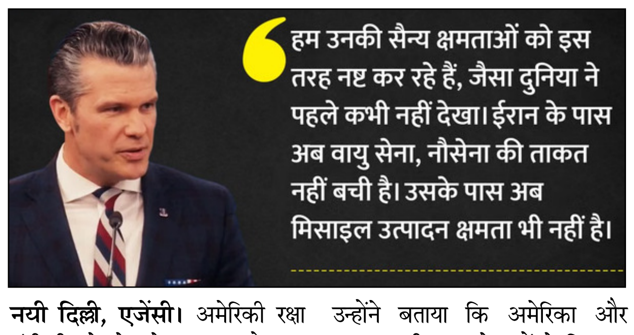


**नयी दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका ईरान की कट्टरपंथी सेना को इस तरह तबाह कर रहा है, जैसा दुनिया ने पहले कभी नहीं देखा। उन्होंने बताया कि अमेरिका और इस्राइल की वायु सेनाओं ने मिलकर दुश्मन के अब तक 15 हजार से अधिक लक्ष्यों पर हमला किया है, यानी प्रतिदिन एक हजार से अधिक लक्ष्य। अभी भी हमारे लड़ाकू विमान और बमवर्षक पूरे दिन ईरान के ऊपर उड़ान भर रहे हैं और खुफिया जानकारी के अनुसार लक्ष्य तय कर रहे हैं। हेगसेथ ने कहा कि दुष्ट शासन का सबसे बड़ा दुःस्वप्न। ईरान के पास कोई वायु रक्षा नहीं है। ईरान के पास कोई वायु सेना नहीं है। ईरान के पास कोई नौसेना नहीं है। उनके मिसाइल, मिसाइल लॉन्चर और ड्रोन या तो नष्ट किए जा रहे हैं या हवा में मार दिए जा रहे हैं। उनके मिसाइल भंडार में 90 फीसदी की कमी आ चुकी है।

## अदालत ने फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट वापस लिया

**श्रीनगर, एजेंसी।** श्रीनगर की एक अदालत ने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) घोटाले के सिलसिले में पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ पहले जारी किये गये गैर-जमानती वारंट को वापस ले लिया है। अदालत ने श्री अब्दुल्ला के अधिवक्ता इश्तियाक खान द्वारा कार्यवाही में उनकी अनुपस्थिति का कारण बताते हुए एक आवेदन दायर करने के बाद यह निर्णय लिया। श्री खान ने अदालत को बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री एक दिन पहले जम्मू में उन पर हुए कातिलाना हमले से सदमे के कारण सुनवाई में शामिल नहीं हो सके हैं। श्री खान ने दलील दी कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष इस घटना के बाद की स्थितियों के कारण शारीरिक रूप से या वर्चुअल मोड के माध्यम से पेश होने में असमर्थ थे। अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने शुरू में एक नियमित छूट का आवेदन दायर किया था, लेकिन जब अदालत ने गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया, तो उन्होंने वारंट को वापस लेने की मांग करते हुए एक विस्तृत आवेदन दिया

हिन्दी दैनिक तीसरा विकल्प न्यूज़ | लखनऊ से प्रकाशित | शनिवार, 14 मार्च, 2026


# रविदास घाट पर 'खुला आसमान' संस्था ने उत्साह के साथ मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी**

वाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर खुला आसमान संस्था द्वारा रविदास घाट पर एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय ÷सशक्त महिला - सशक्त समाज÷ रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और संवाद के माध्यम से यह संदेश देना था कि महिलाओं का आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक विकास समाज की प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि महिलाएं केवल परिवार ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला हैं। जब महिलाओं को शिक्षा, सम्मान और समान अवसर प्राप्त होते हैं, तब समाज अधिक सशक्त और समृद्ध बनता है। कार्यक्रम का आयोजन संस्था की संस्थापिका रोली सिंह रघुवंशी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में सह-संस्थापिका दीक्षा सिंह रघुवंशी सहित संस्था की पूरी टीम ने सक्रिय सहयोग दिया, जिनमें अंकित चौबे भी प्रमुख रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किरण यादव (साईं डायरेक्टर) रहीं। इसके अलावा कार्यक्रम में जगदीश सिंह (सेना), निरूपमा सिंह (बाल संरक्षण अधिकारी) तथा डॉ. शिखा सचान (प्रोफेसर, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, आईएमएस बीएचयू) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता के महत्व पर अपने विचार साझा किए और समाज को महिलाओं के सम्मान एवं अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और विचार-विमर्श के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के संदेश को सराहा। अंत में संस्था की ओर से सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर रोली सिंह रघुवंशी, दीक्षा सिंह रघुवंशी, अंकित चौबे, शिव पूजन, सीता, संजू सहित संस्था के अन्य सदस्य एवं कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## लविवि में दो दिवसीय संगोष्ठी जियोकॉन-2026 शुरू

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी जियोकॉन–2026 ः भूविज्ञान और जलवायु परिवर्तन के लिए सतत पर्यावरण शुक्रवार को शुरू हुई। संगोष्ठी के पहले दिन देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से आए वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने पृथ्वी विज्ञान, जलवायु परिवर्तन, खनिज संसाधन और पर्यावरण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। मालवीय सभागार में आयोजित प्लेनरी व्याख्यान सत्र में वैज्ञानिकों ने अपने शोध और अनुभव साझा किए। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना के निदेशक प्रो. टीएन सिंह ने हिमालयी क्षेत्र में अर्द्ध–सुरंगों के संदर्भ में गतिशील शैल पतन विश्लेषण विषय पर व्याख्यान देते हुए पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन और चट्टानों के गिरने से होने वाले जोखिमों तथा उनके वैज्ञानिक समाधानों पर प्रकाश डाला।

## गैस एजेंसियों की मनमानी पर लगाम के लिए जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर

**तीसरा विकल्प न्यूज़ मोहम्मद अरशद**

नजीबाबाद। यदि किसी उपभोक्ता को भारत गैस, इंडेन गैस या एचपी गैस एजेंसियों के संचालकों द्वारा समय पर गैस उपलब्ध नहीं कराई जा रही है या ग्राहकों को किसी प्रकार की शिकायत है, तो अब इसके लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इन नंबरों पर उपभोक्ता सीधे शिकायत दर्ज करा सकते हैं। ग्रामीण घरेलू गैस उपभोक्ता संघर्ष समिति,कलहेड़ी के संरक्षक ग़ालिब अंसारी उर्फ बिट्टू द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, भारत गैस से संबंधित शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 1800–22–4344 (टोल फ्री) जारी किया गया है। वहीं इंडेन गैस के उपभोक्ता 1800–2333–555 या 7588888824 (टोल फ्री) पर संपर्क कर अपनी समस्या दर्ज करा सकते हैं। इसी प्रकार एचपी गैस के ग्राहकों के लिए 1800–2333–555 तथा 9222201122 (टोल फ्री) नंबर जारी किए गए हैं, जिन पर कॉल करके गैस आपूर्ति से जुड़ी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।बताया गया है कि यदि कोई गैस एजेंसी गैस देने में आनाकानी करती है या उपभोक्ताओं को परेशान करती है, तो इन हेल्पलाइन नंबरों पर शिकायत कर कार्रवाई कराई जा सकती है, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

# खण्ड शिक्षा अधिकारी रुदौली के नेतृत्व में 200 छात्रों का दल पहुंचा कृषि विश्वविद्यालय कुमार गंज

**➲ वैज्ञानिकों ने छात्रों को कृषि, मतस्य,पशुपालन सहित दी आधुनिक जानकारी**

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई**

मवई अयोध्या। विकास खण्ड रुदौली व विकास खण्ड मवई क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के करीब दो सौ बचों ने जिले के आचार्य नरेंद्र देव प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय आविष्कार योजना के तहत शैक्षणिक भर्मण किया। इस दौरान बचों को कृषि, पशुपालन,मत्स्य पालन से सम्बंधित आधुनिक जानकारी दी गई। भर्मण करने गए दल में कक्षा 6 से लेकर कक्षा 8 तक के बचे शामिल रहे।

इन बचों का चयन राष्ट्रीय आविष्कार योजना के तहत आयोजित प्रतियोगिता के आधार पर किया गया था। प्रतियोगिता में विकास खण्ड रुदौली व विकास खण्ड मवई के विभिन्न विद्यालयों से सौ सौ बचों को इस शैक्षणिक भर्मण के लिए चुना गया था। शिक्षक विपिन पालीवाल ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य बचों में विज्ञान के प्रति रुचि बढाना और उन्हें व्यवहारिक ज्ञान से जोड़ना है।इसी उद्देश्य से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का भर्मण कराया गया।बचों ने सब्जी विज्ञान केंद,मत्स्य पालन,डेयरी विभाग सहित कई शोध एंव प्रशिक्षण केंद्रों का दौरा किया। इन वैज्ञानिक केंद्रों पर बचों को आधुनिक कृषि पद्धतियों,उन्नत बीजों,जैविक खेती,डेयरी प्रबंधन और मत्स्य पालन की नई तकनीकों के बारे विस्तार से बताया बताया। भर्मण के दौरान बचों ने कई सवाल भी पूछे जिनके उत्तर वैज्ञानिक विशेषज्ञों ने बचों को सरल भाषा मे दिए। वैज्ञानिकों ने यह भी बताया कि आधुनिक तकनीत और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपना कर किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। यह शैक्षणिक भर्मण दल खण्ड शिक्षा अधिकारी रुदौली रमाकांतराम के नेतृत्व विश्वविद्यालय पहुंचा था। इस अवसर पर शिक्षक अमरेंद्र प्रताप सिंह,राम अनुज तिवारी सहित अन्य शिक्षक एंव विधार्थी उपस्थित रहे।

# शिवादयाल सिंह चौरसिया का जन्म दिवस धूम धाम से मनाया गया।

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी**

वाराणसी। समाजवादी पार्टी महानगर वाराणसी द्वारा बाबू शिवादयाल सिंह चौरसिया जी का जन्म दिवस महानगर कार्यालय ललिता सिनेमा भेलूपुर में मनाया गया शिवदयाल सिंह चौरसिया जी ने अपने पूरे जीवन काल में शोषितों पिछड़ों वंचितों को समानता का अधिकार दिलाने हेतु लड़ाई लड़ी 29 जनवरी 1953 में काका कालेलकर आयोग का गठन किया गया जिसमें शिवदयाल सिंह चौरसिया भी सदस्य रहे 1975 में जब वह रायसभा के सांसद रहे भारतीय संविधान में संशोधन कराया और भारतीय संविधान में अनुछेद 39 ए दिनांक 30.1 1975 को जुड़वा कर निशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की मांग को प्रस्तुत किया वर्तमान में लोक अदालत श्री शिवदयाल सिंह चौरसिया जी की देन है साइमन कमीशन को गवाहों की हिंदी में अनुवाद कर साइमन सर को बताया तथा उसे लिख कर देने जैसा चुनौती पूर्ण कार्य को बखूबी अंजाम दिया जिसके लिए उन्हें ब्रिटेन में होने वाले गोलमेज सम्मेलन का भी सदस्य बनाया गया लेकिन वह किसी कारणवश उसमें सम्मिलित नहीं हो सके इस तरह के अनेकों कार्य उन्होंने पिछड़े दलित और शोषितों के लिए किया जिसके लिए पिछड़ा समाज दलित शोषित और वंचित समाज सदैव आभारी रहेगा । इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष समाजवादी व्यापार सभा काशीनाथ गुप्ता जी सोहनलाल चौरसिया जी अखिल भारतीय चौरसिया महासभा अध्यक्ष महानगर महामंत्री अनूप चौरसिया मंत्री रवि चौरसिया सचिव अनीलसाहू अरुण बरनवाल राहुल शर्मा अतुल गुप्ता सुनील चौरसिया अध्यक्ष चौरसिया व्यापार मंडल सुजीत चौरसिया रामबाबू चौरसिया श्री कालिदास चौरसिया अवधेश चौरसिया चंदन चौरसिया अमरनाथ चौरसिया बृजेंद्र चौरसिया दिनेश चौरसिया दीपक चौरसिया रामजी यादव चंद्र प्रकाश मद्धेशिया शशि लताजी संजय यादव ओम प्रकाश यादव अवधेश कुशवाहा ओम प्रकाश जायसवाल अखिलेश गुप्ता विवेक जोसेफ आर पी चौरसिया कार्यक्रम के अध्यक्षता महानगर महासचिव योगेंद्र यादव तथा संचालन महानगर व्यापार सभा के महासचिव सोहन लाल चौरसिया ने किया

## पत्रकार शिव कुमार के वैवाहिक आशीर्वाद गोष्ठी में शामिल हुए विश्वकर्मा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी**

वाराणसी। ऑल इंडिया यूनाइटेड विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय कोर कमेटी के संस्थापक सदस्य पड़ाव रतनपुर निवासी प्रमुख व्यवसायी महेंद्र विश्वकर्मा के पुत्र पत्रकार शिवकुमार विश्वकर्मा के विवाह समारोह के अवसर पर आयोजित आशीर्वाद गोष्ठी में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा ने उपस्थित होकर नव दंपति को सुखद एवं दीर्घ वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया। यह आयोजन पड़ाव स्थित एक विशिष्ट लान में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। जिसमें वर वधू को गणमान्य स्वजन और परिजनों ने सुखद वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा के वाराणसी जिला अध्यक्ष व सदस्य विधान परिषद श्री हंसराज विश्वकर्मा, सेवानिवृत्ति जिला न्यायाधीश श्री पारसनाथ विश्वकर्मा, सुरेश विश्वकर्मा एडवोकेट, सतनाम सिंह, कैलाश नाथ विश्वकर्मा, लोचन विश्वकर्मा, सुरेश विश्वकर्मा,भैरव विश्वकर्मा, दीप विश्वकर्मा, पत्रकार सुभाष विश्वकर्मा, चौधरी विश्वकर्मा, राजू विश्वकर्मा, मोहित विश्वकर्मा, विदेशी विश्वकर्मा, परदेसी विश्वकर्मा, विजय विश्वकर्मा, रामबली विश्वकर्मा, श्याम बली विश्वकर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा, सही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

## चांदपुर-धनौरा मार्ग के अधूरे निर्माण पर शिवसेना ने जताया रोष डीएम को सौंपा ज्ञापन

**तीसरा विकल्प न्यूज़ मोहम्मद अरशद**

बिजनौर। चांदपुर–धनौरा मार्ग पर पिछले लगभग 32–33 महीनों से लंबित पड़े सड़क निर्माण कार्य को लेकर शिवसेना पदाधिकारियों ने कड़ा रोष व्यक्त किया है। इस संबंध में शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह और युवा जिला प्रमुख विजय मोहन गुप्ता ने 12 मार्च 2026 को जिला अधिकारी बिजनौर को शिकायत पत्र सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की। शिवसेना नेताओं ने बताया कि चांदपुर–धनौरा मार्ग दोनों ओर से लगभग तीन–तीन फीट गहरा खुदा हुआ पड़ा है, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अधूरे निर्माण के कारण अब तक कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लोक निर्माण विभाग की लापरवाही के चलते यह सड़क लंबे समय से अधूरी पड़ी है। पदाधिकारियों ने बताया कि 11 मार्च को ही एक युवक की इस अधूरे सड़क निर्माण के गड्ढे में गिरने से मौत हो गई, जबकि इससे पहले भी कई लोग हादसों का शिकार हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति बेहद गंभीर है और संबंधित विभाग की घोर लापरवाही को दर्शाती है। शिवसेना नेताओं ने कहा कि इस मामले की शिकायत की प्रतिलिपि सड़क परिवहन मंत्री भारत सरकार, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण विभाग को भी भेजी गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि लोक निर्माण विभाग द्वारा जल्द ही सड़क निर्माण कार्य पूरा नहीं कराया गया, तो शिवसेना चांदपुर–धनोरा मार्ग पर ही अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि अब किसी और को इस लापरवाही का शिकार नहीं होने दिया जाएगा और जनहित में आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

## रायबरेली काव्य रस साहित्य मंच की बिहार प्रदेश इकाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ऑनलाइन काव्य गोष्ठी संपन्न

**तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो**

रायबरेली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राय बरेली काव्य रस बिहार इकाई द्वारा ऑनलाइन काव्यगोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर रायबरेली काव्य रस साहित्य मंच के अध्यक्ष एवं आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी हिंदी विद्यापीठ,रायबरेली के कुलपति डॉ. शिव नाथ सिंह शिव की विशेष उपस्थिति रही। काव्य गोष्ठी का संचालन सोनी बर्नवाल कशिश ने किया। काव्य गोष्ठी का आरंभ कवि मनोज मंजुल काशगंज द्वारा प्रस्तुत वाणी वंदना से हुआ। इस अवसर पर सोनी बरनवाल फ्रकशिशफ्र,योती बर्नवाल, डॉ.ममता सूद कुरुक्षेत्र (हरियाणा) डॉ निधि बोथरा जैन, इस्लामपुर पश्चिम-बंगाल, अवधेश कुमार श्रीवास्तव, उत्राव उत्तर प्रदेश,मनोज मंजुल, कासगंज उत्तर प्रदेश निवेदिता सिन्हा, गया जी बिहार , ममता श्रवण अग्रवाल, सतना मध्य प्रदेश ,राम राज भारती, लखनऊ उत्तर प्रदेश,डॉ. छोटे लाल सिंह चौहान अमर राय बरेली, शिवकुमार सिंह, शिव, दुसौटी, रायबरेली, शिवनाथ सिंह, शिव, रायबरेली, श्वेता कुमारी चौबे शिक्षिका बेतिया पश्चिम चम्पारण बिहार नीता सहाय, पटना,सोनी बरनवाल, जमुई, बिहार , डॉ मीना कुमारी परिहार मान्या आदि ने अपने गीत गजल छंद एवं मुक्तकों से सबको भाव विभोर कर दिया।

## अकीदत के साथ अदा हुई माह ए रमज़ान के आख़िरी जुमा 'अलविदा' की नमाज़

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई**

मवई अयोध्या। माह–ए–रमज़ान का मुकद्दस आख़िरी जुमा 'अलविदा' की नमाज़ कस्बे से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में अकीदत व एहतराम के साथ अदा की गई। कस्बे से लेकर ग्रामीण इलाकों तक मस्जिदें नमाज़ियों से खचाखच भरी रहीं। नमाज़ से पहले उलमा–ए–किराम ने माह ए रमज़ान की फ़ज़ीलतों पर रोशनी डाली और ईद की नमाज़ से पहले ज़कात व फ़ित्रा अदा करने की अपील की। आखिर में मुल्क की तरक्क़ी,अमन व आपसी सौहार्द के लिए खास दुआएं की गईं,अलविदा जुमा को लेकर सुबह से ही लोगों में ख़ासा उत्साह देखने को मिला। ब्लॉक मवई क्षेत्र के नेवरा, सांडवा,.मीरमऊ,मोहम्मदपुर,जैसुखपुर,मवई,रानीमऊ समेत मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में चहल–पहल रही। नमाज़ के वक्त नेवरा,संडवा,मोहम्मदपुर,मवई चौराहा,मीर मऊ,सहित अन्य बाजार बंद रहे और मस्जिदों की ओर जाने वाले रास्तों पर नमाज़ियों की भारी भीड़ देखने को मिली। देखते ही देखते हर गली और कूंचे की छोटी–बड़ी मस्जिदें नमाज़ियों से भर गईं। मौजा सण्डवा में जामा मस्जिद के इमाम हजरत कारी अजीमुद्दीन खां ने माह ए रमज़ान की अहमियत पर बयान करते हुए लोगों से अपील करते हुए कहा कि ईद से पहले ज़कात और फ़ित्रा अदा कर जरूरतमंदों की मदद करें। उन्होंने जुमे की नमाज में मुल्क में अमन और भाईचारे के लिए दुआएं मांगी।

## वाराणसी में 12-13 अप्रैल को होगा ब्यूटी एक्सपो 3.0

**देशभर से आएंगे ब्यूटी इंडस्ट्री के एक्सपर्ट**

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी**

वाराणसी। शहर के ट्रेड सेंटर, लालपुर–चांदमारी में 12 और 13 अप्रैल को भव्य ब्यूटी एक्सपो 3.0 का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में देशभर से ब्यूटी इंडस्ट्री से जुड़े प्रोफेशनल्स और प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में कई नामी कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स और सेवाओं का प्रदर्शन करेंगी। इस एक्सपो में सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में सना सुल्तान शामिल होंगी, जबकि विशेष अतिथि के रूप में जिया सोसा और रुबीना वर्मा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगी। कार्यक्रम में रिकोड, एम एस ग्लैमर, नाइजा और वेदा केयर डाक्टर राशील जैसी प्रसिद्ध कंपनियां भी भाग ले रही हैं, जो ब्यूटी और कॉस्मेटिक सेक्टर के नए ट्रेंड और प्रोडक्ट्स को प्रस्तुत करेंगी। इस कार्यक्रम की एंट्री फीस 750 रुपये रखी गई है, जबकि प्रतिभागियों को 1000 रुपये तक का रिटर्न गिफ्ट भी दिया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, इस एक्सपो में पूरे भारत से प्रतिभागी आ रहे हैं, जिससे यह कार्यक्रम ब्यूटी इंडस्ट्री के लिए एक बड़ा मंच साबित होगा। इस कार्यक्रम का आयोजन शौर्य बरनवाल द्वारा किया जा रहा है, जबकि इसका निर्देशन दीपा बरनवाल कर रही हैं। आयोजकों ने शहर के ब्यूटी प्रोफेशनल्स और युवाओं से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

## विश्वमांगल्य सभा का प्रथम प्रांतीय अधिवेशन 15-16 मार्च को काशी में।

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी**

वाराणसी। भारतीय संस्कृति के सनातन मूल्यों, मातृशक्ति के जागरण तथा सामाजिक–सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उद्देश्य से कार्यरत विश्वमांगल्य सभा, काशी प्रांत का प्रथम प्रांतीय अधिवेशन 15 एवं 16 मार्च 2026 को काशी स्थित श्रृंगेरी मठ में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया गया कि विश्वमांगल्य सभा समाज में भारतीय जीवनदृष्टि, संस्कारपरक पारिवारिक व्यवस्था तथा मातृशक्ति के संगठन और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। अधिवेशन में काशी प्रांत के विभिन्न जनपदों से कार्यकर्ता बहनों एवं पदाधिकारियों की सहभागिता रहेगी। दो दिवसीय अधिवेशन के प्रथम दिन 15 मार्च को उद्घाटन सत्र एवं विभिन्न बैठकों का आयोजन होगा। इस दौरान शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में वैचारिक संगोष्ठी आयोजित की जाएगी, जिसमें मातृशक्ति की भूमिका, सांस्कृतिक जागरण तथा संगठन की भावी कार्ययोजना पर विचार–विमर्श किया जाएगा। अधिवेशन के दूसरे दिन 16 मार्च को प्रातः शिवाजी नगर पार्क से श्रृंगेरी मठ तक भव्य नगर परिक्रमा निकाली जाएगी। इस नगर परिक्रमा में संगठन की कार्यकर्ता बहनों द्वारा भारत की सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाती आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। साथ ही लाठी एवं तलवार संचालन का प्रदर्शन भी किया जाएगा, जो नारी शक्ति, साहस और आत्मरक्षा की परंपरा का प्रतीक होगा। विश्वमांगल्य सभा, काशी प्रांत की अध्यक्ष आनंद प्रभा ने मीडिया प्रतिनिधियों से इस आयोजन को व्यापक रूप से प्रसारित करने का अनुरोध किया है। प्रेस वार्ता में प्रांतीय पदाधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

# जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में संस्कार, सुगंधी और चांदनी ने जीता स्वर्ण पदक

**तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो**

सीतापुर। खेल निदेशालय, उ.प्र., लखनऊ के तत्वाधान में जिला खेल कार्यालय, सीतापुर द्वारा जिला स्तरीय जूनियर वर्ग बालक/बालिका प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक 12 से 14 मार्च, 2026 तक मेजर ध्यानचंद और तरणताल स्टेडियम में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के पहले दिन दिनांक 12 मार्च, 2026 को बैडमिंटन (जूनियर वर्ग बालक/बालिका) प्रतियोगिता का आयोजन तरणताल स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी संजीव कुमार सिंह के द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता जनपद के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 60 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता जूनियर बालक/बालिका एकल/युगल वर्गों में आयोजित की गई। जूनियर बालक एकल वर्ग में संस्कार विजेता तथा मो. रेहान उपविजेता रहे। जूनियर बालक युगल वर्ग में अमन/अभय विजेता तथा निहाल/प्रवल उपविजेता रहे। जूनियर बालिका एकल वर्ग में सुगंधी विजेता और शगुन उपविजेता रही। जूनियर बालिका युगल वर्ग में सुगंधी/चांदनी विजेता और शगुन/आदर्शनी उपविजेता रही। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायकों के रूप में डॉ. निखिल कुमार रस्तोगी, क्षितिज त्रिपाठी, मिलन यादव और ओम प्रकाश यादव ने अपना योगदान दिया। पुरस्कार वितरण प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी संजीव कुमार सिंह के द्वारा किया गया।

# नवरात्र मेला में ड्यूटीरत अधिकारियो को हो जिम्मेदारी का एहसास, निष्ठा के साथ करे ड्यूटी दायित्वों का करे निर्वहन –मंडलायुक्त

**➢ मंडलायुक्त व पुलिस महानिरीक्षक ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित सभी अधिकारियो के साथ बैठक कर चैत्र नवरात्र मेला की तैयारियो की समीक्षा कर दिया निर्देश, 17 मार्च तक सभी विभागो के पूर्ण हो शत प्रतिशत कार्य ➢ वाहन पार्किंग का ठेका लेने वाले व्यक्तियो का न हो कोई अपराधिक इतिहास, ठेकेदार सहित सभी कार्यरत कार्मिकों का कराए सत्यापन -पुलिस महानिरीक्षक ➢ जिलाधिकारी ने मेला की तैयारियो के बारे में दी विस्तृत जानकारी, मेला पूर्व पूर्ण होगी सभी तैयारियां ➢ जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने पण्डा समाज के पदाधिकारियों के साथ भी बैठक कर दिया आवश्यक दिशा निर्देश**

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर**

मिर्जापुर। माँ विंध्यवासिनी देवी के धाम विंध्याचल में आगामी 18/19 की मध्य रात्रि से प्रारम्भ होने वाले वासंतिक चैत्र नवरात्र मेला के तैयारियो के दृष्टिगत मंडलायुक्त विंध्याचल मण्डल राजेश प्रकाश, पुलिस महानिरीक्षक आर.पी. सिंह ने जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक सहित मेला से सम्बन्धित सभी विभागो/कार्यदायी विभागो के अधिकारियो के साथ बैठक कर बिन्दुवार समीक्षा की। बैठक में मण्डलायुक्त ने अधिकारियो को सम्बोधित करते हुए कहा कि मेला के तैयारी एवं मेला के दौरान ड्यूटीरत अधिकारी अपने जिम्मेदारी का एहसास कराते हुए पारदर्शिता व निष्ठा के साथ देवी धाम में अपने दायित्वो का निर्वहन करे। उन्होंने कहा प्रत्येक विभागीय अधिकारी मेला के कार्य हेतु कम से कम एक राजपत्रित अधिकारी को मेला नोडल अधिकारी के रूप में बनाया जाए जो उस विभाग से सम्बन्धित अधिकारियो/कार्मिको से समन्वय बनाते हुए मेला क्षेत्र में सकुशल कार्य सम्पन्न कराए। उन्होंने कहा कि नव निर्मित पीपा पुल के दोनो तरफ मजबूत बैरीकेटिंग के साथ 04 फीट की ऊचाई तक जाली लगाया जाए ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सकें। मण्डलायुक्त ने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विभाग अपने कार्यो को अधिक 17 मार्च 2026 तक शत प्रतिशत पूर्ण करा ले 17 मार्च 2026 के 03 बजे उनके द्वारा सम्बन्धित अधिकारियो के साथ भ्रमण कर निरीक्षण किया जाएगा, कार्य पूर्ण न करने वालो के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। पुलिस महानिरीक्षक आर0पी0 सिंह ने मेला की तैयारी समय से पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए कहा कि मेला क्षेत्र मे पार्किंग व्यवस्था के लिए दिए गए टेण्डर के पश्चात ठेकेदार व पार्किंग में कार्यरत कर्मचारियो का सत्यापन करा लिया जाए यदि उसके विरूद्ध कोई अपराधिक इतिहास रहा हो तो ऐसे व्यक्ति को पार्किंग का ठेका न दिया जाए। पार्किंग स्थल पर बड़े बोर्ड पर स्पष्ट अक्षरो में रेट लिस्ट समय निर्धारित करते हुए अंकित किया जाए। उन्होंने विभिन्न होटलो पर भी रेट लिस्ट लगाने का निर्देश दिया। मेला के दौरान जाम की स्थिति उत्पन्न न होने पाए इसके लिए पुलिस व परिवहन विभाग की समन्वय टीम बनाकर मुख्य मार्गो पर पेट्रोलिंग करते हुए मुख्य मार्ग पर वाहन खड़ा न होने दे। तीनो मन्दिरो के गर्भगृह में इंवर्टर की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए यदि है तो यह सुनिश्चित करे ले कि वह संचालित है कि नहीं। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार मण्डलायुक्त को आश्वस्त करते हुए कहा कि दिए गए निर्देशो का अक्षरश पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। मेला के पूर्व घाटो व गंगा में बैरीकेटिंग, प्रकाश व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा, साफ सफाई, तीनो मन्दिर के बारे में सुक्षा व्यवस्था सहित अन्य सभी विभागो के द्वारा तैयारियां शत प्रतिशत पूर्ण करा ली जाएगी। पुलिस अधाक अपर्णा रजत कौशिक ने सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस बल की तैनाती के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके पूर्व जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने पण्डा समाज के पदाधिकारियो के साथ बैठक कर मेला में आने वाले श्रद्धालुओ को सुविधापूर्ण दर्शन मिल सके सहयोग प्रदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी के द्वारा निकास द्वार से दर्शन नही कराया जाएगा यात्रियो के साथ किसी द्वारा अभद्रता नही की जाएगी। सभी पण्डा निर्धारित ड्रेस व पहचान पत्र के साथ ही मन्दिर में दर्शन कराने हेतु प्रवेश कर सकेंगे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि./रा. अजय कुमार सिंह, नमामि गंगे विजेता, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी राकेश कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सी.एल. वर्मा, डिप्टी कलेक्टर संजीव यादव, अध्यक्ष पण्डा समाज पंकज द्विवेदी के अलावा शनि पाठक, गंजन मिश्रा, अनुज पाण्डेय, रघुवर दयाल उपाध्याय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

# हक मांगने से नहीं मिलता, उसके लिए लड़ना पड़ता है

मोदी सरकार ने देश की एनर्जी सिक्योरिटी से किया समझौता, अमेरिका के दबाव में झुकी सरकार- राहुल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बहुजन समाज के महान सामाजिक परिवर्तनकारी नेता कांषीराम की जयंती के अवसर पर लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित संगोष्ठी में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ÷हक मांगने से नहीं मिलता, बल्कि उसके लिए लड़ना पड़ता है।÷ संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि परिवर्तन केवल चाहने से नहीं आता, बल्कि उसके लिए लगातार प्रयास और संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज गलत को गलत और सही को सही कहने का साहस नहीं करता, तब तक बदलाव संभव नहीं है। कांशीराम के संघर्षों को याद करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वे अक्सर भारतीय समाज की संरचना को समझाने के लिए पेन और उसके ढक्कन का उदाहरण दिया करते थे। उनके अनुसार, पेन का ढक्कन मात्र 15 प्रतिशत है, लेकिन वही पूरे पेन को नियंत्रित करता है। इसी तरह भारतीय समाज में भी एक छोटा वर्ग व्यवस्था को नियंत्रित करता रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने सत्ता में आने के बाद इस असंतुलन को और बढ़ा दिया है और 85 प्रतिशत वंचित वर्गों को व्यवस्था से बाहर कर दिया है। प्रधानमंत्री नदेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हाल ही में अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते में भारत के हितों की अनदेखी की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस समझौते से देश के किसानों को भविष्य में नुकसान उठाना पड़ सकता है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि मोदी सरकार ने देश की ऊर्जा सुरक्षा से समझौता कर लिया है, क्योंकि अब अमेरिका यह तय कर रहा है कि भारत तेल कहां से खरीदेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अंतरराष्ट्रीय दबाव में काम कर रही है और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर समझौता कर चुकी है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने संसद में कुछ गंभीर मुद्दे उठाने की कोशिश की तो उन्हें बोलने से रोक दिया गया। राहुल गांधी ने दावा किया कि सरकार कई मामलों में दबाव में है और इसी कारण महत्वपूर्ण सवालों से बचने की कोशिश की जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सामाजिक न्याय और 85 प्रतिशत वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रही है। यह केवल चुनाव जीतने की लड़ाई नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि विचारों की लड़ाई सबसे मजबूत होती है और जो व्यक्ति अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करता, वही इतिहास में सम्मानित होता है कृ चाहे वह अम्बेड़कर जी हों, गांधी जी हो, या कांशीराम जी हों। संगोष्ठी का आयोजन उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन डा. अनिल जय हिन्द एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन डा. राजेन्द्र पाल गौतम द्वारा किया गया। संगोष्ठी में मुख्य रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, प्रभारी अविनाश पाण्डेय, उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधान मण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा ''मोना'', अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सह प्रभारी उत्तर प्रदेश धीरज गुर्जर, राजेश तिवारी, सत्य नारायन पटेल, तौकीर आलम, नीलांशू चतुर्वेदी, प्रदीप नरवाल, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन डा. अनिल जय हिन्द, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा एवं अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन मनोज यादव एवं तनुज पुनिया- सांसद मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

# बड़े इमामबाड़े में कुद्स दिवस पर प्रदर्शन

अमेरिका-इज़रायल के खिलाफ लगे नारे

**जुमअतुल विदा के मौके पर लखनऊ के बड़े इमामबाड़े में नमाज़ के बाद फ़िलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन किया गया,जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।**

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। विश्व प्रसिद्ध बड़ा इमामबाड़ा में जुमअतुल विदा की नमाज़ के बाद अंतरराष्ट्रीय कुद्स दिवस' के अवसर पर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने अमेरिका और इज़रायल के खिलाफ नारे लगाए और फ़िलिस्तीन पर इज़राइल के कब्ज़े तथा ग़ाज़ा में हो रही हिंसा के विरोध में आवाज़ उठाई।यह प्रदर्शन हर साल रमज़ान के आख़िरी जुमा को आयोजित किया जाता है। इस बार भी कार्यक्रम का नेतृत्व इमाम-ए-जुमा सैयद कल्बे जवाद नक़वी ने किया, जिसमें उलेमा और बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। मौके पर फ़िलिस्तीन की आज़ादी के समर्थन के साथ-साथ

रहबर-ए-मुअज़्ज़म अली खमेनेई को भी याद किया गया।

## इंसानियत और मानवता को समर्पित एक व्यक्तित्व - शिक्षक अमलेश कुमार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाज में अक्सर लोग अपनी व्यक्तिगत सफलताओं के पीछे भागते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो दूसरों के अंधेरे जीवन को रोशन करने के लिए अपनी पूरी जिंदगी समर्पित कर देते हैं। अमलेश कुमार एक ऐसा ही नाम है, जो पिछले 24 वर्षों से नवज्योति दृष्टिबाधित विद्यालय (मोहनलालगंज, लखनऊ ) में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।24 साल पहले शुरू हुआ उनका यह सफर आज भी उसी लगन और जोश के साथ जारी है। उन्होंने अपनी आँखों की रोशनी का उपयोग उन बच्चों को रास्ता दिखाने के लिए किया है, जिन्हें दुनिया अक्सर पीछे छोड़ देती है।दृष्टिबाधित बच्चों को पढ़ाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। उन्होंने ऐसे समय में पढ़ाना शुरू किया था जब दृष्टि दिव्यांग बच्चों के लिए संसाधन बहुत सीमित थे। अमलेश कुमार ने न केवल पारंपरिक ब्रेल के माध्यम से, बल्कि आधुनिक तकनीक और व्यावहारिक उदाहरणों का उपयोग करके भी बच्चों के लिए शिक्षा को सुगम बनाया है। उनकी शिक्षण शैली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे बच्चों की भावनाओं को समझते हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करते हैं। एक कुशल शिक्षक होने के साथ-साथ, वे एक अच्छे साहित्यकार भी हैं। उन्होंने बाल साहित्य को समर्पित एक पुस्तक अमल बाल वाटिका लिखी है, जो काफी लोकप्रिय हुई है।उन्हें कई प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। एक सामान्य व्यक्ति होकर अपना पूरा जीवन विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के बीच बिता देना उनके सेवा भाव को दर्शाता है। उनके मार्गदर्शन में पढ़े कई छात्र आज सरकारी बैंक, रेलवे और शिक्षण संस्थानों में कार्यरत हैं। अमलेश कुमार का मानना है कि इन बच्चों को दया की नहीं, बल्कि सही दिशा और शिक्षा की आवश्यकता है ताकि वे भी मुख्यधारा का हिस्सा बन सकें।

# वफ़ा अब्बास ने ईरान कल्चर हाउस में अयातुल्लाह अली खामेनेई को दी श्रद्धांजलि

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। अम्बर फाउंडेशन के चेयरमैन वफ़ा अब्बास ने दिल्ली स्थित ईरान कल्चर हाउस जाकर अयातुल्लाह सैयद अली खामेनेई की शहादत पर गहरी ताज़ियत पेश की। अम्बर फाउंडेशन के चेयरमैन वफ़ा अब्बास ने नई दिल्ली स्थित कल्चर हाउस पहुँचकर ईरान के रहबर अली खमेनेई की शहादत पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने ताज़ियती किताब में अपने जज़्बात दर्ज किए और मरहूम के लिए दुआ की।इस मौके पर उन्होंने ईरान के प्रतिनिधि आयतुल्लाह अब्दुल मजीद हकीम इलाही और मौलाना तक़ी नक़वी से मुलाक़ात कर ईरान की क़ौम के साथ हमदर्दी का इज़हार किया।वफ़ा अब्बास ने कहा कि अयातुल्लाह खामेनेई की शख्सियत दुनिया भर के मज़लूमों के लिए हिम्मत और इंसाफ़ की आवाज़ थी। उन्होंने कहा कि अमन और इंसानियत के लिए मज़लूमों के साथ खड़ा होना हर इंसान की जिम्मेदारी है।उन्होंने यह भी बताया कि अम्बर फाउंडेशन लगातार समाज सेवा के कार्यों जैसे मुफ्त चश्मा वितरण मेडिकल कैंप और ब्लड डोनेशन कार्यक्रम के जरिए जरूरतमंदों की मदद करता रहा है।

## थाना महानगर पुलिस ने 1 वारंटी को किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ माध्य क्षेत्र के थाना महानगर पुलिस टीम को एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है, एक वारंटी काफी समय से फरार चल रहा था, मुखबिर की सूचना पर महानगर पुलिस के हत्थे चढ़ा, आरोपी पंकज केसरवानी निवासी ला सेक्शन आफिसर कक्ष स. 503 पंचम तल शक्ति भवन थाना हजरतगंज लखनऊ,जो काफी समय से मा0 न्यायालय सी0 जे0 एम0, जिला लखनऊ द्वारा निर्गत गैर जमानतीय वारंट मा0 न्यायालय में तारीख पेशी पर उपस्थित न होने के कारण अभियुक्त पंकज केसरवानी के विरुद्ध एनबीडब्ल्यू जारी किया गया था, प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्रा को थाने की कमान शॉपी गई है, अपनी जिम्मेदारी को बाखूबी से करते हुए नजर आ रहे, महानगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया,

## समाचार

### नौकरानी पर जेवर चोरी का आरोप, मुकदमा दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आशियाना। आशियाना थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने घर में काम करने वाली महिला पर जेवर चोरी करने का आरोप लगा नामजद मुकदमा दर्ज कराया है। आशियाना थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर-एन निवासी रत्नेश शर्मा पुत्र नवरत्न कुमार शर्मा के अनुसार उनके घर में सेक्टर-एम ढ्ढ रिक्शा कॉलोनी निवासी लक्ष्मी भारती पत्नी नरेश भारती पिछले करीब 11 माह से साफ-सफाई और बर्तन धोने का काम कर रही थी। आरोप है कि दिसंबर माह में उनकी माता के हाथ का करीब 7.5 ग्राम वजन का कंगन चोरी हो गया था, लेकिन उस समय किसी को इसकी जानकारी नहीं हो सकी और बीते 28 फरवरी को उनकी छोटी बहन ससुराल जाने की तैयारी कर रही थी, तभी उसके कान का सुई-धागा एक जोड़ी, दो जोड़ी कान के टॉप्स और एक अंगूठी समेत करीब 29 ग्राम के जेवर घर से गायब मिले जिसकी काफी तलाश की गई लेकिन जेवर नहीं मिले। वही पीड़ित का कहना था जब घर में काम करने वाली लक्ष्मी भारती उस दिन काम पर नहीं आई। तो उन्होंने फोन किया तो उसने आरोपित महिला ने तबीयत खराब होने की बात कही और घर पर होने की जानकारी दी। बाद में पता चला कि वह घर के पीछे ही किसी अन्य मकान में काम कर रही थी। इस पर परिजनों को शक हुआ तो महिला मौके से भागने लगी। जिसकी सूचना उन्होंने कन्ट्रोल नम्बर पर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस को पूछताछ के दौरान आरोपित महिला ने पीड़ित की माता की चेन चोरी करने की बात स्वीकार करते हुए उसे वापस करने की बात कही। जिसकी जानकारी होने पर उन्होंने स्थानीय आशियाना थाने में पुलिस से लिखित नामजद शिकायत की है। पुलिस के अनुसार पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई किया जा रहा है।

### अपराधियों का खुला खेल, पुलिस की एफआईआर कॉपी से सुरक्षा!

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सआदतगंज थाने ने एक बार फिर साबित कर दिया कि न्याय की राह यहां कागज़ की स्याही से ज्यादा लंबी नहीं होती। मार्च 2026 की एक शाम, जब शहर की सड़कें ठंडक पकड़ रही थीं, तभी एक यूट्यूबर, 3 लाख फॉलोअर्स का दावा करने वाला अनमोल सिंह अपने कश्मीरी मोहल्ला ऑफिस में बैठा था। अचानक सलीम पिता-अज्ञात, पता-अज्ञात, उपनाम-अज्ञात और उसके 5-6 अज्ञात सुपरस्टार साथी ने धावा बोल दिया। पहले माँ-बहन की गालियाँ की बौछार, फिर पैसे दे, वरना भाई से मरवा देंगे, वाला क्लासिक डायलॉग, जब इनकार हुआ तो लाठी-डंडे चले, सर फटा, पेट पर लातें पड़ीं। शिकायतकर्ता ने मैं यूट्यूबर हूँ, शूटिंग के बहाने बाहर निकलता रहता हूँ, कहकर जान बचाई और भागा। घर लौटकर उसने सोचा, अब पुलिस ही सहारा है। फिर क्या था? थाने पहुंचा, एफआईआर लिखवाई। पुलिस ने बड़ी गंभीरता से सुना, सही दर्ज किया लिखा, एस. आई. शिव कुमार यादव को जांच सौंपी, और अंत में एफआईआर पढ़कर सुनाई, सही पाई, मुफ्त कॉपी दी गई। मतलब पुलिस ने अपराध हुआ है, तो मान लिया, लेकिन कौन हैं वो लोग? ये सवाल शायद अगली शिकायत में आएगा। या शायद कभी नहीं। क्योंकि अज्ञात अपराधी सबसे सुरक्षित होते हैं, न पकड़े जाते हैं, न एफआईआर में उनका फोटो लगता है।

### 24 घंटे में 5 ई रिक्शा चोर को दबोचा,

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के उत्तरी ज़ोन के अंतर्गत थाना मड़ियांव पुलिस ने ई रिक्शा चोरी करने वाले को 5 अभियुक्तो को गिरफ्तार कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर 5 शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से चोरी के 2 ई रिक्शा 6 बैटरी बरामद हुए हैं।मिली जानकारी के अनुसार,मड़ियांव पुलिस टीम क्षेत्र में अपराध की रोकथाम और वांछित अपराधियों की तलाश में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से पुख्ता सूचना पर 5 शातिर चोर चोरी के वाहनों के साथ मड़ियांव पुलिस ने पकड़ लिया, पकड़े गए व्यक्तियों के नाम पता पूछने पर अपना नाम सलमान निवासी लाल कॉलोनी बालागंज जल निगम रोड थाना ठाकुरगंज लखनऊ, 2 फैज आलम निवासी बालागंज तीन बंदर के पास थाना ठाकुरगंज लखनऊ, 3 आरिफ निवासी बांस मंडी नई बस्ती थाना वजीरगंज लखनऊ,4 अमान निवासी विशाल सिटी थाना दुबग्गा लखनऊ,5 मोहम्मद तालिब निवासी बालागंज तीन बंदर के पास थाना ठाकुरगंज लखनऊ, पुलिस ने अभियुक्तों के पास से चोरी के 2 ई रिक्शा व 6 बैटरियां बरामद की हैं, मड़ियांव थाने में चोरी के मुकदमे दर्ज कर। अभियुक्तों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ब्द्धह्स) की धारा 303(2), 317(2) और 317(4) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

### स्टेशन रोड का नाम हुआ डा. जगदीश गांधी मार्ग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

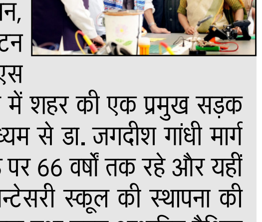

लखनऊ। भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोल्फ सिटी कैम्पस के नवनिर्मित मुख्य भवन, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एवं स्विमिंग पूल का उद्घाटन किया। इसके साथ ही रक्षामंत्री ने सीएमएस संस्थापक स्व. डा. जगदीश गांधी के सम्मान में शहर की एक प्रमुख सड़क %स्टेशन रोड का नामकरण ऑनलाइन माध्यम से डा. जगदीश गांधी मार्ग के रूप में किया। स्व. गांधी इसी स्टेशन रोड पर 66 वर्षों तक रहे और यहीं 1959 में एक किराये के भवन में सिटी मोन्टेसरी स्कूल की स्थापना की थी, जिसे उन्होंने आगे चलकर शैक्षिक उत्कृष्टता तथा मूल्य आधारित वैश्विक नागरिकता शिक्षा के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त संस्थान के रूप में विकसित किया। समारोह के दौरान रक्षा मंत्री ने हुसैनगंज चौराहा से मवैया चौराहा तक जाने वाली स्टेशन रोड का नाम आधिकारिक रूप से डा. जगदीश गांधी मार्ग किए जाने की घोषणा की। इस अवसर पर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश विधान परिषद सदस्य डा. महेन्द्र सिंह, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल एवं सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी समेत नगर निगम के वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित थे।

# व्यापारी उपभोक्ताओं को व्यापार में दे ऑफर

अपने व्यापार से संबंधित छोटे-छोटे वीडियो यूट्यूब पर प्रतिदिन अवश्य डाले, ब्रांड के रूप में डेवलप करें बिजनेस

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय में ग्रो योर बिजनेस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर एवं 7 बार के गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर दिनेश गुप्ता आनंद श्री ने राजधानी के व्यापारियों एवं आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों को उनके बिजनेस में गुणात्मक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए तथा व्यापारियों में नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार किया। उन्होंने कहा कि आपका कंपीटीटर केवल आपका पड़ोसी दुकानदार ही नहीं है, देश में बैठा हुआ कोई भी व्यापारी हो सकता है। इसलिए आपको ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आना चाहिए। उन्होंने व्यापारियों को टिप्स देते हुए कहा अपने स्टेटस पर अपने प्रोडक्ट की जानकारी डालकर ऑनलाइन बिजनेस की शुरुआत करें। उन्होंने कहा यदि हम अपने ग्राहकों को वैल्यू देंगे निश्चित रूप से हमारा रेगुलर कस्टमर बनेगा। उन्होंने कहा प्रत्येक ग्राहक अपने प्रोडक्ट की वैल्यू चाहता है तथा व्यापारियों को डिस्काउंट ऑफर देने के लिए हमेशा तैयारी करनी चाहिए तथा चुनिंदा अवसरों पर अपने ग्राहकों को डिस्काउंट ऑफर देकर अपने नजदीक बुलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को अपने बिजनेस को एक ब्रांड की तरह डेवलप करना चाहिए। व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा कि वर्तमान में व्यापारियों के सामने अनेक प्रकार की चुनौतियां है। इसी को ध्यान में रखते हुए ग्रो योर बिजनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

## वीकेंड पर भी खुलेंगे नगर निगम के टैक्स काउंटर

वित्तीय वर्ष खत्म होने से पहले टैक्स वसूली बढ़ाने के लिए नगर निगम लखनऊ ने 14 और 15 मार्च को अवकाश के दिन भी कर कार्यालय खोलने का फैसला लिया है।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन ने गृहकर और जलकर की वसूली तेज करने के लिए अहम निर्णय लिया है।

इसके तहत 14 और 15 मार्च 2026 (शनिवार और रविवार) को नगर निगम के सभी जोनल कार्यालय और टैक्स काउंटर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक खुले रहेंगे।वित्तीय वर्ष समाप्त होने में कम समय बचा होने के कारण निगम प्रशासन राजस्व लक्ष्य पूरा करने के लिए विशेष प्रयास कर रहा है। इन दिनों में भवन स्वामियों का कर निर्धारण, फीडिंग,संशोधन,आपत्तियों का निस्तारण और कर जमा कराने से जुड़े सभी कार्य किए जाएंगे।इसके साथ ही शहर के विभिन्न वार्डों में विशेष कैंप भी लगाए जाएंगे,जहां नागरिकों को अपने क्षेत्र में ही कर निर्धारण और कर जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

# मेरठ-बागपत में 56 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

**'महाभारत सर्किट, जैन सर्किट और ग्रामीण पर्यटन के विकास पर जोर**

**हस्तिनापुर के पर्यटन पर खर्च होंगे 15 करोड़, श्रृंगी ऋषि आश्रम के विकास पर 1.27 करोड़**

**महाभारत सर्किट और जैन सर्किट विकास से पश्चिमी यूपी को मिलेगी विशिष्ट पहचानः जयवीर**

**लखनऊ।** पश्चिमी उत्तर प्रदेश में धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पर्यटन को गति देने की दिशा में शुक्रवार को बड़ी पहल की गई। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मेरठ और बागपत जिलों में महाभारत सर्किट, जैन सर्किट एवं ग्रामीण पर्यटन से जुड़े प्रमुख स्थलों के विकास के लिए 56 करोड़ रुपए से अधिक धनराशि की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं के तहत धार्मिक, क्रांति और सांस्कृतिक धरोहर स्थलों का समग्र विकास किया जाएगा, क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों को रफ्तार मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से विकसित करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि श्पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ और बागपत महाभारत सर्किट, जैन सर्किट के अहम केंद्र होने के साथ क्रांतिकारी इतिहास की समृद्ध विरासत समेटे हुए हैं। दोनों जनपद व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, इसलिए सरकार धार्मिक आस्था, ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से जोड़कर इन क्षेत्रों को देश-विदेश के पर्यटकों के लिए बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने पर जोर दे रही है।श्पर्यटन मंत्री शुक्रवार सुबह मेरठ के प्रसिद्ध औघड़नाथ मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उसके बाद मेरठ कॉलेज में भारतीय जैन परंपरा एवं वार्षिकोत्सव में मुख्य अथिति के रूप में शामिल हुए। मेरठ के शहीद स्मारक पहुंचकर कराए जा रहे सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मेरठ में धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास को बढ़ावा देने के लिए 5 परियोजनाओं का शिलान्यास किया, जिनकी कुल लागत 1845.63 लाख रुपए है। इन योजनाओं के अंतर्गत हस्तिनापुर के समेकित पर्यटन विकास कार्य पर 1504.26 लाख रुपए, परीक्षितगढ़ स्थित श्रृंगी ऋषि आश्रम के समेकित पर्यटन विकास कार्य पर 127.56 लाख रुपए, विकास खंड जानी के ग्राम मेझा स्थित गोरखधाम सेवा आश्रम के पर्यटन विकास कार्य पर 85.69 लाख रुपए, वार्ड संख्या-55 फ्तेहउल्लापुर स्थित मां ललिता देवी मंदिर के पर्यटन विकास कार्य पर 68.82 लाख रुपए तथा मेरठ शहर विधानसभा क्षेत्र में स्थित सिद्धपीठ प्राचीन सती देवी मंदिर के पर्यटन विकास कार्य पर 59.30 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। पर्यटन मंत्री ने मेरठ में पांच महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया। इन योजनाओं के तहत ग्राम पांचली में धनसिंह कोतवाल आर्ट गैलरी के निर्माण पर 96.91 लाख रुपए व्यय किए गए, जबकि सदर विधानसभा क्षेत्र में स्थित नौचन्दी मंदिर के पर्यटन विकास कार्य पर 115.26 लाख रुपए खर्च किए गए। इसके अलावा, सरधना चर्च के पर्यटन विकास के लिए 453.77 लाख रुपए तथा 1857 की क्रांति से जुड़े स्थलों और मेरठ स्थित शहीद स्मारक के पर्यटन विकास पर 452.57 लाख रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। साथ ही, सिवालखास विधानसभा क्षेत्र स्थित महाभारत कालीन अति प्राचीन पांडेश्वर महादेव मंदिर के पर्यटन विकास कार्य पर 58.10 लाख रुपए व्यय किए गए, जिससे क्षेत्र में धार्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन को नई मजबूती मिलेगी। बागपत के परशुराम खेड़ा में जनपद से संबंधित तीन परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। जनपद में कुल 25.36 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से दो पर्यटन परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है, जिनमें पुरा महादेव मंदिर के पर्यटन विकास कार्य 2412.40 लाख रुपए और बड़ौत विधानसभा क्षेत्र में स्थित त्रिलोक तीर्थ धाम के पर्यटन विकास कार्य 124.56 लाख रुपए शामिल हैं। 108.77 लाख रुपए की लागत से अमर शहीद बाबा शाहमल सिंह समाधि स्थल के पर्यटन विकास कार्यो का भी लोकार्पण किया गया।

## खाद्य प्रसंस्करण से किसानो व युवाओं की आमदनी बढ़ाने के प्रयास

**लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र मे किसानो व उद्यमियो की आमदनी बढ़ाने तथा युवाओं के लिए रोजगार की अपार सम्भावनायें है। खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियो को निर्देश दिये हैं कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के तहत दी जा रही सुविधाओं तथा प्रदत्त व प्राविधानित अनुदान आदि के बारे मे लोगो को जागरूक व प्रेरित किया जायताकि अधिक से अधिक उद्यम स्थापित हो सकें। इस दिशा मे खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा बहुत तेजी से कार्य किया जा रहा है।उन्होंने निर्देश दिये हैं कि खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर किसानो के उत्पादो का अधिक से अधिक दाम दिलायें।विकसित भारत के निर्माण मे खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर का बहुत बड़ा योगदान रहेगा। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 अंतर्गत प्राप्त प्रस्तावों के परीक्षण हेतु अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बी एल मीणा की अध्यक्षता में गुरूवार को खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय लखनऊ मे अप्रेजल समिति की बैठक सम्पन्न हुयी।बैठक में 19 नवीन प्रस्तावों को अप्रेजल समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अप्रैजल समिति द्वारा जनपद वाराणसी से 1, मेरठ से 2, कानपुर नगर से 4, कानपुर देहात से 1, लखनऊ से 1, लखीमपुर खीरी से 1, बरेली 1, काशाम्बी से 1, अयोध्या से 1, रामपुर से 1,कुल 14 प्रस्ताव को एसएलईसी के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की संस्तुति की गयी।**

# संपादकीय

## आज पंजाब चौतरफा गंभीर संकट से घिरा

पंजाब में जन्म लेने वालों के लिए रोज नई मुहिम वाली कहावत हमारी समृद्ध विरासत और अनुभवों से जन्मी है। स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए योगदान और आजादी की प्राप्ति के बाद लोगों को दरपेश मुश्किलों के हल के लिए लड़े गए गौरवशाली संघर्ष इस तथ्य की गवाही देते हैं। परंतु आज पंजाब चारों तरफ से गंभीर संकट से घिरा हुआ है। पंजाब की जिस जवानी पर सारा देश कभी गर्व किया करता था, वही आज बेरोजगारी के कारण गैंगस्टरवाद, नशाखोरी आदि अराजक प्रवृत्तियों का शिकार बनी हुई है। पांच नदियों की धरती, पानी के 'महा अकाल' जैसे हालातों की दहलीज पर आ खड़ी हुई है। हरित क्रांति की बदौलत शिखर पर पहुंची कृषि पैदावार अब ठहराव में है या गिरावट की ओर जा रही है। रासायनिक खादों, कीटनाशकों, संशोधित बीजों आदि के दुरुपयोग से धरती बंजर बनती जा रही है। खनन और रेत माफिया ने पंजाब के पर्यावरण को तबाह कर दिया है। इन अप्रिय हालातों को पैदा होने से रोका जा सकता था या समस्या से अब भी सफलतापूर्वक निपटा जा सकता है लेकिन शर्त यह है कि प्रांत का राजनीतिक नेतृत्व ऐसे लोगों के हाथ में होना चाहिए, जो सिख गुरु साहिबान द्वारा रचित मानवीय बाणी, भक्ति लहर के महान रहबरों की तर्कवादी शिक्षाओं, गदरी शूरवीरों और शहीद-ए-आजम भगत सिंह व उनके साथियों की इंकलाबी विचारधारा के प्रति समर्पित हों। जो निजी स्वार्थ की बजाय सामाजिक हितों को प्राथमिकता देते हों। अफसोस, हमारा गौरवशाली पंजाब ऐसे नेतृत्व से स्पष्ट रूप से वंचित दिख रहा है! अंधविश्वास और स्वार्थ फैला रहे डेरों की भरमार है। अधिकांश अकाली धड़े धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, संघीय ढांचे की रक्षा के कर्तव्य और सबसे बढ़कर मनुष्य द्वारा मनुष्य की लूट के खात्मे के सुनहरे सिद्धांत को त्याग कर देश की सत्ताधारी पार्टी, भाजपा के साथ राजनीतिक सांठगांठ करना चाहते हैं। कांग्रेस पार्टी, जिसकी आजादी के आंदोलन में मुख्य भूमिका रही, भाजपा विरोधी दलों में आज भी बड़े जनाधार वाली पार्टी है लेकिन आपसी फूट में बुरी तरह फंसी हुई है। भाजपा केंद्रीय सत्ता पर काबिज होने का लाभ उठाकर 'साम-दाम-दंड-भेद' की नीति के सहारे पंजाब की सत्ता पर काबिज होने का प्रयास कर रही है। यह कई प्रकार के लालच और प्रलोभन देकर दलित समाज में भी अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही है। धार्मिक डेरों और सरकारी एजैंसियों के उपयोग तथा दूसरे दलों से सिद्धांतहीन स्वार्थी तत्वों को भाजपा में शामिल करके भाजपा नेता पंजाब की प्रमुख राजनीतिक शक्ति बनने की आस लगाए बैठे हैं। 'विकल्प' प्रदान करने के नाम पर सत्ता में आई भगवंत मान की 'आप' सरकार के प्रति लोगों का मोहभंग हो रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा वोट हासिल करने के लिए लोगों को 200 ग्राम हल्दी और एक नमक की थैली मुफ्त देने जैसे घटिया हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने तथा भ्रष्टाचार का खात्मा करके सुशासन देने वाली 'कट्टर ईमानदार' पार्टी होने के दावे अब लोगों के गले से नीचे नहीं उतर रहे। 'नशों के विरुद्ध समयबद्ध युद्ध' छेडने के बाद, नशे के अत्यधिक उपयोग से होने वाली मौतों और नशा तस्करों के कारोबार में भारी वृद्धि हुई है। सरकार और प्रशासनिक मशीनरी की 'बुलडोजर' कार्रवाइयों और झूठी पुलिस मुठभेड़ों से हालात 'जंगल राज' जैसे बन गए हैं। गैंगस्टरों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। वे समय और स्थान की अग्रिम घोषणा करके किसी को सरेआम गोलियां मार देते हैं। भ्रष्टाचार की स्थिति यह है कि शायद ही कोई मंत्री, विधायक या 'आप' नेता ऐसा हो, जिसने 'आप' के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार की गंगा में डुबकी न लगाई हो। इन लोगों की संपत्तियों और बैंक खातों में पिछले 4 वर्षों में हुई वृद्धि की निष्पक्ष जांच किए जाने से 'कट्टर ईमानदार' पार्टी के सारे भेद खुल सकते हैं! पंजाब के भीतर वामपंथी, लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक शक्तियों की आज भी भारी मौजूदगी है। इन्हें एकजुट करके एक जनपक्षीय राजनीतिक विकल्प खड़ा किया जा सकता है। इस राजनीतिक विकल्प का मूल आधार पंजाब की देशभक्ति और पीड़ित लोगों के लिए आत्म-बलिदान की परंपराएं, सिख गुरु साहिबान के मानवीय दर्शन का मार्गदर्शन, भक्ति आंदोलन के महापुरुषों की प्रबुद्ध शिक्षाएं और सभी बाधाओं, साजिशों व विभिन्न रंगों के सांप्रदायिक तत्वों का राजनीतिक-वैचारिक मोर्चे पर मुकाबला करने की क्षमता होगा।

## अहम का 'अविश्वास'

लोकसभा स्पीकर के प्रति अविश्वास व्यक्त करना और फिर अविश्वास प्रस्ताव पेश करना असंवैधानिक, अनैतिक नहीं है, लेकिन यह तार्किक और तथ्यात्मक होना चाहिए। स्पीकर पक्ष और विपक्ष की साझा सहमति से ही चुने जाते हैं और दोनों पक्षों के नेता उन्हें आसन पर विराजमान करते हैं। यही लोकतंत्र का सौंदर्य है। स्पीकर सांसद भी है, राजनेता भी है, एक व्यक्ति भी है, लेकिन सदन में वह संरक्षक और अभिभावक की भूमिका में हैं, लिहाजा तटस्थ और निरपेक्ष हैं। असल जिंदगी में भी अभिभावक हमें डांटते भी हैं और दंड भी देते हैं, लेकिन फिर भी वह हमारे अभिभावक माने जाते रहे हैं। यह तय है कि संसदीय सदन 'नियमानुसार' ही चलते हैं और वे नियम संसद ने ही बनाए हैं, लिहाजा नियमों की पुस्तिका फाड़ना भी 'आपराधिक' घोषित करना चाहिए। बहरहाल मौजूदा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा में ध्वनि-मत से पराजित हो गया। संख्या की सियासत में यही नियति तय होती है। अब ओम बिरला ही स्पीकर रहेंगे और वह अपने दायित्वों की नए सिरे से शुरुआत करेंगे। वह भारत के संवैधानिक और संसदीय इतिहास में चौथे स्पीकर हैं, जिनके प्रति विपक्ष का 'अविश्वास' पराजित हुआ है। देश के प्रथम स्पीकर गणेश वासुदेव मावलंकर के खिलाफ दिसंबर, 1954 में अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया। तब देश का संविधान ही मात्र 4 वर्ष का था। तब विपक्ष भी नगण्य था। तो क्या प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और स्पीकर मावलंकर के बीच असहमतियों और मतभेदों के मद्देनजर वह 'अविश्वास' व्यक्त किया गया? मावलंकर सम्मानित स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता, संविधानविद थे। सभी उन्हें 'दादा साहेब' कहकर संबोधित करते थे। कई मायनों में उन्हें 'लोकसभा का जनक' भी माना जाता है। संविधान सभा और संविधान का प्रारूप तय करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। ऐसे शख्स के प्रति भी 'अविश्वास' व्यक्त किया जा सकता था, आज हम सिर्फ सवाल कर हैरान हो सकते हैं। बहरहाल मावलंकर के बाद 1966 में हुकम सिंह और 1987 में बलराम जाखड़ सरीखे लोकसभा अध्यक्षों के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव पेश किए गए, लेकिन सभी पराजित हुए। वे तीनों स्पीकर 'कांग्रेसी' थे। अब स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ सबसे अहम शिकायत यह थी कि वह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने ही नहीं देते। उनका रवैया, व्यवहार असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक रहा है और उनकी व्यवस्थाएं 'पक्षपाती' रही हैं। विपक्ष के नेताओं के माइक बंद कर दिए जाते हैं। विपक्ष की महिला सांसदों पर स्पीकर ने जानबूझ कर गंभीर आरोप लगाए कि वे सांसद प्रधानमंत्री मोदी के आसन को घेर कर कुछ भी अनिष्ट, अप्रत्याशित कर सकती थीं। विपक्षी सांसदों के निलंबन पर भी सवाल उठाए गए। बहरहाल इन आरोपों की नौबत ही क्यों आई? महिला सांसद प्रधानमंत्री के आसन तक क्यों गई थीं? विपक्ष के सांसद कागज की चिंदी-चिंदी कर स्पीकर के आसन पर क्यों उछालते रहे हैं? निलंबन पहले के स्पीकर भी करते रहे हैं। यह सामान्य कार्रवाई है। स्पीकर सोमनाथ चटर्जी ने तो 'नकदी के बदले सवाल' के भ्रष्ट कदाचार पर कई सांसदों को बर्खास्त ही कर दिया था। स्पीकर को निलंबन ही नहीं, निष्कासन का भी विशेषाधिकार संविधान ने दिया है। ऐसा फैसला सर्वोच्च अदालत ने भी दिया है। अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान विपक्षी सांसदों ने स्पीकर को निशाना बनाते हुए, प्रधानमंत्री मोदी पर अपमानजनक टिप्पणियां कीं। यह स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। संसद ऐसा मंच नहीं है। गृहमंत्री अमित शाह का कथन उचित है कि संसद 'मेला' नहीं है कि आप कुछ भी बोलें या कुछ भी करें।

# असम में चुनाव से ठीक पहले हिमंत के राजनीतिक आख्यान को झटका

> "असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का राजनीतिक आख्यान अब से कुछ ही हफ्तों में अप्रैल–मई में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कमजोर हो गया है, जिसे उन्होंने बारपेटा में मौजूद फखरुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल से पूर्व राष्ट्रपति का नाम हटाकर वापस लाने की कोशिश की है"

**डॉ. ज्ञान पाठक**

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का राजनीतिक आख्यान अब से कुछ ही हफ्तों में अप्रैल–मई में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कमजोर हो गया है, जिसे उन्होंने बारपेटा में मौजूद फ़्ख़रुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल से पूर्व राष्ट्रपति का नाम हटाकर वापस लाने की कोशिश की है। मुख्य रूप से भाषाई, जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ असमिया पहचान का उनका लंबे समय से चला आ रहा राजनीतिक आख्यान को हाल ही में तब गंभीर झटका लगा था, जब उन्होंने 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार के लिए एआईयूडीएफ के तीन मुस्लिम विधायकों का समर्थन हासिल कर लिया था। जब लोगों ने एआईयूडीएफ विधायकों से समर्थन मिलने पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के असली रंग की ओर इशारा करते हुए बातें करनी शुरू की, तो उन्हें अपने पहले के आख्यान के कमजोर होने की चिंता होने लगी। वह अपनी पुरानी कहानी को फ़िर से शुरू करना चाहते थे और उन्होंने फ़्ख़रुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल का नाम बदलकर बारपेटा मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल कर दिया, सिर्फ यह दिखाने के लिए कि वह अभी भी अपनी पुरानी कहानी पर काम रहेंगे, हालांकि उन्होंने एआईयूडीएफके तीन विधायकों का समर्थन लिया है। फ़िर भी, राजनीतिक नुकसान तो पहले ही हो चुका है। कई दूसरे कारणों से भी हिमंत बिस्वा सरमा अब उतने मजबूत राजनीतिज्ञ नहीं हैं जितने वह 2021 में थे, जब वह राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। 2026 का विधानसभा चुनाव उनके नेतृत्व में पहला होगा, जिसकी परीक्षा होनी है। इस बीच, 2023 में असम के चुनाव क्षेत्रों का परिसीमन हुआ। 2024 का लोकसभा चुनाव उनके नेतृत्व में हुआ, जिसमें भाजपा ने 14 में से 9 सीटें जीती थीं, और 126 में से 75 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। उनके राजनीतिक आख्यान के कमजोर होने को तब झटका लगा जब उनकी सरकार समर्थित राज्यसभा चुनाव के उम्मीदवार को बदरुद्दीन अजमल की नेतृत्व में मुस्लिम–जनाधार वाली पार्टी ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायकों–करीम उद्दीनबरभुइया, जाकिर हुसैन लस्कर, और निजामुद्दीन चौधरी ने समर्थन देते हुए उनके नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर किए।

इसके बड़े राजनीतिक नतीजे हुए, न सिर्फएआईयूडीएफके अंदर, बल्कि एनडीए और उनके जनाधार के अंदर भी। इनमें से दो विधायकों को एआईयूडीएफ ने एनडीए समर्थित उम्मीदवार को समर्थन देने के कारण निलंबित कर दिया। विपक्षी कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने सत्तारूढ़ भाजपा पर एक ऐसी पार्टी से मदद लेने का आरोप लगाया जिसकी उसने पहले बुराई की थी। यह एक राजनीतिक विवाद बन गया क्योंकि भाजपा और एआईयूडीएफ खुलेआम एक–दूसरे की दुश्मन पार्टियां हैं, खासकर असम में आप्रवासी और पहचान की राजनीति जैसे मुद्दों पर। इसीलिए उनमें कोई भी आपसी मिलीभगत या सहयोग– भले ही अप्रत्यक्ष हो– राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो जाता है। क्षति नियंत्रण के लिए असम सरकार ने 10 मार्च को फ़्ख़रुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल का नाम बदलकर बारपेटा मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल करने का फैसला किया। कैबिनेट ने इस फैसले को मंजूरी दी, और मुख्यमंत्री हिमंत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बदलाव का कारण बताते हुए कहा, श्हमारे सभी मेडिकल कॉलेजों के नाम उनकी जगहों के नाम पर रखे गए हैं। हम गुवाहाटी, धुबरी, सिलचर, बोंगईगांव, विश्वनाथ और शोणितपुर के मेडिकल कॉलेजों में ऐसा देखते हैं। किसी तरह, बारपेटा वाले का नाम फ़्ख़रुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल रख दिया गया था, जो दूसरे मेडिकल कॉलेजों के नाम रखने के तरीके से मेल नहीं खाता,श् उन्होंने यह भी कहा कि कैबिनेट ने विभ्रम से बचने के लिए इस संस्थान का नाम बदलने का फैसला किया। पूर्व राष्ट्रपति का नाम हटाने के बाद उन्होंने कहा, श्क्योंकि फ़्ख़रुद्दीन अली अहमद भारत के राष्ट्रपति थे और असम से पहले राष्ट्रपति थे, इसलिए कैबिनेट ने फैसला किया कि उनके नाम पर उसी या उससे ऊंचे दर्जे का कोई दूसरे शैक्षणिक या सांस्कृतिक संस्थान का नामकरण किया जाएगा।

# केरल के इतिहास के कुछ सबक सीखिए राहुलजी!

**साभार टिप्पणी- पीपुल्स डेमोक्रेसी, अनुवाद- संजय पराते**

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी ने 7 मार्च को यूडीएफ की एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने पैसों सहित केरल के लोगों को कई तरह की सौगातें देने का वादा करते हुए पाँच गारंटियों की घोषणा भी की। इन गारंटियों में केएसआरटीसी की बसों में महिलाओं के लिए मुफ़्त यात्रा, छात्राओं के लिए हर महीने इनाम, युवाओं के लिए बिना ब्याज के ऋण, स्वास्थ्य बीमा और बढ़ी हुई पेंशन आदि शामिल हैं। इन गारंटियों से केरल कोई हलचल नहीं हुई, खासकर इसलिए कि केरलम के लोग पहले से ही केरल सरकार की ऐसी कई योजनाओं का फायदा उठा रहे हैं।बहरहाल, श्रीमान गांधी के भाषण का मकसद अलग था। उन्होंने मोदी सरकार और एलडीएफ सरकार के बीच एक %गुप्त% गठबंधन की डरावनी तस्वीर दिखाने में अपनी समझ और ऊर्जा की ताकत लगाई, और यह %साबित% करने की कोशिश की कि अगर मोदी सरकार जनविरोधी है, तो राज्य की एलडीएफ़ सरकार को भी उसी श्रेणी में रखा जाना चाहिए। उन्होंने इसे सीजेपी (कम्युनिस्ट जनता पार्टी) कहा, और अपने ही प्रकरण का हवाला देकर अपनी बात साबित करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि ईडी ने उन पर 55 दिनों तक मुकदमा चलाया, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री पर एक दिन भी मुकदमा नहीं चला। बदकिस्मती से, यह बात झूठी निकली, क्योंकि नेशनल हेराल्ड प्रकरण में श्रीमान गांधी और उनके परिवार पर लंबे समय से मुकदम चल रहा है, जबकि केरल के मुख्यमंत्री को उनके नाम पर चल रहे एकमात्र गंभीर प्रकरण, एसएनएस-लवलिन केस से पहले ही बरी कर दिया गया था। ईडी की आदत है कि अगर विपक्ष में किसी के खिलाफ बाल की खाल के बराबर भी चूक मिले, तो वह उस पर झपट पड़ता है और राहुल गांधी के पास इतने कंकाल हैं, जो दिखाते हैं कि कई कांग्रेसी इस थोड़-सी चूक पर फिसल गए हैं और भाजपा में शामिल हो गए हैं। शायद राहुल गांधी के लिए फायदेमंद यह होगा कि वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वालों का एक डोजियर रखें, न कि एक बेतुकी तुलना के आधार पर किसी गुप्त गठबंधन के बारे में बकवास करें। राहुलजी के लिए केरल के इतिहास से कुछ सबक लेना भी फायदेमंद होगा। केरल के कुछ कांग्रेस नेताओं की बताई बेकार की कहानियों से बचना भी फायदेमंद होगा। ऐसा पहला सबक 1957 का है, जब नए बने केरल राज्य में एक कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में आई, और उसने वे ज़रूरी सुधार शुरू किए, जिन्हें केंद्र में सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार भी कर सकती थी। इसमें भूमि सुधार, शिक्षा सुधार, सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, पुलिस सुधार, सरकारी नियुक्तियों में आरक्षण के नियम और शासन का विकेंद्रीकरण आदि शामिल थे। बहरहाल, कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने इन सुधारों का विरोध करने का फैसला किया और सरकार को गिराने के लिए जातिवादी और सांप्रदायिक ताकतों के साथ मिलीभगत की। इस तरह, कांग्रेस की वजह से सांप्रदायिकता को केरल में पहली बार सांस लेने की जगह मिली।दूसरा सबक 1971 का है। उस समय केरल में कांग्रेस की यूडीएफ सरकार थी। थालास्सेरी में, मंदिर के जुलूस और युवाओं के एक समूह के बीच एक छोटी-सी कहा-सुनी के बाद थालास्सेरी और उसके आस-पास एक बड़ी आगजनी हो गई, जहाँ आरएसएस ने मुस्लिमों के घरों पर हमला किया और उनकी मस्जिदों और दुकानों में आग लगा दी। यह सीपीआई(एम) के कार्यकर्ता ही थे, जिन्होंने मुस्लिम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की और उन्हें आरएसएस के हमलों से बचाया। इस बचाव कार्य का नेतृत्व पिनाराई विजयन कर रहे थे, जो उस समय स्थानीय विधायक थे। तब से आरएसएस ने सीपीआई(एम) को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानना शुरू कर दिया और जब भी और जहाँ भी मुमकिन होता है, उन्हें शारीरिक हमलों और हत्या का निशाना बनाना शुरू कर दिया। पिनाराई, वह गाँव जहाँ से कॉमरेड विजयन आते हैं, इस हमले के इलाके के बीच में था। आरएसएस की भीड़ से लड़ते हुए दो सौ से ज़्यादा सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं ने अपनी जान दे दी। उस इलाके की कांग्रेस या तो मूकदर्शक बनी रही या आरएसएस के साथ मिली हुई थी। तीसरा सबक 1984 का है। एक बार फिर यूडीएफ सरकार सत्ता में थी, जिसके मुख्यमंत्री श्री के. करुणाकरण थे। निलक्कल में, जो सबरीमाला से ज़्यादा दूर नही है, एक शिव मंदिर से सदियों पुराना एक पत्थर का क्रॉस मिला। सीरियन कैथोलिक चर्च उस जगह पर एक मस्जिद बनाना चाहता था, जिसका शिव मंदिर के अधिकारियों ने विरोध किया। आरएसएस और श्री कुम्मनम राजशेखरन (जो अभी राज्य के वरिष्ठ भाजपा नेता और मिज़ोरम के पूर्व राज्यपाल हैं) के नेतृत्व वाले अयप्पा सेवा संघम समेत सभी हिंदू संगठनों ने इसका विरोध किया। श्री राजशेखरन हिंदू आंदोलन के मुख्य संगठनकर्ता थे। यूडीएफ ने बीच-बचाव की बातें तो बहुत कीं, लेकिन असल में साथ हिंदुओं का दिया। आखिर में सीरियन चर्च को अपनी परियोजना छोड़नी पड़ी और उस जगह से पत्थर का क्रॉस हटाना पड़ा। यह शायद केरल में हिंदुत्व ताकतों की पहली जीत थी, जिसे यूडीएफ सरकार की %गुप्त% मिलीभगत से हासिल किया गया था, जिससे असल में सांप्रदायिक ताकतों के पक्ष में एक बड़ा झुकाव आया, और इसके बाद हिंदुत्व की ताकतों का उदय हुआ। चौथा सबक 1987 का है। एलडीएफ ने विधानसभा चुनाव एक खुले, समझौताहीन, सांप्रदायिकता विरोधी मंच से जीता था। एलडीएफ को हराने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ ने एलडीएफ के खिलाफ एक संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार उतारने का प्रयोग किया, जिसे सीएलबी (कांग्रेस-लीग-भाजपा) कहा जाने लगा। ऐसे उम्मीदवार बेपोर विधानसभा और वटकारा लोकसभा, दोनों सीटों पर खड़े किए गए थे। यह अनैतिक गठबंधन दोनों सीटें हार गया। वटकारा में एलडीएफ उम्मीदवार के रूप में जीतने वाले व्यक्ति के. पी. उन्नीकृष्णन थे, जो एक पुराने कांग्रेसी सांसद थे, जिनका हाल ही में निधन हो गया है। श्रीमान गांधी इस बात से खुश हो सकते हैं कि सभी कांग्रेसी ऐसे बेकार तरीकों का समर्थन नहीं करते थे! पांचवां सबक काफ़ी नया है और बेशक, राहुलजी इससे अवगत है। कुछ भाजपाई वकीलों ने सबरीमाला मंदिर में मासिक-धर्म वाली लड़कियों को पूजा करने की इजाज़त दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया, जहां ऐसी पूजा पर रिवाज़ के तौर पर प्रतिबंध है। कोर्ट ने महिलाओं के प्रवेश की इजाज़त देते हुए अपना फ़ैसला सुनाया, और राज्य सरकार ने ऐसे फ़ैसले के साथ रहने का निर्णय किया। आरएसएस की मदद से अयप्पा भक्तों ने फ़ैसले के ख़िलाफ़ बहुत हंगामा किया, जिसमें बाद में यूडीएफ भी शामिल हो गई। असल में, 2019 का पूरा लोकसभा चुनाव का अभियान भक्तों के अधिकारों के लिए अभियान चलाकर चलाया गया था, और इस अभियान में यूडीएफ और भाजपा, दोनों ने हिस्सा लिया था। इन छोटी-छोटी सीखों से यह बात साफ़ है कि केरल में सांप्रदायिक ताकतों को कौन बढ़ावा दे रहा है, और इस पूरे समय में सांप्रदायिक हिंसा का शिकार कौन हुआ है। पिछले स्थानीय स्वशासन चुनावों के दौरान भी, हमारे पास कम से कम एक अजीब मामला है, कि मट्टाथुर ग्राम पंचायत में, सभी कांग्रेसी वार्ड पार्षदों ने इस्तीफ़ा दे दिया और वे भाजपा में शामिल हो गए, ताकि भाजप सत्ता में आ सके, और एलडीएफ को सत्ता से बाहर रखा जा सके। केरल में कांग्रेस की इन मिलीभगतों और चालों के बाद भी राहुल गांधी में यह कहने की हिम्मत है कि सीजेपी केरल पर राज कर रही है! कांग्रेस जो कर रही है और जो वह सबसे अच्छे से कर रही है, वह है सांप्रदायिक ताकतों की पीठ पर सवारी करना, जबकि वह दिखावा यह कर रही है कि वह %नेहरूवादी% हैं और %असली वामपंथी% हैं। बेशक, जब 1959 में कांग्रेस के गुर्गों ने कम्युनिस्ट सरकार को हटाने में कामयाबी हासिल की, तो नेहरू और इंदिरा गांधी सबसे आगे थे। तब से, जातिवादी और सांप्रदायिक दक्षिणपंथी ताकतें हमेशा वामपंथी ताकतों को खत्म करने की फिराक में रही हैं, और कांग्रेस हमेशा उनके साथ रही है, यहां तक कि उन्हें हथियार भी दिए हैं। एलडीएफ सरकार के पिछले दस सालों में, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और संघवाद की रक्षा की लड़ाई में राज्य सरकार सबसे आगे रही है और केंद्र सरकार और राज्य में राजनीतिक विपक्ष, जिसके बारे में माना जाता है कि वह राष्ट्रीय विपक्ष का नेतृत्व कर रही है, दोनों के लगातार हमले झेल रही है! राष्ट्रीय नेता को पता होना चाहिए कि संसद के अंदर और बाहर, हिंदुत्व सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई में अपने एक अविचल सहयोगी के खिलाफ वह ऐसी बचकानी बात कर रहे हैं। हम ऐसे आरोपों को राजनीतिक बेवकूफी का उदाहरण कह सकते हैं, जो अपने लालची साथियों के बहकावे में आ गए हैं। लेकिन यह एक ऐसे व्यक्ति के खुद को धोखा देने का भी उदाहरण है, जिसके बयान कभी-कभी उसके अपने नियंत्रण में नहीं होते।

# लड़ी जा रही है एक बेमतलब की जंग

**विजय विद्रोही**

अमरीका के राष्ट्रपति ट्रम्प और इसराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को लगा था कि ईरान को 4 दिनों में घुटनों पर ला दिया जाएगा। अयातुल्ला खामेनेई, उनके दामाद, बेटी, नाती, रक्षा मंत्री, सेना के सर्वोच्च कमांडर आदि को मार कर ऐसी संभावनाएं जग भी गई थीं लेकिन अब ट्रम्प खुद कह रहे हैं कि 4 दिन की जगह 4 हफ्ते लग सकते हैं। चार हफ्ते भी कम से कम। उधर ईरान चाहता है कि लड़ाई 4 महीने चले। दुनिया, खासतौर से खाड़ी देशों, यूरोपियन यूनियन और भारत के दिन इसी इंतजार में कट रहे हैं कि अब होगा युद्ध विराम, अब जंग खत्म होगी और बातचीत शुरू होगी। ट्रम्प कह चुके हैं और कह कर मुकर चुके हैं कि ईरान बात करना चाहता है लेकिन अमरीका ने कह दिया है कि बहुत देर कर दी। उधर ईरान ने पहले कहा कि वह अपनी तरफ से बातचीत की पहल नहीं करेगा। उसके बाद कहा कि पहले जंग खत्म हो फ़िर बात होगी। यानी साफ है कि दोनों देश कोई बीच का रास्ता तलाश रहे हैं लेकिन नाक की लड़ाई का भी ख्याल रख रहे हैं। जब तक सूरत नजर नहीं आती तब तक कच्चे तेल और गैस के दाम बढ़ते रहेंगे, शेयर बाजार हिचकोले खाता रहेगा, महंगाई बढने की आशंका परेशान करती रहेगी, बहुत से देशों का बजट गड़बड़ाता रहेगा और आध्थक मंदी का साया मंडराता रहेगा। ईरान शायद चाहता भी यही है। लेकिन ट्रम्प क्या चाहते हैं, नेतन्याहू के दिल में क्या है साफ नहीं है। खामेनेई की मौत ने पूरे ईरान को एक कर दिया है। उनकी जगह लेने वाले, उनके बेटे को और भी ज्यादा कट्टर होना ही पड़ेगा। वह बातचीत के लिए तैयार हुआ तो विरोध का सामना करना पड़ेगा। ट्रम्प का कहना कि 4 मकसद थे। एक, ईरान की नेवी का खात्मा करना। दो, ईरान के परमाणु ठिकानों को नेस्तनाबूद करना, तीन, ईरान की मिसाइल क्षमता को काफी हद तक सीमित करना और चार, सत्ता परिवर्तन करना। जानकारों का कहना है कि सत्ता परिवर्तन को छोड़ कर बाकी में वह काफी हद तक कामयाब हो चुका है। आई.ए.ई.ए. (अंतर्राष्ट्रीय एटॉमिक एनर्जी एजैंसी) कह ही चुका है कि ईरान परमाणु बम नहीं बना रहा। ईरान साफ कर चुका है कि अयातुल्ला खामेनेई का दिया ऐसे बम नहीं बनाने का फ़तवा उनकी मौत के बाद भी अमल में रहेगा। ऐसे में ट्रम्प कभी भी ऐलान कर सकते हैं कि ईरान का मिसाइल सिस्टम, नेवी और परमाणु ठिकाने बर्बाद किए जा चुके हैं और विश्व शांति के लिए युद्ध में जाने का उसका मकसद पूरा हो गया है (पूरी दुनिया इस पर राहत की सांस लेगी, शायद ही कोई उनके दावों को चुनौती देगा)। इसराईल चाहता है कि ईरान को कमजोर कर दिया जाए। इतना कमजोर कि खाड़ी देशों में उसकी कोई पूछ नहीं रहे और नेतन्याहू खाड़ी देशों के थानेदार बन जाएं। दोनों देशों की लगातार बमबारी ने पहले से कमजोर ईरान को और ज्यादा कमजोर किया है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। नेतन्याहू अपनी इस जीत के बल पर अक्तूबर के चुनावों में उतर सकते हैं या फ़िर जल्द चुनाव करवा कर फ़ायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। ट्रम्प को चूंकि अगला चुनाव लडना नहीं है, लिहाजा वह भी चाहेंगे कि सैनिकों के ताबूतों की संख्या बढने से पहले वह पतली गली पकड़ लें।

उधर ईरान 5 तरह की मिसाइलों और सस्ते ड्रोन से अमरीका और इसराईल को हैरान–परेशान किए हुए है। ईरान का सस्ता ड्रोन सिर्फ 20,000 डालर (करीब 17 लाख रुपए) का पड़ता है, जबकि इस ड्रोन को हवा में ही मारने के लिए जो मिसाइल इंटरसैप्टर अमरीका दागता है, उसकी कीमत 4 मिलियन डालर (करीब 8 करोड़ रुपए) बैठती है। अब ईरान के पास तो हजारों की संख्या में ऐसी मिसाइल और ड्रोन हैं, उसके दोस्त हमास के पास 30 से 40 हजार पुरानी मिसाइलें हैं लेकिन अमरीका के पास इंटरसैप्टर का टोटा है। अमरीका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने खुद स्वीकारा है कि ईरान हर महीने 100 मिसाइल बनाने की क्षमता रखता है, जबकि अमरीका में एक महीने में सिर्फ 6 इंटरसैप्टर बनाने की क्षमता है। ईरान ने पिछले साल जुलाई के 12 दिन के युद्ध से सबक सीखा और पूरे देश में 33 से ज्यादा ठिकानों पर मिसाइल लांचर तैनात कर दिए। इनमें से कुछ तो जमीन के अंदर भी हैं। ईरान इन्हीं के भरोसे 4 महीनों तक लड़ाई जारी रखना चाहता है, ताकि तब तक यूरोपीय देशों, खाड़ी के देशों और भारत जैसे देशों में त्राहि–त्राहि मच जाए और यही देश अमरीका पर सीजफ़ायर के लिए दबाव डालने लगें। अमरीका और इसराईल इसे समझ रहे हैं और ईरान की मिसाइल कमांड पर हमले दर हमले कर रहे हैं। उधर ईरान खाड़ी देशों में स्थापित अमरीकी सैन्य ठिकानों पर लगे राडार नष्ट करने में लगा है जो ईरानी मिसाइल का पता लगाते हैं। हाल ही में ईरान ने कतर में ऐसे ही राडार को नष्ट किया, जिसकी कीमत 1 बिलियन डॉलर बताई जाती है। सारा खेल तकनीक का है। ईरान अमरीका के जी.पी.एस. सिस्टम पर काम नहीं करता। उसने चीन के जी.पी.एस. को लिया है जो अमरीका की पकड़ के बाहर है। साफ है कि इस युद्ध में ईरान की हार तय है। सबसे ज्यादा नुकसान भी ईरान को उठाना पड़ेगा लेकिन ईरान का वजूद कायम रहेगा, मौजूदा सत्ता बरकरार रहेगी। इसराईल के नुकसान की भरपाई अमरीका कर ही देगा लेकिन विनाश के बाद भी नेतन्याहू चुनाव हार गए तो बाकी जिंदगी जेल में बितानी पड़ सकती है या हो सकता है कि इस जंग की वजह से उन्हें सजा में छूट मिल जाए। ट्रम्प को आध्थक नुकसान झेलना होगा, अमरीकी जनता की नाराजगी झेलनी होगी, जो यह मानती है कि ट्रम्प इस जंग में गलत कूद गए। सिर्फ 25 फ़ीसदी जनता उनके साथ है। ईरान जंग में हार का अपमान भूलेगा नहीं और हो सकता है कि परमाणु बम बनाने में कामयाब हो जाए। कुल मिलाकर एक बेमतलब की जंग लड़ी जा रही है जो जितनी जल्द खत्म हो, उतना ही बेहतर है।

# युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना सरकार की प्राथमिकता

➲ कौशल केंद्रों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत निगरानी व्यवस्था जरूरी: मुख्यमंत्री सलाहकार अवनीश अवस्थी ➲ शिक्षा और कौशल विकास को एक साथ जोड़ना समय की आवश्यकता ➲ समाज में श्रम और कौशल को सम्मान देने की संस्कृति विकसित करनी होगी: प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ➲ युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण देना मिशन की प्राथमिकता: पुलकित खरे ➲ डिजिटल लर्निंग पोर्टल से युवाओं को मिल रहे मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम: मिशन निदेशक पुलकित खरे

**लखनऊ।** लखनऊ में आयोजित नेशनल स्किल एंड एजुकेशन समिट - उत्तर प्रदेश का शुभारंभ उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम सहित सरकार, उद्योग, बैंकिंग, शिक्षण संस्थानों तथा कौशल विकास से जुड़े अनेक विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया। होटल सेंट्रम में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश में कौशल विकास, शिक्षा और नवाचार के माध्यम से भविष्य के कार्यबल को तैयार करने पर व्यापक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के युवाओं को आधुनिक कौशल प्रदान कर उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास केंद्रों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत निगरानी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक मंडल में सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस, पीसीएस अधिकारियों, उद्योग विशेषज्ञों और बैंकरों की एक समिति गठित की जाए जो कौशल केंद्रों का निरीक्षण कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करे। अवनीश अवस्थी ने कहा कि कौशल केंद्रों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सार्वजनिक क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और उनकी निगरानी सार्वजनिक डोमेन के माध्यम से भी संभव हो। साथ ही सभी कौशल केंद्रों से संबंधित जानकारी जैसे पाठ्यक्रम, छात्रों की संख्या, प्रमाणपत्र और रोजगार की संभावनाएं वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएं, ताकि व्यवस्था अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बन सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कौशल विकास के क्षेत्र में तेजी से विस्तार हो रहा है और लगभग 750 प्रशिक्षण भागीदार इस मिशन से जुड़े हुए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि जो भी नए प्रशिक्षण भागीदार मिशन से जुड़ें हैं, उनके लिए मुख्यमंत्री की उपस्थिति में एक भव्य प्रमाणपत्र वितरण समारोह आयोजित किया जाए। मुख्यमंत्री सलाहकार ने कहा कि प्रदेश की बड़ी युवा आबादी को कौशलयुक्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अपने हालिया सिंगापुर और जापान दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उत्तर प्रदेश की युवा शक्ति और उसके कौशल विकास की संभावनाओं को प्रमुखता से रखा है। उन्होंने बताया कि गोरखपुर में महाराणा प्रताप

प्रौद्योगिकी संस्थान में लगभग 48 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जा रहा है, जहां एआई, साइबर सुरक्षा, 3डी प्रौद्योगिकी और ड्रोन तकनीक जैसे क्षेत्रों में युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस केंद्र का उद्घाटन 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा और कौशल विकास को एक साथ जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केवल ज्ञान प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे व्यवहारिक रूप से लागू करने की क्षमता विकसित करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में विकास के लिए संस्थागत ढांचे को मजबूत करना आवश्यक है और इसके लिए उद्योग, सरकार तथा शिक्षा संस्थानों को मिलकर कार्य करना होगा। डॉ. हरिओम ने कहा कि समाज में श्रम और कौशल को सम्मान देने की संस्कृति विकसित करनी होगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म और एआई तकनीकों का उपयोग करते समय डेटा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों का ध्यान रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत के पास विशाल कृषि क्षमता है और कृषि, उद्योग तथा सेवा क्षेत्र के बीच संतुलन बनाकर ही समग्र विकास संभव है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में कौशल विकास की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि मिशन के माध्यम से 14 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। मिशन के अंतर्गत राज्य कौशल योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना और प्रोजेक्ट प्रवीण जैसे कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मिशन के तहत प्रशिक्षण भागीदारों के लिए ग्रेडिंग प्रणाली लागू की गई है, जिससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता और रोजगार की संभावनाओं को बेहतर बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त एक डिजिटल लर्निंग पोर्टल भी विकसित किया गया है, जहां युवाओं को मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम और प्रमाणपत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रदेश में 30 से अधिक क्षेत्रों और लगभग 500 जॉब रोल में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध है। समिट के दौरान उद्योग, शिक्षा और बैंकिंग क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कौशल विकास, रोजगार सृजन तथा नवाचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। विशेषज्ञों ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल तकनीकों के क्षेत्र में नए अवसर तेजी से विकसित हो रहे हैं और युवाओं को इन क्षेत्रों के लिए तैयार करना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान डिजिटल लर्निंग पत्रिका के नवीन संस्करण का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विश्वविद्यालयों, उद्योगों, बैंकिंग संस्थानों और नीति विशेषज्ञों ने भाग लेकर शिक्षा, कौशल और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग और साझेदारी को मजबूत बनाने पर चर्चा की। समिट में सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थानों और कौशल विकास से जुड़े अनेक प्रतिनिधियों ने भाग लिया और प्रदेश में कौशल विकास के सशक्त इकोसिस्टम के निर्माण की दिशा में विचार-विमर्श किया।

## पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर अभेद्य किलेबंदी डीएम और एसपी ने खुद संभाली कमान

➲ स्ट्रांग रूम से लेकर सीसीटीवी तक पैनी नजर, अव्यवस्था मिलने पर सुधार के सख्त निर्देश

**सीतापुर।** उ0प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ द्वारा उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती-2025 के दृष्टिगत डा0 राजागणपति आर0 एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने आज द्वारा जनपद के राजकीय इण्टर कालेज सीतापुर एवं राजा राघुबर दीन दयाल इण्टर कालेज सीतापुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, स्ट्रांग रूम, पेयजल व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था तथा प्रवेश प्रक्रिया का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने केन्द्र व्यवस्थापकों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया जाए। उन्होंने अभ्यर्थियों के लिए पेयजल, शौचालय तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक राजेन्द्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## जंगली जानवर के हमले से भैंस की मौत, प्रशासन ने दिलाया मुआवजे का आश्वासन

**लखीमपुर खीरी।** जनपद लखीमपुर खीरी के थाना क्षेत्र खीरी नकहा के ग्राम कटकुसमा में गुरुवार तड़के एक जंगली जानवर के हमले से एक भैंस की दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम निवासी जंगी प्रसाद पुत्र ब्रजकिशोर की भैंस पर आज सुबह लगभग 3:00 बजे किसी जंगली जानवर ने हमला कर दिया। हमले के दौरान जानवर ने भैंस का पेट फाड़ दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय प्रशासन और वन विभाग को दी। सूचना मिलने पर नकहा चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। इसके साथ ही वन विभाग के अधिकारी और क्षेत्रीय लेखपाल भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों की मौजूदगी में मृत भैंस का पोस्टमार्टम कराया गया, ताकि घटना की सही जानकारी और कारण स्पष्ट हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में जंगली जानवरों की गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं, जिससे पशुपालकों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। वन विभाग के अधिकारियों ने पीड़ित पशुपालक जंगी प्रसाद को शासन की योजना के तहत मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है। साथ ही ग्रामीणों को सतर्क रहने और रात के समय पशुओं की सुरक्षा के लिए विशेष सावधानी बरतने की सलाह भी दी गई है।

## क्रेडिट कार्ड से ठगी करने वाला शातिर गिरफ्तार एपीके फाइल भेजकर बनाता था शिकार

**बस्ती।** जनपद की साइबर थाना पुलिस ने मोबाइल ऐप और फर्जी आईडी के जरिए लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन, छह सिम कार्ड और कई फर्जी दस्तावेज बरामद हुए हैं। प्रभारी निरीक्षक कुलदीप कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में साइबर टीम ने गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर अमहट पुल के पास फोरलेन की ओर जाने वाली सड़क पर घेराबंदी की। दोपहर करीब 12:30 बजे पुलिस ने देवव्रत सिंह, निवासी घोरांग, संतकबीर नगर को गिरफ्तार कर लिया।

तलाशी के दौरान उसके पास से एक एंड्रॉयड फोन, एक कीपैड फोन, मुथूट माइक्रो फाइनेंस का आईडी कार्ड, पैन कार्ड, डीएल और छह सिम कार्ड मिले। क्षेत्राधिकार सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाले खुलासे किए। उसने बताया कि वह अपने चाचा के मोबाइल नंबर का उपयोग करता था। उसने फर्जी आईडी बनाकर वायामटेक ऐप के जरिए पीड़ितों से संपर्क किया और उनके एसबीआई क्रेडिट कार्ड की जानकारी हासिल कर ली। इसके बाद उसने करीब 16 हजार रुपये से अधिक की रकम पार कर दी और उस पैसे का इस्तेमाल दूसरों के बिजली बिल भरने में किया। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध साइबर थाने में धोखाधड़ी के जरिए संपत्ति हड़पना, पहचान छिपाकर या किसी और का रूप धरकर धोखाधड़ी करना एवं कंप्यूटर संसाधन या संचार उपकरण का उपयोग करके पहचान चोरी कर धोखाधड़ी करने की धाराओं में मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में साइबर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार त्रिपाठी, निरीक्षक भगवान सिंह, मुख्य आरक्षी ऋषिवेद तिवारी और अंगद मौर्या की मुख्य भूमिका रही।

## ईमानदारी, मेहनत का वह चिराग है जो जीवन भर कभी नहीं बुझेगा : डी0पी0यादव

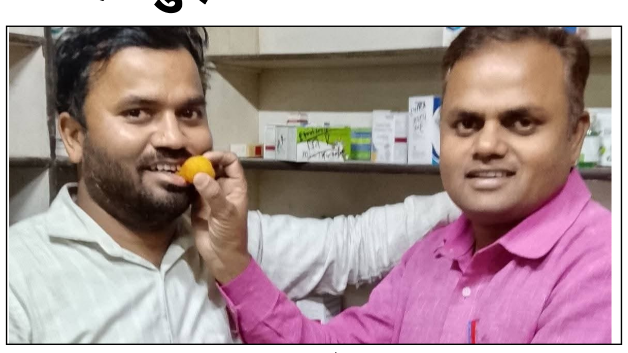

**लखनऊ।** ऋषि उद्यान, निर्बल, असहाय व गरीबों के मददगार प्रिय, मित्र मिथिलेश कुमार सिंह का चयन उत्तर प्रदेश खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में ड्रग एनालिस्ट के पद पर हो गया है। मिथिलेश भाई बहुत ही मेहनती, ईमानदार एवं सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर के हिस्सा लेने वाले व्यक्ति हैं।

आप इनसे कड़ी मेहनत एवं ईमानदारी सीख सकते हैं। अभी 6 महीने पहले इनकी बहन का चयन भारतीय रेलवे में जेई के पद पर हुआ है। ये देवरिया के मूल निवासी हैं, इनके पिता उदय प्रताप सिंह राजस्व निरीक्षक से सेवानिवृत्त हो गए हैं,मिथिलेश भाई को देश विदेश से सुबह से ही लगातार बधाईयां आ रही है,इनकी ईमानदारी , मेहनत समाज के लिए अनुकरणीय है बहुत-बहुत बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

## पेट्रोल-डीजल और गैस की कालाबाजारी पर होगी कड़ी कार्रवाई

➲ अफवाह फैलाने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की चेतावनी, सप्लाई-पुलिस-प्रशासन की संयुक्त टीम सक्रिय

**लखनऊ।** जनपद उन्नाव में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच जिलाधिकारी गौरांग राठी ने गुरुवार को विकास भवन सभागार में पेट्रोल पंप संचालकों, गैस एजेंसी स्वामियों और ऑयल कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश भी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि पेट्रोल, डीजल और गैस की कालाबाजारी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई एजेंसी संचालक, अधिकारी या अन्य व्यक्ति जमाखोरी अथवा कालाबाजारी में संलिप्त पाया गया तो उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जनपद में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। गैस की सप्लाई और डिलीवरी पूर्व की तरह ही नियमित रूप से जारी रहेगी। सोशल मीडिया पर भ्रामक अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि कालाबाजारी और अफवाहों पर रोक लगाने के लिए सप्लाई विभाग, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित की गई है, जो तत्काल प्रभाव से सक्रिय रहेगी। यह टीम बाजार में निगरानी रखेगी और जमाखोरी या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने गैस एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए कि घरेलू गैस सिलेंडरों की डिलीवरी उपभोक्ता के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी सत्यापन के माध्यम से ही की जाए, ताकि कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके। साथ ही सभी गैस गोदामों, डिलीवरी वाहनों और पेट्रोल पंपों पर गैस व ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता संबंधी फ्लेक्स और बैनर लगाने के निर्देश भी दिए गए, जिससे आम लोगों में किसी प्रकार का भ्रम न फैले। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सुशील कुमार गोंड, जिला पूर्ति अधिकारी राजबहादुर सहित संबंधित अधिकारी तथा बड़ी संख्या में पेट्रोल पंप संचालक और गैस एजेंसी डीलर मौजूद रहे।

**उन्नाव में जारी कंट्रोल रूम नम्बर**

जनपद में पेट्रोल डीजल और गैस की आपूर्ति के सम्बन्ध में किसी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने के लिये कार्यालय जिला पूर्ति अधिकारी, उन्नाव में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहां पर 24 घंटे टोल फ्री नं0 8924095505 पर सम्पर्क कर जन सामान्य अपनी शिकायतों का निवारण करा सकते है।

## शिव की बारात के साथ समापन हुआ 36वां श्री डेढवरिया बाबा आठों मेला-होली मिलन महोत्सव

**सीतापुर।** अटरिया क्षेत्र के ग्राम बलदेवपुर में तीन दिवसीय आठों मेला का शिव बारात शोभा यात्रा के साथ समापन किया गया। अटरिया क्षेत्र के ग्राम बलदेवपुर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी होली मिलन के आठवें दिन 36वां आठों मेला महोत्सव व होली मिलन महोत्सव का आयोजन किया गया। यह मेला प्रतिवर्ष होली के आठवें दिन रामायण पाठ्यक्रम के साथ शुरू किया जाता है और दूसरे दिन रामायण समापन कार्यक्रम के साथ कन्या भोज व कबड्डी और रात्रि में जादूगर की जादूगरी व रात्रि में नरोइया की मशहूर रामलीला की शुरुआत की जाती है मान्यता है कि डेढवरिया बाबा धाम पर जो भक्त सच्चे मन से अपनी मनोकामना मांगता है उसे डेढवरिया बाबा पूर्ण करते हैं यह मेला प्रत्येक वर्ष की भांति होली मिलन के आठवें दिन आयोजित किया जाता है इस मेला महोत्सव में दूर दूर से श्रद्धालु भक्त व रिश्तेदार सम्मिलित होकर मेला की शोभा बढ़ाते हैं मेला में सभी एकता का संदेश देते हैं और मेला महोत्सव का आनंद लेते हैं मेला के तीसरे दिन शिव की बारात निकालकर शिव विवाह कार्यक्रम संपन्न किया जाता है और इसके पश्चात मंच पर रंगारंग कार्यक्रम व झांकियां प्रस्तुत की जाती है देर रात में मशहूर रामलीला के कलाकारों के द्वारा रामलीला नाटक की प्रस्तुति की जाती है। इसी कार्यक्रम के साथ समापन किया जाता है इस कार्यक्रम के संस्थापक स्वर्गीय राम गोपाल यादव द्वारा प्रत्येक वर्ष मेला का आयोजन किया जाता था अब उनके सुपुत्र शिवपूजन यादव और समस्त ग्रामवासी व क्षेत्रवासी के द्वारा आयोजित किया जाता है।

## गैस की किल्लत और अफवाहों पर डीएम-एसपी का कड़ा एक्शन, ग्राउंड जीरो पर पहुंचे अधिकारी

अफवाहों पर लगाम लगाने के लिए तैनात हुए लेखपाल प्रतिदिन प्रशासन को सौंपेंगे रिपोर्ट

**सीतापुर।** बीते तीन दिनों से रसोई गैस की किल्लत व आपूर्ति को लेकर मचे हाहाकार और तरह-तरह की चर्चाओं पर विराम लगाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह संजीदा हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में गैस की कमी और लंबी लाइनों की खबरों के बीच खुद जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने मोर्चा संभाल लिया है। आज दोनों आला अधिकारियों ने सिविल लाइन स्थित आशीर्वाद गैस एजेंसी पहुंचकर न केवल स्टॉक का जायजा लिया, बल्कि वितरण व्यवस्था को भी अपनी आंखों से देखा।

**लाइन में लगे उपभोक्ताओं को राहत, पहले बुकिंग-पहले गैस**

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एजेंसी संचालकों को सख्त लहजे में हिदायत दी कि गैस का वितरण पूरी तरह पारदर्शी और सुचारू होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन उपभोक्ताओं ने पहले से बुकिंग करा रखी है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं। डीएम ने साफ किया कि गैस वितरण में कोई भी अनियमितता बर्दाश्त नहीं होगी और उपभोक्ताओं को मानक के अनुरूप ही सिलेंडर दिए जाएं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल और एजेंसी कर्मियों को तालमेल बिठाने के निर्देश दिए गए हैं।

**लेखपालों की पैनी नजर, अफवाह फैलाने वालों पर सख्ती**

गैस एजेंसियों पर मची अफरातफरी को देखते हुए प्रशासन ने पहले ही लेखपालों की ड्यूटी लगा दी है जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए हैं कि तैनात लेखपाल अपने अधीनस्थ अधिकारियों को प्रतिदिन की वितरण और स्टॉक रिपोर्ट अनिवार्य रूप से भेजेंगे। जिला पूर्ति अधिकारी अखिलेश श्रीवास्तव की मौजूदगी में हुए इस निरीक्षण से उन अफवाहों पर भी लगाम लगी है जिनमें कहा जा रहा था कि एजेंसियों पर गैस का स्टॉक खत्म हो गया है। प्रशासन के इस कदम के बाद उम्मीद है कि अगले 24 घंटों में गैस आपूर्ति सामान्य हो जाएगी और कालाबाजारी या अफवाह फैलाने वालों पर शिकंजा कसेगा।

## आगरा में 'इंडिया स्किल्स 2025-26' नॉर्थ रीजनल प्रतियोगिता का शुभारंभ

➲ उत्तर भारत के 5 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों के 360 से अधिक प्रतिभागी ले रहे हिस्सा ➲ उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के 30 प्रतिभागी 15 स्किल्स में दिखा रहे अपना हुनर ➲ 'वर्ल्ड स्किल्स कॉम्पिटिशन 2026' के लिए युवाओं को तैयार कर रहा कौशल विकास मिशन ➲ 14 मार्च को समापन समारोह में प्रतिभाग करेंगे मंत्री कपिल देव अग्रवाल

**आगरा।** योगी सरकार द्वारा प्रदेश के युवाओं को कौशलयुक्त बनाकर उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों के क्रम में ताजनगरी आगरा में 'इंडिया स्किल्स 2025-26' नॉर्थ रीजनल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ है। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उत्तर भारत के 5 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों के 360 से अधिक प्रतिभागी 41 विभिन्न ट्रेडों में अपनी प्रतिभा और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता का रंगारंग शुभारंभ बुधवार, 11 मार्च की शाम को हुआ।

उद्घाटन समारोह में विभिन्न राज्यों के युवाओं ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के उप महानिदेशक अरुण कुमार ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं को सीखने और अपनी प्रतिभा को निखारने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि यहां आने वाला प्रत्येक प्रतिभागी कुछ न कुछ नया सीखकर अवश्य जाएगा। समारोह के दौरान सभी राज्यों की टीमों ने मार्च पास्ट किया और प्रतिभागियों तथा निरीक्षकों को पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ दिलाई गई।

इस चार दिवसीय प्रतियोगिता का समापन 14 मार्च को विजेताओं को सम्मानित करने के साथ होगा। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल 14 मार्च को आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगे और विजेताओं को सम्मानित करेंगे। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को आधुनिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 'इंडिया स्किल्स' जैसी प्रतियोगिताएं युवाओं को अपनी प्रतिभा को पहचानने और उसे राष्ट्रीय तथा वैश्विक स्तर तक पहुंचाने का अवसर देती हैं। ऐसे आयोजनों से प्रदेश के युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे तकनीकी दक्षता के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होते हैं। गुरुवार को प्रतियोगिता के पहले चरण में प्रतिभागियों को उनके-उनके ट्रेड से संबंधित आधुनिक उपकरणों और तकनीकी प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न उपकरणों की बारीकियों से अवगत कराने के बाद मुख्य प्रतियोगिताएं प्रारंभ हुईं। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की ओर से चयनित 30 मेधावी प्रतिभागी इस प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ये प्रतिभागी 15 विभिन्न स्किल्स में अपना कौशल प्रदर्शित कर रहे हैं, जिनमें ब्यूटी थेरेपी, प्लंबिंग एंड हीटिंग, हेयर ड्रेसिंग, फैशन टेक्नोलॉजी, ब्रिकलेइंग तथा रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग जैसे महत्वपूर्ण ट्रेड शामिल हैं। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे ने प्रदेश के प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'इंडिया स्किल्स' प्रतियोगिता युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि मिशन का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को 'वर्ल्ड स्किल्स कॉम्पिटिशन 2026' जैसे वैश्विक मंच के लिए तैयार करना है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। यह क्षेत्रीय प्रतियोगिता न केवल युवाओं के कौशल का परीक्षण है, बल्कि उनके नवाचार और तकनीकी दक्षता को वैश्विक मानकों पर परखने का एक सशक्त माध्यम भी है।

# युवाओं को मिलेगा रोजगार , तीन शहरों में रोजगार मेला

□ कौशल विकास मिशनः 18 से 25 मार्च के बीच लखनऊ, झांसी और वाराणसी में रोजगार मेले
□ प्रदेश सरकार की प्राथमिकता, कौशल, प्रशिक्षण और रोजगार

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और उन्हें कौशल के आधार पर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में बृहद रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे बड़ी संख्या में युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। राज्य सरकार के निर्देशानुसार मार्च माह में तीन प्रमुख शहरों में रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे। इन रोजगार मेलों में विभिन्न कंपनियां भाग लेकर प्रशिक्षित और योग्य युवाओं का चयन करेंगी। सरकार का उद्देश्य है कि कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को सीधे रोजगार से जोड़ा जाए।कौशल विकास मिशन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 18 मार्च को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में लखनऊ, कानपुर, अयोध्या और बरेली मंडल के अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। 24 मार्च को झांसी के बुंदेलखंड महाविद्यालय में रोजगार मेला आयोजित होगा, जिसमें झांसी, चित्रकूट और आगरा मंडल के युवाओं को भाग लेने का अवसर मिलेगा। इसी क्रम में 25 मार्च को वाराणसी स्थित राजकीय आईटीआई करौंदी परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में वाराणसी, मिर्जापुर और प्रयागराज मंडल के युवाओं को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर मिलेंगे।प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार की नीति के तहत कौशल विकास मिशन युवाओं को प्रशिक्षण देने के साथ उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। मिशन डायरेक्टर पुलकित खरे ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में विभिन्न योजनाओं, कौशल प्रशिक्षण, स्टार्टअप और निवेश आधारित औद्योगिक विकास से प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं । रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को सीधे कंपनियों से जुड़ने और योग्यता के अनुसार नौकरी पाने का अवसर मिल रहा है। इसी के तहत 18, 24 और 25 मार्च को रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है।

## यूपी में सुर साधना की गूंज, स्थानीय कलाकारों को मिला मंच

**लखनऊ।** स्थानीय कलाकारों को आगे बढ़ाने के लिए सुर साधना के तहत यूपी के 22 जिलों में साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें अलग-अलग जिलों के धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों पर कलाकार अपनी प्रस्तुति दे रहे हैं। 156 दिनों में अब तक 374 सांस्कृतिक दलों के लगभग 2200 से ज्यादा कलाकार इन कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं, जिससे प्रदेश की लोक संस्कृति को नया मंच मिल रहा है। कार्यक्रमों में कई तरह की सांस्कृतिक विधाओं की प्रस्तुतियां दी जाती हैं। कलाकार लोकगायन, भजन-कीर्तन, लोकनृत्य, लोकनाट्य, कठपुतली और जादू जैसी विधाओं का प्रदर्शन करते हैं। इसके अलावा शास्त्रीय गायन-वादन, किस्सागोई और काव्य पाठ कार्यक्रम का हिस्सा हैं। स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे उस क्षेत्र की पारंपरिक कला को बढ़ावा मिल सके। कलाकारों को उनकी प्रस्तुति के अनुसार मानदेय भी दिया जाता है। लोक नृत्य के लिए 15,000 रुपए, लोक भजन गायन के लिए 10,000 रुपए और अन्य विधाओं जैसे जादू, कठपुतली, किस्सागोई दास्तानगोई और काव्य पाठ के लिए 5,000 रुपए मानदेय निर्धारित किया गया है। इससे कलाकारों को आर्थिक सहयोग भी मिल रहा है और वे अपनी कला को बेहतर तरीके से प्रस्तुत कर पा रहे हैं। सुर साधना कार्यक्रम में कुसुमवन सरोवर मथुरा झांसी का किला झांसी, रामघाट चित्रकूट, नया अस्सी घाट वाराणसी त्रिवेणी घाट प्रयागराज, कुड़िया घाट और जनेश्वर मिश्र पार्क लखनऊ शिल्पग्राम आगरा, डाइट ऑडिटोरियम विकास भवन बदायूं नैमिषारण्य धाम सीतापुर राम की पैड़ी अयोध्या रामगढ़ताल गोरखपुर, सामौर बाबा धाम फिरोजाबाद, सीता समाहित स्थल भदोही, बटेश्वर धाम आगरा और पाल्हमेश्वरी देवी मंदिर आजमगढ़ शामिल हैं। विंध्यवासिनी देवी मंदिर विंध्याचल मिर्जापुर प्रेम मंदिर वृंदावन मथुरा, शुक्र तीर्थ मुजफ्फरनगर, देवीपाटन मंदिर बलरामपुर, गढ़मुक्तेश्वर हापुड़, मां शाकुंभरी देवी मंदिर सहारनपुर और शीतला माता मंदिर मैनपुरी जैसे जिलों के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भी सुर साधना के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश की लोक कला और लोक परंपराएं हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत की मजबूत नींव हैं। 'सुर साधना' जैसे आयोजन इन परंपराओं को नया जीवन देने का काम कर रहे हैं।

## कीलर रोड ने फिर निगली एक जिंदगी

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर**

मिर्जापुर। किलर रोड के नाम से मशहूर वाराणसी शक्तिनगर सोनभद्र मार्ग आए दिन किसी न किसी दुर्घटनाओं से चर्चा में बना रहता है। गुरुवार शाम 5ः00 बजे के लगभग अहरौरा के निकट घाटमपुर तिराहे पर एक ऐसा खौफनाक मंजर देखने को मिला की सबकी आंखें नम हो गई। राखड ट्रेलर द्वारा पति-पत्नी और बच्चे के साथ बाइक सवार को धक्का लग गया, जिसके चपेट में आने से पत्नी सीमा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मुड़हुवा ,शिकारगंज जनपद चंदौली निवासी सर्वेश कुमार यादव अपनी पत्नी सीमा उम्र 35 वर्ष पुत्र अंकित उम्र 12 वर्ष के साथ वाराणसी से दवा लेकर लौट रहे थे, घाटमपुर तिराहे के समीप पीछे से आ रही राखड ट्रेलर के चपेट में आ गए,जिससे पिता पुत्र दूर जाकर गिरे, वही सीमा ट्रक की चपेट में आ गई और उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने चक्का जाम कर एसडीएम को बुलाने और स्पीड ब्रेकर की मांग करने लगे। रोड के दोनों तरफ वाहन के लंबे कतार लग गए।2 घंटे बाद एसडीम के पहुंचने पर लोगों को समझा बूझाकर शांत कराया गया उसके बाद पुलिस प्रशासन द्वारा शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही में जूट गई।

## शीतला महोत्सव में जम कर झूमे मां के भक्त

दूरदर्शन रेडियो की कलाकार रंजना राय कि प्रस्तुति ने मोह लिया लोगों का मन

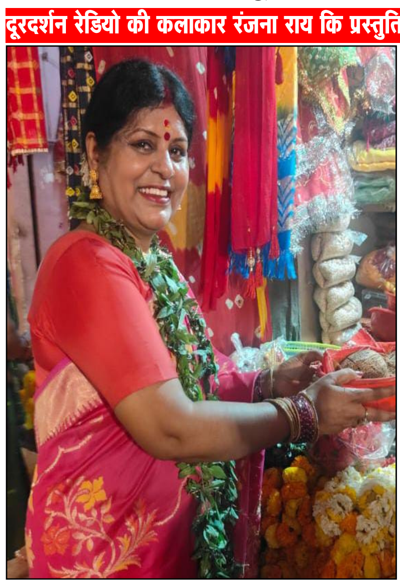

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर**

सीखड़/मिर्जापुर। क्षेत्र अंतर्गत अदलपुरा स्थित बड़ी शीतला माता मंदिर के धाम में अष्टमी के अवसर पर आयोजित शीतला महोत्सव में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस दौरान वाराणसी से आई दूरदर्शन रेडियो कि लोक गायिका रंजना राय ने सर्वप्रथम बड़ी शीतला माता का दर्शन पूजन कर आशीर्वाद ली, इसके पश्चात जगमग लाइट से सजे मंच पर पहुंच कर मां का जयकारा लगाते हुए एक से बढ़कर एक भव्य प्रस्तुति दी जिसमे देवी गीत पचरा ÷निमिया कि डार मईया झूलेली झूलनवा हो कि झूमि झूमि ना÷, ÷खोलूं ना मोरी शीतला मईया झांझरी केवड़िया हो सेवकवा लोग ना÷, जगदम्बे भवानी आई मोरे अंगना आदि भजन लोकगीत प्रस्तुत कर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस दौरान कलाकार रविंद्र सिंह ज्योति, गीतांजलि मौर्या, काजल सहित कई कलाकारों ने भजन सुनाकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

## नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने महिला सफाई मित्रों को किया सम्मानित

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर**

मिर्जापुर।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्वच्छ भारत मिशन नगरीय के अंतर्गत ÷नारी लीड्स स्वच्छता÷ पहल के तहत नगर की साफ सफाई में विशेष योगदान देने वाली महिला सफाई मित्रों को नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी द्वारा सम्मानित किया गया।बता दे आठ मार्च से चौदह मार्च तक चलने वाले इस ÷नारी लीड्स स्वच्छता÷ पहल के तहत महिला सफाई मित्रों के नेतृत्व और सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा,महिला मित्र सुरक्षा के अंतर्गत महिला सफाई मित्रों का चिकित्सीय जांच किया जाएगा,इसके साथ ही महिलाओं के नेतृत्व में सफाई को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।आज इसी अभियान के अंतर्गत शहर की सफाई में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिला सफाई मित्रों को नपाध्यक्ष ने अंगवस्त्र और माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया है।इस मौके पर नपाध्यक्ष ने कहा है कि पूरे नगर की सफाई में महिला सफाई मित्रों का विशेष योगदान रहता है,उनके कठिन परिश्रम के कारण हमारे आस पास सफाई रहती है।ये महिला सफाई मित्र नारी सशक्तिकरण की उदाहरण है और अन्य महिलाओं के लिए भी समाज में प्रेरणा स्त्रोत है।आज इन सभी महिला सफाई मित्रों को सम्मानित करने का काम किया गया है।इसके साथ ही शिविर लगाकर इनकी चिकित्सीय जांच भी कराई जा रही है।उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही इसके नेतृत्व में जागरूकता रैली निकाल कर लोगो को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जायेगा।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती नीलम प्रभात सदस्य उत्तर प्रदेश महिला आयोग एवं नगर अध्यक्ष डॉली अग्रहरि सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## गैस सिलेंडर की क़िल्लित से अजीज सपा नेता विष्णु शर्मा ने लकड़ी के चूल्हे को अपनाना शुरू किया

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी**

वाराणसी। घरेलु गैस सिलेंडर मे मूल्य वद्धि एवं गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर सपाईयो ने अब लकड़ी का चुल्हा इस्तेमाल करने पर मजबूर हो रहे है । विश्वकर्मा समाज के महानगर अध्यक्ष व विश्वकर्मा वंशज सपा नेता विष्णु शर्मा卐विश्वकर्मा 卐 ने गैस सिलेंडर मे मचे हाहाकार एवं किल्लत को देखकर अपने घर मे पुराने प्रचलन मे मुरादा का चुल्हा का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है । सपा नेता विष्णु शर्मा 卐विश्वकर्मा 卐 ने बताया गृहणीया परेशान है । गैस एजेंसी संचालक न तो मोबाइल रिसिव कर रहे है और न ही सिलेंडर की बुकिंग कर रहे है ऐसे मे दो जून का खाना बनाना मुश्किल हो गया है । उन्होने कहा कि डबल इंजन के कमल की फुल वाली सरकार मे कभी नोट बंदी का लाईन मे लोग खड़े रहे। अब एल.पी.जी.सिलेंडर के लिए उपभोक्ताओ को लाईन मे लगा दिया गया है ।

## एलपीजी गैस सिलिंडर को लेकर सपा ने किया प्रदर्शन

### गैस को लेकर जनता परेशानः देवी प्रसाद चौधरी

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर**

मिर्जापुर। एलपीजी गैस सिलिंडर को लेकर जिले में हुई किल्लत पर शुक्रवार को सपा ने प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के नेतृत्व में नेताओं व पदाधिकारियों ने हाथों में गैस सिलिंडर को लेकर प्रदर्शन किया और सिटी मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह को ज्ञापन सौंपकर किल्लत दूर करने की मांग की। ज्ञापन में जिला अध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि पूरे देश में एलपीजी गैस सिलिंडर की किल्लत है, जिसकी वजह से जिले की जनता बहुत परेशान है। गैस की किल्लत से जनता को सही समय पर बुकिंग के बाद भी गैस नहीं मिल पा रही है, जिसकी वजह से रसोई पर गहरा असर देखा जा रहा है। रमजान जैसा पवित्र महीना और शादी व भंडारे का भी समय चल रहा है। बहुत लोगों ने शादियों की तारीख तय कर ली है। उनके सामने गैस का बहुत बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस अवसर पर आदर्श यादव, मुन्नी यादव, सुरेन्दर पटेल, सतीश मिश्रा, शैलेष पटेल, झल्लू यादव,कौशिक कौनिजिया,रामप्यारे गोंड, प्रिंस राव, जेपी यादव, रवि सोनकर, मेवालाल प्रजापति, शिवकुमार यादव, दीनानाथ प्रजापति, सुरेश यादव, रामजी यादव, धनंजय सिंह, सौरभ पटेल, पतालू यादव, सुबाष पटेल, विरेन्दर यादव आदि मौजूद रहे।

## दवा के थोक कारोबारियो के थोक लाइसेंस का हुआ भौतिक सत्यापन

➲ बलिया में ड्रग इंस्पेक्टर के ताबड़तोड़ एक्शन से दवा कारोबार से जुड़े माफियाओं में हड़कंप ➲ चैरिटेबल ब्लड सेंटर पर हुई रेंडम चेकिंग तो खुल गई खामियों की पोल

**बलिया।** प्रदेश के कमिश्नर, एफएसडीए लखनऊ और जिलाधिकारी बलिया के विशेष निर्देश पर जौनपुर से बलिया जनपद भेजे गए जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय ने पूर्वी यूपी के बड़े कारोबारी क्षेत्र जनपद बलिया में पहुंचते ही ताबड़तोड़ तोड़ एक्शन शुरू कर दिया है।

उन्होंने बुधवार को जनपद बलिया शहर और रसड़ा क्षेत्र में स्थित आधा दर्जन से अधिक मेडिकल स्टोर की थोक और फुटकर दुकानों पर पहुंच कर रेंडम चेकिंग शुरू कर दी। प्रदेश शासन के विशेष निर्देश पर जनपद बलिया में अचानक हुई इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से दवा कारोबार से जुड़े माफियाओं में जबरदस्त हड़कंप मच गया। ख़ौफ तो उन ब्लड कारोबारियों के चेहरे पर भी देखने को मिला जो शासन की आंख में धूल झोंक कर लंबे समय से यह खेल खेल रहे थे। जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय की

टीम ने सबसे पहले बलिया शहर में स्थित थोक दवा के बड़े कारोबारी अंश मेडिकल स्टोर, वर्मा मेडिकल स्टोर पर पहुंच कर वहां दुकानों का भौतिक सत्यापन किया। इसके बाद मेडिसिन सेंटर, दीपक मेडिकल स्टोर और लिमरा फार्मा स्थित शहर के नामी गिरामी दवा के बड़े के इस प्रतिष्ठान पर पहुंच कर उनकी दुकानों का भौतिक सत्यापन किया । इस प्रक्रिया के तहत दुकान के अस्तित्व, संचालक के अनुभव, और लाइसेंस प्राप्त करने के दौरान संबंधित फर्म संचालक द्वारा दी गई चौहद्दी , दवाओं के भंडारण सुविधा और सक्षम व्यक्ति की उपलब्धता की गहनता से जांच की गई। कई घंटे तक चली इस बेहद ही सूक्ष्म जांच पड़ताल के दौरान दवा कारोबारियों के चेहरे की हवाइयां उड़ी हुई थी। औचक निरीक्षण के इस दायरे में बलिया सिटी चैरिटेबल ब्लड सेंटर पर अधिकारियों का विशेष दस्ता पहुंचा तो वहां भ्रष्टाचार की सारी कलई खुल गई। जाँच के दौरान ब्लड सेंटर के संचालन में काफी कुछ गंभीर खामियां पाई गईं। ड्रग इंस्पेक्टर श्री पांडेय ने ब्लड सेंटर के संचालक को सख्त चेतावनी देते हुए सभी खामियों को जल्द से जल्द दूर करने के कड़े निर्देश दिए और भविष्य में ऐसी लापरवाही न बरतने की हिदायत दी।

**जांच के दायरे में आए पांच प्रतिष्ठान**

**बलिया।** शासन की विशेष निर्देश पर शुरू हुई स्पेशल जांच पड़ताल में यह पांच बड़े प्रतिष्ठान जांच के दायरे में आ गए हैं। जिनमें अंश मेडिकल स्टोर, वर्मा मेडिकल स्टोर, मेडिसिन सेंटर, दीपक मेडिकल स्टोर, लिमरा फार्मा शामिल है। इस संबंध में जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय ने मीडिया को बताया कि सभी को नोटिस जारी कर दिया गया है। नोटिस का जवाब आते ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

**नहीं सुधरी खामियां तो निरस्त होगा लाइसेंस**

**बलिया।** जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय ने जांच के दायरे में आए पांच मेडिकल स्टोर संचालक और एक सिटी चैरिटेबल ब्लड सेंटर के संचालक को सात दिन का सख्त अल्टीमेटम दिए हैं। जिसमे उन्हें निरीक्षण के दौरान मिली बेहद ही छोटी-मोटी कमियों के लिए संचालकों को निर्धारित समय सीमा के अंदर अपने प्रपत्र को दुरुस्त करते हुए व्यवस्था को पूरी तरह से चाक चौबंद करना है । बावजूद इसके अगर निर्धारित समय के भीतर खामियों का अनुपालन नहीं किया गया, तो लाइसेंस निरस्तीकरण जैसी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## कांग्रेस नेता दयानन्द शुक्ला ने रसोई गैस की हो रही किल्लत पर भाजपा सरकार पर साधा निशाना

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई**

मवई अयोध्या। आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य दयानन्द शुक्ला ने रसोई गैस की हो रही किल्लत पर भाजपा सरकार की तीखी आलोचना की है।श्री शुक्ला शुक्रवार को रानीमऊ स्थित कांग्रेस के कैंप कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता व मंत्री दिल्ली में बयान जारी करते हैं कि देश में रसोई गैस की कोई किल्लत नहीं है जबकि हकीकत यह है कि जनता रसोई गैस के लिए प्रातः से ही गैस एजेंसी का चक्कर लगाती रहती है। लेकिन उसे निराशा ही हाथ लगती है।कांग्रेस नेता दयानन्द शुक्ला ने कहा कि गांव में बहुत बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिनके पास न तो इस समय गैस है और न ही भोजन बनाने के लिए लकड़ी है। ऐसे लोगों को सामने बेहद संकट खड़ा हो गया है।भाजपा सरकार के मंत्री सिर्फ बयान जारी कर देते हैं जबकि हकीकत कुछ और भी है।कांग्रेस नेता ने कहा कि कई लोगों ने उन्हें बताया कि बुकिंग के बाद भी गैस नहीं मिल पा रही है। दयानन्द शुक्ला ने बताया कि पवित्र रमजान माह चल रहा है कुछ ही दिनों में नवरात्र का भी पर्व शुरू होने वाला है। सरकार रसोई गैस को लेकर डींगे हांक रही है लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि रुदौली क्षेत्र में रसोई गैस को लेकर गंभीर समस्या है।इससे पूर्व कांग्रेस नेता दयानन्द शुक्ला कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ नेवरा,शेरपुर,उमापुर,बाबा बाजार,शुजागंज, हसना मऊ, बिचाला,पस्ता,आदि गांवों का भ्रमण किया।इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष तारिक शरबती,राकेश बंसल,ब्लाक अध्यक्ष पतिराखन,नदीम खां,राजन पांडेय,सुरेश चंद्र तिवारी,रामकृष्ण शुक्ला,शिवकुमार मौर्या आदि लोग उपस्थित थे।

## शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) की अनिवार्यता के विरोध में यूनाइटेड टीचर एसोसिएशन

**जौनपुर।** ( यूटा) के जिला अध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व मे बृहस्पतिवार को शिक्षकों ने विशाल मशाल जुलूस निकाला जुलूस में सैकड़ो शिक्षकों ने भाग लेकर सरकार से पुराने शिक्षकों को टेट के अनिवार्यता से मुक्त करने की मांग उठाई।

मशाल जुलूस रोडवेज तिराहा जौनपुर से शुरू होकर कलेक्ट परिसर स्थित शहीद स्तंभ पर जाकर समाप्त हुआ ! इस दौरान शिक्षा अधिकार अधिनियम आरटीई से मुक्त किए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन माननीय प्रधानमंत्री जी के नाम माननीय जिला अधिकारी महोदय को प्रेषित किया गया। शिक्षकों ने हाथ में मशाल और बैनर लेकर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया ! जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता और वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों पर

टेट की अनिवार्यता थोपना उनकी योग्यता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करना है उन्होंने कहा कि जिन शिक्षकों ने विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है उनकी योग्यता को एक परीक्षा के आधार पर परखना उचित नहीं है ! जिला मंत्री लक्ष्मी नारायण तिवारी ने कहा की नियुक्ति के समय जो योग्यताएं थी उसके बाद सेवा के दौरान नए नियम लागू करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है! जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रेश यादव ने कहा कि जिन शिक्षकों ने 10 वर्षों से 15 वर्षों तक बेसिक शिक्षा की नीव मजबूत की है उन्हें मानसिक तनाव में डालना उचित नहीं है !

जिला कोषाध्यक्ष डॉ आशीष सिंह ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए शिक्षकों को तनाव नहीं बल्कि सहयोग की आवश्यकता है! उन्होंने सरकार से मांग की की पुराने शिक्षकों को टेट की अनिवार्यता से तुरंत मुक्त किया जाए और उनके भविष्य के साथ हो रहे हैं अन्याय को रोका जाए ! मसाल कार्यक्रम का संचालन डॉ.प्रदीप सिंह जिला संयुक्त मंत्री ने किया मसाल जुलूस में विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी गंन ,शिक्षक नेता आनंद सिंह अध्यक्ष मछली शहर, प्रमोद शुक्ला अध्यक्ष शाहगंज, अजय मिश्रा अध्यक्ष मडियाहू, विनोद सिंह अध्यक्ष रामनगर, श्रीकृष्ण पांडे अध्यक्ष करंजाकला,प्रदीप सिंह अध्यक्ष केराकत, जितेंद्र मिश्रा अध्यक्ष रामपुर ,संतलाल अध्यक्ष बरसठी ,राजेश यादव अध्यक्ष खुटहन, सरोज सिंह अध्यक्ष सुईथाकला. राय साहब सिंह, आनंद सिंह, प्रभाकर उपाध्याय, डॉ विपिन मिश्रा, राजेश सिंह, जनार्दन सिंह, विजय बहादुर यादव, यशवंत सिंह, राजकुमार सिंह, प्रवेश पटेल,चंचल पाठक, अमिता उपाध्याय, अमित तिवारी,व सैकड़ो की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे!

## थाना सारनाथ क्षेत्र अंतर्गत का मामला सामने आया मृतक विकास भारद्वाज उर्फ (विक्की) के संबंध में कार्रवाई न होने से अधिक संख्या में पहुंचे जनसभा के लोग

**वाराणसी।** प्रार्थी दिनेश कुमार पुत्र स्वर्गीय शंभू राजभर, घुरहूपुर, थाना सारनाथ का निवासी हूँ। दिनांक 3 मार्च 2026 को सुबह लगभग 9 बजे मेरा बेटा विकास भारद्वाज (विक्की) उम्र लगभग 17 वर्ष जो अपने दोस्त संदीप राजभर और दशरथ राजभर के साथ घर के बाहर बैठा था, तभी एक सफेद रंग की फॉर्च्यूनर गाड़ी हमारे घर के पास आई और उसमें से बमबम सिंह और रेयाज अहमद गाड़ी से उतरे और मेरे पुत्र विकास भारद्वाज (विक्की) और उनके दोनों दोस्त संदीप और दशरथ से बमबम सिंह के घर पर काम करने के लिए बात करने लगे। मेरे पुत्र विकास और उनके दोस्त संदीप और दशरथ ने काम करने से मना कर दिया पर बमबम सिंह और उनके साथ आए ठेकेदार रेयाज अहमद काम करने के लिए दबाव बनाते रहे और हमारे मर्जी के खिलाफ बमबम सिंह और रेयाज अहमद ने मेरे पुत्र विकास भारद्वाज (विक्की) और उनके दोनों दोस्त संदीप और दशरथ को जबरदस्ती गाड़ी में बैठा लिया तब मेरी भाभी अनीता राजभर दौड़ती हुई आई और उन्होंने बताया कि आपके बच्चों को जबरदस्ती गाड़ी में बैठा

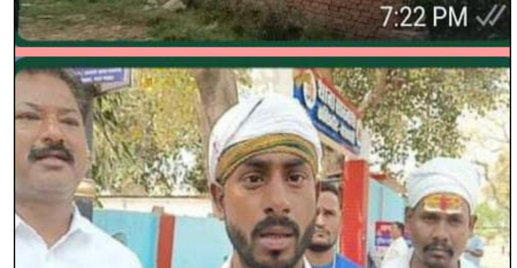

कर ले गए। अभी हम लोग खोज बीन कर ही रहे थे कि संदीप राजभर जिसको मेरे बेटे के साथ उठाया गया था, उसका फोन आया कि विकास भारद्वाज (विक्की) की मृत्यु हो गई है। जब मेरे द्वारा मकान मालिक बमबम सिंह पर दबाव बनाया गया तो मकान मालिक बमबम सिंह और ठेकेदार रेयाज अहमद ने कहा कि जहाँ बोल रहा हूँ वहाँ हस्ताक्षर कर दो नहीं तो बेटे की तरह तुम भी मारे जाओगे, फिर मकान मालिक बमबम सिंह और ठेकेदार रेयाज अहमद मेरे घर आए और मुझसे जबरदस्ती एक कागज़ पर हस्ताक्षर कराया। उसके बाद अपनी पिस्तौल निकाली और दिखाते हुए कहाँ की अगर कहीं कुछ बोलोगे तो अपनी जान से हाथ धो बैठोगे। जब मैंने संदीप राजभर से पूछा कि बेटा क्या घटना हुई थी तो संदीप राजभर द्वारा बताया गया कि बमबम सिंह के अर्थ निर्मित मकान की फर्श की मिट्टी कच्ची होने की वजह से सेंटरिंग दब रही थी। सभी मजदूर डर के मारे बाहर निकल गए तभी मकान मालिक बमबम सिंह ने अपनी पिस्तौल दिखाते हुए बोला कि कोई बाहर नहीं निकलेगा और इस काम को आज ही पूरा करके ही जाना है। मेरे बेटे और उनके दोस्तों द्वारा अनुनय विनय किया गया कि साहब हमारी जान चली जाएगी तब मकान मालिक बमबम सिंह ने पिस्तौल निकाल कर बोला कि तुम लोग बाहर निकालोगे तो मैं तुम सबको गोली मार दूंगा। हम लोग डर गए और मकान मालिक बमबम सिंह और ठेकेदार रेयाज अहमद मेरे बेटे विकास भारद्वाज (विक्की) और उसके दोस्तों को जबरदस्ती अंदर लेकर गए तभी पूरी छत पानी के दबाव से भरभराकर मेरे बेटे विकास भारद्वाज (विक्की) और उसके दोस्तों पर गिर पड़ी और उसमें विकास भारद्वाज (विक्की) की दब कर मृत्यु हो गई और उसमें संदीप राजभर, दशरथ राजभर और अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। आपको बताना है कि विकार भारद्वाज मेरे घर का अकेला कमाने वाला लड़का था और अब उसकी मौत के बाद मेरे परिवार के ऊपर भारी आर्थिक संकट आ गया है।

# मीरा चोपड़ा

## बहन प्रियंका चोपड़ा को अपनी फिल्म में लेना अफोर्ड नहीं कर सकती

एक्ट्रेस मीरा चोपड़ा ने साउथ और बॉलीवुड की काफी फिल्में की हैं और अब हाल ही उन्होंने साइलेंट फिल्म श्गांधी टॉक्सश् को प्रोड्यूस किया। उन्होंने श नवभारत टाइम्सश् संग इंटरव्यू में फिल्ममेकर के तौर पर चुनौतियों के अलावा श्गांधी टॉक्सश् पर प्रियंका चोपड़ा के रिएक्शन और उनके संग काम करने को लेकर बात की।

बहन प्रियंका चोपड़ा को अपनी फिल्म में लेना अफोर्ड नहीं कर सकती, च्पबरू डममतं बीवचतं प्देजंहतंउ

मीरा चोपड़ा साउथ और बॉलीवुड फिल्मों के अलावा प्रियंका चोपड़ा की कजिन बहन के तौर पर पहचानी जाती हैं।

शादी के बाद वह फिल्मों से दूर थीं लेकिन अब बतौर फिल्ममेकर उन्होंने साइलेंट फिल्म श्गांधी टॉक्सश् के साथ वापसी की। हमसे खास बातचीत में उन्होंने अपने करियर, प्रियंका चोपड़ा की सलाह सहित कई विषयों पर बात की।

बतौर फिल्ममेकर डेब्यू करने के बाद क्या वह आगे अपनी फिल्म में बहन प्रियंका चोपड़ा को कास्ट करने के बारे में सोचती हैं। इस सवाल के जवाब में उन्होंने हंसते हुए कहा, श्नहीं...नहीं। अभी तो मैं वो नहीं कर सकती। मैं अभी उनको एफोर्ड ही नहीं कर सकती हूं। मैं कभी सपने में भी ऐसा नहीं सोचती हूं। हां जब बड़ी फिल्ममेकर बन जाऊंगी तो एक दिन अपनी फिल्म में प्रियंका को कास्ट करना चाहूंगी।श

श्फिल्म बनाने के लिए प्रियंका ने किया प्रेरितश

बिजनेस में हाथ आजमाने के मीरा के फैसले पर बहन प्रियंका चोपड़ा का क्या रिएक्शन था? इस बारे में वह बताती हैं, श्मैंने सीधे उन्हें अपनी फिल्म (गांधी टॉक्स) का टीजर भेजा। मैंने उनको बताया कि ये फिल्म मैंने प्रोड्यूस की है। उनको इस पर बहुत गर्व महसूस हुआ। प्रियंका का व्यवहार कुछ ऐसा है कि हम में से कोई जब कुछ अच्छा करता है, तो वह बहुत गौरवान्वित महसूस करती हैं। प्रियंका ने मुझे कहा था कि फिल्म बनाना बिल्कुल भी आसान काम नहीं है, आपने टीजर बना दिया है तो प्लीज अब फिल्म बनाओ। दरअसल, उन्होंने इस इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि इस वर्ल्ड में जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वो ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। जब आपके परिवार में ऐसा कोई होता है तो आप उससे प्रेरित होते हैं। आप पहले उसको देखते हैं। हमेशा एक चाह थी कि मैं कुछ ऐसा करूं कि प्रियंका कहे कि मुझे तुम पर गर्व है और उन्होंने ऐसा कहा, ये मेरे लिए ये बड़ी है।

प्रियंका ने मुझे कहा था कि फिल्म बनाना बिल्कुल भी आसान काम नहीं है, आपने टीजर बना दिया है तो प्लीज अब फिल्म बनाओ। दरअसल, उन्होंने इस इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि इस वर्ल्ड में जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वो ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। जब आपके परिवार में ऐसा कोई होता है तो आप उससे प्रेरित होते हैं।

श्एक्टिंग में लगातार काम नहीं मिलताश

एक इंटरव्यू में मीरा ने कहा था कि वह स्क्रीन पर वापसी के लिए लोगों के संपर्क में हैं। लेकिन अब वह बतौर फिल्ममेकर वापसी कर रही हैं। क्या शादी के बाद एक्टिंग में लौटना उनके लिए चुनौती भरा फैसला है? इस पर वह कहती हैं, श्मेरे सामने ऐसी कोई चुनौती नहीं आई। लेकिन एक्टिंग में क्या है कि आपको दो साल काम नहीं मिला तो आप काम नहीं करोगे, फिर एकदम से एक ही साल में दो प्रोजेक्ट आ जाएं तो आप काम करोगे। दरअसल, एक्टिंग ऐसा पेशा नहीं है कि लगातार आपको काम दे ही देगा। मैं ऐसा प्रोफेशन चाहती थी कि आपका लगातार काम चलता रहे, इसलिए मैंने प्रोडक्शन का काम शुरू किया। वो मेरे कंट्रोल में है कि मुझे कब क्या बनाना है, क्या करना है। एक्टिंग में तो जब प्रोजेक्ट मिलेगा, जब आपको कुछ अच्छा लगेगा तब आप कर पाओगे। मैंने तीन साल काम करने के बाद फिर सोचा कि अब एक्टिंग में वापसी करूंगी और बहुत जल्द मैं आपको स्क्रीन पर दिखूंगी। एक्टिंग मेरा प्यार है, मैं जिंदगी में चाहे कुछ भी करूं, एक्टिंग नहीं छोड़ूंगी।श

मैं ऐसा प्रोफेशन चाहती थी कि आपका लगातार काम चलता रहे, इसलिए मैंने प्रोडक्शन का काम शुरू किया। वो मेरे कंट्रोल में है कि मुझे कब क्या बनाना है, क्या करना है। एक्टिंग में तो जब प्रोजेक्ट मिलेगा, जब आपको कुछ अच्छा लगेगा तब आप कर पाओगे। मैंने तीन साल काम करने के बाद फिर सोचा कि अब एक्टिंग में वापसी करूंगी और बहुत जल्द मैं आपको स्क्रीन पर दिखूंगी।

श्दिल्ली के बारे में कोई बुराई करें तो सहन नहीं होताश

मीरा दिल्ली से हैं। दिल्ली के बारे में वह किन चीजों को याद करती हैं? वह कहती हैं, श्मैं दिल्ली आकर मोती महल का बटर चिकन जरूर खाती हूं। मेरा भाई कहीं से बिरयानी लेकर आता है।

मैं मॉडल टाउन में रहती हूं तो वहां पर छोले भटूरे मुझे बहुत पसंद हैं। मुंबई में मैं इतने सालों से रह रही हूं लेकिन दिल्ली का जो खाना है, वो वहां मिलता ही नहीं है। दिल्ली का स्ट्रीट फूड कमाल का है, गोलगप्पे टेस्टी होते हैं। मैं जब भी आती हूं तो हर दिन कुछ ना कुछ ट्राई करती ही हूं। कोई अगर दिल्ली की बुराई करता है तो वो भी मुझे पसंद नहीं आता। मैं हमेशा दिल्ली के बारे में अच्छी बात सुनना चाहती हूं। (हंसते हुए) अगर मुझे मुंबई में कोई ये कहता है कि दिल्ली में बहुत प्रदूषण है तो मैं ये भी पूछती हूं कि मुंबई में कितना है?

श्फिल्म के गाने बनाने में समय लग गयाश

साइलेंट फिल्म के साथ बतौर प्रोड्यूसर वापसी करना और फिल्म की स्क्रीनिंग के लंबे समय बाद रिलीज करना कितनी बड़ी चुनौती थी? इस बारे में वह कहती हैं, श्जब हमने स्क्रीनिंग की थी तो हमारा मकसद था कि इतना बड़ा स्टेप उठाने पर लोगों का रिएक्शन कैसा रहेगा, जो कि काफी अच्छा था। फिर हमने एक बड़ा बदलाव किया कि फिल्म का संगीत पांच भाषाओं में बनाएंगे, क्योंकि फिल्म में डायलॉग नहीं थे तो फिल्म को एक भाषा में रिलीज करना हमें सही नहीं लगा। इसलिए ए.आर रहमान सर ने शुरू से फिल्म का संगीत बनाना शुरू किया। हिंदी के गाने पहले से ही तैयार थे, तमिल, मलयालम, तेलुगु, मराठी के गाने बनाने शुरू किए। उसमें एक साल और लग गया। लेकिन हमारी मंशा थी कि चाहे एक-दो साल लग जाएं लेकिन जब फिल्म दर्शकों के सामने आए तो लोगों की वाहवाही मिले।

बेंगलुरु में एक कन्नड़ टीवी एक्ट्रेस ने 7 फरवरी को कोरमंगला इंडोर स्टेडियम में आयोजित सेलिब्रिटी विमेंस क्रिकेट के दौरान वॉशरूम में गुप्त रूप से वीडियो बनाने और पैसे न देने पर उसे ऑनलाइन वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इसके बाद पुलिस ने 13 फरवरी को इस मामले में थ्प्ए दर्ज कर जांच शुरू की। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस एक रियलिटी शो की कंटेस्टेंट भी रह चुकी हैं। शिकायत के मुताबिक, वह तीन दिन तक चले सेलिब्रिटी विमेंस क्रिकेट में शामिल हुई थीं। 7 फरवरी को इवेंट के दूसरे दिन जब वह स्टेडियम के अंदर बने महिलाओं के वॉशरूम में गईं, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी जानकारी के बिना उनका आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। दोस्त के इंस्टाग्राम अकाउंट पर भेजा गया वीडियो थ्प्ए के अनुसार, यह कथित वीडियो एक इंस्टाग्राम अकाउंट से उनकी दोस्त के इंस्टाग्राम अकाउंट पर भेजा गया। आरोप है कि भेजने वाले को लगा कि वह अकाउंट एक्ट्रेस का ही है। थ्प्ए में यह भी कहा गया, फ्वीडियो का कंटेंट अश्लील है। वीडियो अपलोड करने के बाद अज्ञात लोगों ने और प्राइवेट वीडियो भेजने और वीडियो कॉल करने की धमकी दी। उन्होंने पैसे की मांग की और दोस्त को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।फ्र वीडियो पब्लिक करने की धमकी दी गई एक्ट्रेस का आरोप है कि आरोपियों ने धमकी दी कि अगर पैसे नहीं दिए गए तो वीडियो को अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पब्लिक कर दिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि उसकी शिकायत के आधार पर प्ज् एक्ट की संबंधित धाराओं और सेक्शन 77 (घूरना), 351 (आपराधिक धमकी) और 308 (जबरन वसूली) के तहत 13 फरवरी को साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही आरोपी को पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है। मामले की जांच जारी है शिकायतकर्ता ने इस मामले से जुड़े फोटो और वीडियो पुलिस को पेन ड्राइव में सौंपे हैं। पुलिस ने बताया कि साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में प्ज् एक्ट की संबंधित धाराओं और सेक्शन 77 (घूरना), 351 (आपराधिक धमकी) और 308 (जबरन वसूली) के तहत केस दर्ज किया गया है। साथ ही आरोपी को पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है।

फरवरी महीने का तीसरा हफ्ता सिनेमालवर्स के लिए एंटरटनेमेंट की तगड़ी डोज लेकर आया है. दरअसल इस वीक थिएटर में दिल को छू लेने वाली लव स्टोरी और दिलचस्प कोर्टरूम ड्रामा से लेकर मजेदार रीजनल मूवीज और हॉलीवुड सस्पेंस थ्रिलर तक कई नई फिल्में रिलीज हो रही हैं. ऐसे में अगर आप इस वीकेंड मूवी देखने जा रहे हैं, तो आपके पास सिलेक्ट करने के लिए काफी ऑप्शन मौजूद रहने वाले हैं.चलिए यहां 16 से 22 फरवरी के बीच थिएटर में रिलीज हो रही फिल्मों की पूरी लिस्ट चेक कर लेते हैं. दो दीवाने शहर में 'दो दीवाने शहर में' में सिद्धांतु चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर की जोड़ी पहली बार स्क्रीन पर एक साथ नजर आएगी. ये रोमांटिक ड्रामा 20 फरवरी को थिएटर में रिलीज हो रही है. रवि उदयवार द्वारा डायरेक्टेड और संजय लीला भंसाली द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म मुंबई के दो अजीब मिलेनियल्स को दिखाएगी, जो खुद को एक्सेप्ट करने के लिए स्ट्रगल करते हुए प्यार पाते हैं. लीड जोड़ी के अलावा, फिल्म में इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, विराज गहलानी और संदीपा धर भी हैं. तापसी पन्नू एक और जबरदस्त ड्रामा के साथ बड़े पर्दे पर कमबैक कर रही हैं. ये फिल्म 20 फरवरी को थिएटर में रिलीज होने वाली है. ये एक जबरदस्त कोर्टरूम ड्रामा है जिसकी कहानी एक बहादुर वकील के इर्द-गिर्द घूमकी है जो कोर्ट में ताकतवर और खतरनाक लोगों का सामना करता है. फिल्म में न्याय, हिम्मत और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जैसे मुद्दों को दिखाया जाएगा. तापसी के अलावा, फिल्म में मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, रेवती, मोहम्मद जीशान अय्यूब, नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा भी अहम रोल में हैं. हाऊ टू मेक ए किलिंग जॉन पैटन फोर्ड की लिखी और डायरेक्ट की हुई यह फिल्म, रॉबर्ट हैमर और जॉन डाइटन की 1949 की ब्रिटिश फिल्म काइंड हार्ट्स एंड कोरोनेट्स से थोड़ी-बहुत इंस्पायर्ड है. यह फिल्म बेकेट रेडफेलो नाम के एक वर्किंग क्लास आदमी की कहानी है, जिसे बचपन में उसके अमीर परिवार ने रिजेक्ट कर दिया था.

बड़ा होने पर, वह परिवार के कई सदस्यों से डील करने में फंस जाता है, जो उसकी विरासत हड़पने की कोशिश कर रहे हैं. ग्लेन पॉवेल, मार्गरेट क्वाली, एड हैरिस, टॉफर ग्रेस, जेसिका हेनविक और बिल कैंप कास्ट मेंबर्स में से हैं. ये फिल्म 20 फरवरी को थिएटर्स में रिलीज हो रही है. गोट टायरी डिलिहे की डायरेक्ट की हुई यह फिल्म विल हैरिस नाम के एक गोट की कहानी है, जो इंसानों की तरह बात और काम कर सकता है, और जो रोअरबॉल नाम के बास्केटबॉल जैसे गेम का अब तक का सबसे अच्छा प्लेयर बनने का सपना देखता है. इसमें कैलेब मैकलॉघलिन, गैब्रिएल यूनियन, एरॉन पियरे, निकोला कफलान, डेविड हार्बर, जेनिफर लुईस, पैटन ओसवाल्ट और जेनिफर हडसन जैसे कलाकार शामिल हैं. आप इसे 20 फरवरी से थिएटर में देख सकते हैं. हे बलवंत यह तेलुगु कॉमेडी-ड्रामा एक ऐसे लड़के के बारे में है जिसे अचानक एक अजीब फैमिली बिजनेस विरासत में मिलता है. जो जिंदगी नॉर्मल लगती है, वह जल्द ही कन्फ्यूजन और अफरा-तफरी में बदल जाती है, जिससे वह प्यार, झूठ और फैमिली की जिम्मेदारियों के बीच फंस जाता है. गोपी अटचारा के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 20 फरवरी को रिलीज हो रही है, जिसमें वी.के. नरेश, वेनेला किशोर और सुहास हैं. अल्फारू मेन लव वेंजेंस विजय नागेंद्र के डायरेक्शन में बनी यह कन्नड़ सस्पेंस थ्रिलर अर्जुन नाम के एक लड़के की कहानी है जो अपने पिता की बहुत तारीफ करता है, जो उसे प्ए ऑफिसर बनते देखने का सपना देखते हैं. चीजें तब एक डार्क और हिंसक मोड़ ले लेती हैं जब तीन किराए के हत्यारों को करोड़ों के ड्रग्स ट्रांसपोर्ट करने के लिए भेजा जाता है, और उनका सामना अर्जुन से होता है. अच्युत कुमार, अविनाश और मानसी सुधीर इस फिल्म में हैं. ये मूवी भी 20 फरवरी को रिलीज हो रही है. त्रिशंकु त्रिशंकु कार्तिक, नक्षत्र और तीन अन्य लोगों की कहानी है जो एक बस एक्सीडेंट के बाद घने जंगल में पहुंच जाते हैं. उस अनजान जंगल में, परेशान करने वाली घटनाएं बताती हैं कि कोई अनदेखी ताकत उनकी किस्मत को कंट्रोल कर रही है.जब वे भागने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि उनकी यह मुश्किल श्रठ के सीक्रेट एक्सपेरिमेंट का हिस्सा है, जो इंसानी समझ की सीमाओं को आगे बढ़ा रहा है. इस साइंस फाई ड्रामा को श्री कृष्ण गोरले ने निर्देशित किया है. फिल्म में अमन प्रीत सिंह, प्राची तेहलान, सुमन, रश्मि गौतम, महेश अचंता, राजशेखर अनिंगी अहम भूमिकाओं में हैं. ये तेलुगु फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. नवाब कैफे नवाब कैफे एक चाय बेचने वाले की कहानी है जिसका साधारण रूटीन तब बदल जाता है जब एम्बिशन उसे उसकी जानी-पहचानी दुनिया से बाहर धकेल देती है. जैसे-जैसे नए मौके नए खतरे लाते हैं, उसका जिंदा रहना जल्दी लिए गए फैसलों पर निर्भर करता है, और जैसे-जैसे सफलता पास आती है, अपनी ईमानदारी बनाए रखना और मुश्किल होता जाता है. इस कॉमेडी ड्रामा को प्रमोद हर्ष ने निर्देशित किया है. फिल्म में शिवा कंदुकुरी, राजीव कनकला, तेजू अश्विनी, चैतन्य, राज कुमार कासिरेड्डी और वडलमणि श्रीनिवास ने अहम रोल निभाया है. ये तेलुगु फिल्म भी 20 फरवरी को सिनेमाघरों में आएगी,

## 7 ईरानी महिला फुटबॉल खिलाड़ी नहीं लौटीं अपने देश, ऑस्ट्रेलिया ने दिया सहारा, जानें क्यों?

ईरान-इजरायल युद्ध के बीच ऑस्ट्रेलियामें महिला एशियाई कप में भाग लेने गई ईरानी फुटबॉल टीम की 7 खिलाड़ियों ने अपने देश लौटने से मना कर दिया है। दरअसल, उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान ही ऑस्ट्रेलिया की सरकार से उनके देश में शरण लेने के लिए मानवीय वीजा के लिए आवेदन किया था। जिसको स्वीकर कर लिया गया है। इसकी पुष्टि ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने की है। बता दें कि, ईरानी खिलाड़ियों ने ये कदम पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और घर लौटने पर अपनी सुरक्षा की चिंताओं को लेकर उठाया है। ईरानी टीम ने उस समय सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था जब वो महिला एशिया कप के अपने एक मैच से पहले ईरान का राष्ट्रगान गाने से मना कर दिया था। इसे कई लोगों ने एक खामोश विरोध के तौर पर देखा। हालांकि, टीम के बाकी सदस्य युद्ध के बीच मंगलवार देर रात अपने देश लौट गए। ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने बुधवार को बताया कि ऑस्ट्रेलिया ने ये प्रस्ताव इसलिए दिया क्योंकि हम इन महिलाओं से व्यक्तिगत तौर पर बहुत प्रभावित हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि ये फैसला उन खिलाड़ियों ने खुद लिया है जो कि उनका हक है। बर्क ने आगे कहा कि जिन लोगों ने ऑस्ट्रेलिया में रहने का फैसला किया उन्हें अस्थायी मानवीय वीजा दिया गया है। जो आगे चलकर स्थायी निवास में बदल सकता है।

## पाकिस्तान की बांग्लादेश के खिलाफहार से भड़के बासित अली, पीसीबी पर उठाए गंभीर सवाल

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बुरा हाल हुआ था, उसके बाद बांग्लादेश दौरे पर भी पाकिस्तानी क्रिकेट टीम की दिशा और दशा दोनों नहीं सुधर पा रही है। बांग्लादेश के खिलाफतीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में पाकिस्तान की टीम 31वें ओवर में ही 114 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश ने 15.1 ओवर में ही 2 विकेट गंवाकर मैच जीता लिया। इसके बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली बुरी तरह भड़क गए और उन्होंने पाकिस्तान टीम और पीसीबी को लताड़ा है। बासित अली ने पाकिस्तान क्रिकेट मैनेजमेंट पर सवाल उठाए हैं और उनकी प्लानिंग को भी घेरे में लिया है। उन्होंने सबसे पहले पाकिस्तान की पहले 10 ओवर में धीमे खेलने और सधी शुरुआत करने की स्ट्रेटजी पर सवाल उठाए। वहीं उन्होंने एकसाथ कई सारे युवा खिलाड़ियों को उतारने को लेकर भी सवाल उठाए। बासित अली ने पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट को लताड़ते हुए कहा कि, सबसे पहले गोली मार दो उस आदमी को जिन्होंने बोला पॉवरप्ले के 10 ओवर में कम से कम 60 रन बनाने का कहा। उन्होंने कभी खुद ग्राउंड पर क्रिकेट नहीं खेला। वह बस एक कागज का टुकड़ा पकड़ा देते हैं। क्या उन्हें दिखता नहीं है कि यहां कंडीशन कैसी हैं? क्या उन्हेंये नहीं पता कि भारत तक बांग्लादेश में हारकर गया है? बासित ने आगे युवा खिलाड़ियों को खिलाने पर कहा कि, इस डिबेट को खत्म करना होगा कि युवाओं को समय की जरूरत है। दुनियाभर के क्रिकेट में जब युवा मैदान पर उतरते हैं तो वह तैयार होते हैं। वह अपनी छाप छोड़ते हैं। हमारे खिलाड़ियों को समझना होगा कि ये लोकल क्लब ग्राउंड नहीं है। ये एक इंटरनेशनल टेस्ट वेन्यू है। टीम के दो खिलाड़ी बराबर कह रहे थे कि वह मध्यक्रम के बेस्ट बल्लेबाज हैं आपने देख लिया उन्होंने आज क्या किया। पाकिस्तान की बल्लेबाजी बांग्लादेश के खिलाफपहले मैच में बुरी तरह फ्लाप रही। मोहम्मद रिजवान, सलमान अली आघा, दोनों अनुभवी खिलाड़ियों ने निराश किया।

### खिलाड़ियों की यात्रा को लेकर टीम अधिकारी चिंतित

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव का असर अब क्रिकेट पर भी पड़ता दिख रहा है। दरअसल, कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीएल 2026 में खेलने आने वाले विदेशी खिलाड़ियों की यात्रा पर असर पड़ सकता है। हाल ही में ईरान-इजरायल के बीच बढ़ते संघर्ष और कुछ अहम हवाई रूट बंद होने के कारण से कई टीमों और खिलाड़ियों की यात्रा योजनाएं बिगड़ गई हैं। दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बाद कई देशों के खिलाड़ी अभी तक अपने घर नहीं पहुंच पाए हैं। खास तौर पर इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाड़ियों की यात्रा प्रभावित हुई है। जिसका कारण है कि युद्ध के चलते दुबई और दोहा जैसे बड़े ट्रांजिट एयरपोर्ट पर उड़ानों पर पाबंदियां लगा दी गई हैं। इस स्थिति को देखते हुए क्रिकेट फैंस के मन में ये सवाल उठने लगा है कि क्या इसका असर आईपीएल 2026 पर भी पड़ेगा।

# आईपीएल का कार्यक्रम जारी

### पहले चरण के 20 मुकाबलों में चार डबल-हेडर

**नई दिल्ली।** दुनिया की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी लीग आईपीएल के 19वें संस्करण की शुरुआत 28 मार्च से होगी। बुधवार को बीसीसीआई ने पहले चरण के कार्यक्रम का एलान किया। आईपीएल 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम जारी हो चुका है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को 19वें सीजन के शुरुआती मुकाबलों का कार्यक्रम घोषित किया। दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 फ्रेंचाइजी लीग का यह सीजन 28 मार्च से शुरू होगा और पहले चरण के मुकाबले 12 अप्रैल तक खेले जाएंगे। बंगलूरू में होगा उद्घाटन मुकाबला टूर्नामेंट का पहला मैच 28 मार्च को बंगलूरू के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां गत चौंपियन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से होगा। आरसीबी की टीम इस बार अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। आरसीबी ने 2025 में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार आईपीएल का खिताब जीता था। उद्घाटन मैच के अगले दिन रविवार को मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले चरण में 20 मैच, 10 शहरों में मुकाबले पहले चरण में कुल 20 मैच खेले जाएंगे। ये मुकाबले 10 अलग-अलग शहरों में आयोजित होंगे। इनमें बंगलूरू, मुंबई, गुवाहाटी, न्यू चंडीगढ़, लखनऊ, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली, अहमदाबाद और हैदराबाद शामिल हैं। इस अवधि में चार डबल-हेडर भी होंगे। डबल-हेडर के दौरान दो मैच एक ही दिन खेले जाएंगे। दोपहर का मैच भारतीय समयानुसार 3रू30 बजे और शाम का मैच 7रू30 बजे शुरू होगा। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु अपने 5 घरेलू मैच बंगलूरू में और 2 मैच रायपुर में खेलेगी। पंजाब किंग्स के 4 घरेलू मैच न्यू चंडीगढ़ में और 3 मैच धर्मशाला में होंगे। राजस्थान रॉयल्स के 3 घरेलू मुकाबले गुवाहाटी में और 4 मैच जयपुर में खेले जाएंगे। कार्यक्रम की घोषणा में क्यों हुई देरी? आईपीएल के पूरे कार्यक्रम की घोषणा फिलहाल नहीं की गई है। देश के कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसकी वजह से बीसीसीआई ने अभी सिर्फ पहले चरण का कार्यक्रम जारी किया है। जिन राज्यों में चुनाव प्रस्तावित हैं, उनमें असम, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु शामिल हैं। कोलकाता (पश्चिम बंगाल) और चेन्नई (तमिलनाडु) क्रमशः कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के घरेलू मैदान हैं, जबकि गुवाहाटी राजस्थान रॉयल्स का दूसरा होम वेन्यू है। इन राज्यों में चुनाव की तारीखें घोषित होने के बाद आईपीएल के बाकी मुकाबलों का पूरा कार्यक्रम जारी किया जाएगा। खिताब बचाने उतरेगी आरसीबी रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 2025 में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया था। आरसीबी की टीम इस बार खिताब का बचाव करने उतरेगी। बंगलूरू के मैचों पर अंतिम फैसला बाकी बंगलूरू में होने वाले मैच फिलहाल राज्य सरकार की विशेषज्ञ समिति की मंजूरी पर निर्भर करेंगे। कर्नाटक सरकार द्वारा गठित एक्सपर्ट कमेटी 13 मार्च 2026 को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम का निरीक्षण करेगी। इस दौरान मैच डे की तैयारियों का पूरा मॉक डेमो किया जाएगा, जिसके बाद ही यह तय होगा कि स्टेडियम आईपीएल मैचों की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है या नहीं।

**आईपीएल 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम**

| मैच | टीम 1 | टीम 2 | जगह | तारीख |
|---|---|---|---|---|
| 1 | रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु | सनराइजर्स हैदराबाद | बंगलूरू | 28 मार्च |
| 2 | मुंबई इंडियंस | कोलकाता नाइट राइडर्स | मुंबई | 29 मार्च |
| 3 | राजस्थान रॉयल्स | चेन्नई सुपर किंग्स | गुवाहाटी | 30 मार्च |
| 4 | पंजाब किंग्स | गुजरात टाइटंस | न्यू चंडीगढ़ | 31 मार्च |
| 5 | लखनऊ सुपर जाएंट्स | दिल्ली कैपिटल्स | लखनऊ | 1 अप्रैल |
| 6 | कोलकाता नाइट राइडर्स | सनराइजर्स हैदराबाद | कोलकाता | 2 अप्रैल |
| 7 | चेन्नई सुपर किंग्स | पंजाब किंग्स | चेन्नई | 3 अप्रैल |
| 8 | दिल्ली कैपिटल्स | मुंबई इंडियंस | दिल्ली | 4 अप्रैल |
| 9 | गुजरात टाइटंस | राजस्थान रॉयल्स | अहमदाबाद | 4 अप्रैल |
| 10 | सनराइजर्स हैदराबाद | लखनऊ सुपर जाएंट्स | हैदराबाद | 5 अप्रैल |
| 11 | रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु | चेन्नई सुपर किंग्स | बंगलूरू | 5 अप्रैल |
| 12 | कोलकाता नाइट राइडर्स | पंजाब किंग्स | कोलकाता | 6 अप्रैल |
| 13 | राजस्थान रॉयल्स | मुंबई इंडियंस | गुवाहाटी | 7 अप्रैल |
| 14 | दिल्ली कैपिटल्स | गुजरात टाइटंस | दिल्ली | 8 अप्रैल |
| 15 | कोलकाता नाइट राइडर्स | लखनऊ सुपर जाएंट्स | कोलकाता | 9 अप्रैल |
| 16 | राजस्थान रॉयल्स | रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु | गुवाहाटी | 10 अप्रैल |
| 17 | पंजाब किंग्स | सनराइजर्स हैदराबाद | न्यू चंडीगढ़ | 11 अप्रैल |
| 18 | चेन्नई सुपर किंग्स | दिल्ली कैपिटल्स | चेन्नई | 11 अप्रैल |
| 19 | लखनऊ सुपर जाएंट्स | गुजरात टाइटंस | लखनऊ | 12 अप्रैल |
| 20 | मुंबई इंडियंस | रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु | मुंबई | 12 अप्रैल |

## हार्दिक पांड्या के खिलाफशिकायत दर्ज, जीत के जश्न के दौरान तिरंगे के अपमान का आरोप, जानें मामला

**बंगलूरू।** टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीत के बाद जश्न के दौरान तिरंगे के कथित अपमान को लेकर हार्दिक पांड्या के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। एक वकील ने आरोप लगाया है कि पांड्या ने जश्न के दौरान राष्ट्रीय ध्वज को शरीर पर लपेटकर अनुचित व्यवहार किया। भारत की टी20 वर्ल्ड कप जीत के जश्न के बाद स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या एक नए विवाद में घिर गए हैं। उनके खिलाफराष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत पुणे के वकील वाजिद खान बिडकर ने दी है, जिन्होंने मामले में उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पुलिस को लिखित आवेदन सौंपकर क्रिकेटर के खिलाफ जांच और कार्रवाई की अपील की है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, यह शिकायत बंगलूरू के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है, वहीं न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बताया है कि यह शिकायत पुणे के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है। इस मामले में वाजिद ने पुलिस से हार्दिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। सोशल मीडिया वीडियो के आधार पर शिकायत शिकायत के मुताबिक, भारत की जीत के बाद खिलाड़ियों के जश्न के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। इन वीडियो में पांड्या को कंधे पर तिरंगा लपेटकर मैदान पर दौड़ते और डांस करते हुए देखा जा सकता है। वकील का आरोप है कि जश्न के दौरान एक वीडियो में पांड्या अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मंच पर लेटे हुए दिखाई देते हैं, जबकि उस समय भी उनके कंधे पर तिरंगा लिपटा हुआ था। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस तरह का व्यवहार राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के खिलाफ है। वकील ने कानून का हवाला दिया वाजिद खान बिडकर ने कहा कि भारत के राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है और इसके लिए कानून भी मौजूद है। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस मामले में राष्ट्रीय ध्वज से जुड़े कानून का हवाला देते हुए शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा, श्आपने टी20 वर्ल्ड कप देखा होगा। हार्दिक पांड्या अपनी जीत का जश्न मनाते हुए अपनी गर्लफ्रेंड के साथ डांस कर रहे थे। उनके पीछे राष्ट्रीय ध्वज बंधा हुआ था। 1971 के राष्ट्रीय ध्वज कानून की धारा दो के अनुसार हमें राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। लेकिन हार्दिक पांड्या जीत के जश्न में इतने खो गए थे कि वे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ लेटे हुए थे और उस समय भी राष्ट्रीय ध्वज उनके शरीर पर था। मुझे लगता है कि यह राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है।श् शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया वकील ने बताया कि शुरुआत में पुलिस ने कहा कि घटना अहमदाबाद में हुई है, इसलिए वहां शिकायत करनी चाहिए। हालांकि उन्होंने यह तर्क दिया कि राष्ट्रीय ध्वज पूरे देश का प्रतीक है और इसकी गरिमा से जुड़ा मामला कहीं भी उठाया जा सकता है। उन्होंने कहा, श्मैंने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। जब मैं शिकायत करने गया तो उन्होंने कहा कि घटना यहां नहीं हुई है। तब मैंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज पूरे देश का प्रतीक है, इसलिए यहां भी शिकायत की जा सकती है। उन्होंने मेरी शिकायत स्वीकार कर ली और उसकी कॉपी भी दी है। अब देखते हैं आगे क्या होता है।श् पांड्या ने जीत को बताया व्यक्तिगत वादा पूरा होना दूसरी ओर हार्दिक पांड्या ने टी20 वर्ल्ड कप जीत को अपने व्यक्तिगत संकल्प की पूर्ति बताया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ शुरुआत है और टीम आगे भी ट्रॉफियां जीतना चाहती है। पांड्या ने कहा, श2024 में बारबाडोस में मिली जीत के बाद मैंने खुद से वादा किया था कि जिस भी टूर्नामेंट में खेलूंगा, जीतने के लिए खेलूंगा

## 10वीं रैंक वाले बांग्लादेश से हारा पाकिस्तान

**कराची।** पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पूर्व खिलाड़ी बासित अली और कामरान अकमल ने टीम मैनेजमेंट और खिलाड़ियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने पावरप्ले रणनीति, खराब बल्लेबाजी और एक साथ चार डेब्यू खिलाड़ियों को मौका देने के फैसले पर सवाल उठाए। टी20 विश्व कप 2026 में मुंह की खाने के बाद पाकिस्तानी टीम बड़े बदलाव और बड़ी उम्मीदों के साथ बांग्लादेश दौरे पर गई। पाकिस्तान के नए वनडे कप्तान शाहीन अफरीदी के नेतृत्व में टीम को बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले वनडे में ही आठ विकेट से करारी शिकस्त मिली।

पाकिस्तान टीम की इस हार के बाद वहां के दिग्गजों ने अपनी ही टीम की धज्जियां उड़ाई हैं। कामरान अकमल, बासित अली, फव्वाद आलम से लेकर फैंस तक ने टीम की खिल्ली उड़ाई और कहा कि जिस टैलेंट की बात पाकिस्तान क्रिकेट में इतने दिनों से की जा रही थी, क्या यही वो टैलेंट हैं? बांग्लादेश ने पाकिस्तान को आठ विकेट से हराया दरअसल, रोड टू 2027 वनडे वर्ल्ड कप के तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश ने तीन मैचों की वनडे सीरीज से अपनी तैयारी शुरू की है। दोनों के बीच 11 मार्च को ढाका के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में सीरीज का पहला वनडे खेला गया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हु 30.4 ओवर में 114 रन बनाए और सभी 10 विकेट गंवा दिए। इसके बाद बांग्लादेश की टीम ने पाकिस्तान की पारी के आधे ओवर में सिर्फ दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। बांग्लादेश ने 15.1 ओवर में लक्ष्य हासिल किया। अब दूसरा वनडे 13 मार्च को ढाका में ही खेला जाएगा। 10वीं रैंक पर है बांग्लादेश, चौथी रैंक पर है पाकिस्तान सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पाकिस्तान की वनडे रैंकिंग चार है, जबकि बांग्लादेश की वनडे रैंकिंग 10 है। बांग्लादेश की टीम अब तक 2027 वनडे विश्वकप के लिए क्वालिफाई तक नहीं कर पाई है। उसे वनडे विश्वकप के लिए ऑटोमैटिक क्वालिफाई करने के लिए 31 मार्च, 2027 तक रैंकिंग में शीर्ष-आठ में आना जरूरी है। ऐसा नहीं हुआ तो टीम को क्वालिफायर्स खेलना होगा। उस बांग्लादेशी टीम से पाकिस्तान को करारी शिकस्त मिली।

# अर्थ जगत

## होर्मुज से गुजरेंगे भारतीय टैंकर: विदेश मंत्री जयशंकर और अराघची की बातचीत के बाद निकला रास्ता, मिली बड़ी राहत

**नई दिल्ली।** स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरान-इस्राइल-अमेरिका युद्ध के बीच भारतीय जहाजों को मिला सुरक्षित रास्ता। क्या है पूरा अपडेट जानें। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और ईरान-इस्राइल-अमेरिका जंग के बीच भारत को एक बड़ी कूटनीतिक सफलता हाथ लगी है। ईरान ने भारतीय झंडे वाले तेल टैंकरों को रणनीतिक रूप से अहम श्स्ट्रेट ऑफहोर्मुजश् से सुरक्षित गुजरने की अनुमति दे दी है। यह घटनाक्रम भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास आराघची के बीच हुई उच्च-स्तरीय वार्ता के बाद सामने आया है। इन दो टैंकरों को मिली अनुमति इसके बाद कम से कम दो भारतीय टैंकर पुष्पक और परिमल सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे हैं। यह वही समुद्री मार्ग है, जहां बढ़ते तनाव के कारण कई अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। यह अनुमति भारत के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वर्तमान में इस क्षेत्र से गुजरने वाले अमेरिका, यूरोप और इस्राइल के जहाजों को प्रतिबंधों और हमलों के गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। युद्ध का असर अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों के बाद शुरू हुआ संघर्ष अब 12वें दिन में पहुंच गया है। लगातार बढ़ते तनाव के कारण क्षेत्र में समुद्री यातायात लगभग ठप हो गया है और वैश्विक तेल कीमतों में तेज उछाल देखा जा रहा है। ईरान ने भी इस दौरान होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। तेहरान का कहना है कि केवल वे जहाज सुरक्षित रूप से गुजर सकते हैं जो अमेरिका और इस्राइल के हितों से जुड़े नहीं हैं। क्यों अहम है होर्मुज जलडमरूमध्य? होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान और ओमान के बीच लगभग 55 किलोमीटर चौड़ा समुद्री मार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। यह दुनिया के सबसे व्यस्त और रणनीतिक समुद्री मार्गों में से एक है। सामान्य परिस्थितियों में यहां से प्रतिदिन करीब 1.3 करोड़ बैरल तेल गुजरता है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 31 प्रतिशत है। इस मार्ग में बाधा आने से इराक, कुवैत, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और ईरान जैसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों के निर्यात पर सीधा असर पड़ता है। दुनिया के तरलीकृत प्राकृतिक गैस (स्छळ) का भी बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। इसलिए यहां तनाव बढ़ने पर वैश्विक बाजार, सप्लाई चेन और ऊर्जा कीमतों पर तुरंत असर देखने को मिलता है।

## रोटी-डोसा रेस्तरां के मेनू से गायब, चाय की जगह नींबू पानी, रसोई तक कैसे पहुंचा पश्चिम एशिया का तनाव?

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया के युद्ध के कारण भारत में एलपीजी रसोई गैस की किल्लत चर्चा में है। हालांकि, सरकार ने दावा किया है कि ऐसी कोई बात नहीं है और अब भी ढाई दिनों के भीतर घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस सिलिंडर मिले, इसे सुनिश्चित किया जा रहा है। हालांकि, होटलों और रेस्तरां की बात करें तो जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। कई शहरों के रेस्तरां के मेनू से रोटी-डोसा जैसी बुनियादी चीजें गायब होने की खबर है। आइए इस हालात समझने की कोशिश करते हैं। अगर आप आज अपने पसंदीदा रेस्टोरेंट में गर्मागर्म डोसा, पूरी या अपनी पसंद की चाय पीने जा रहे हैं, तो शायद ऐसा करने में देश के कुछ हिस्सों में आपको निराशा हाथ लग सकती है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने भारत में वाणिज्यिक रसोई गैस का भारी संकट पैदा कर दिया है। हालात इतने गंभीर हैं कि मुंबई, बंगलूरू, चेन्नई और दिल्ली-एनसीआर में बड़े पैमाने पर होटल और रेस्तरा कमर्शियल गैस सिलिंडर की आपूर्ति प्रभावित होने से संकट में हैं। कई जगहों पर मेनू छोटे किए जा रहे हैं। खाना पकाने वाली गैस की सप्लाई घटने से राशनिंग की नौबत आ गई है। आइए एक आम उपभोक्ता के नजरिए से समझते हैं खाड़ी में चल रहा यह युद्ध हमारी थाली अब कैसे प्रभावित करने लगा है? आखिर रेस्टोरेंट, कैंटीन और हॉस्टल में चल क्या रहा है? जवाबरू गैस बचाने के लिए कुक अब ऐसा खाना बना रहे हैं जिसमें कम ईंधन की खपत हो ताकि गैस का स्टॉक लंबे समय तक चल सके। मेनू में बदलावरू चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे शहरों में रेस्टोरेंट ने डोसा और पूरी जैसे ज्यादा गैस खपत वाले व्यंजन बनाना बंद कर दिया है। नई दिल्ली के एक ढाबे के बाहर तो बकायदा बोर्ड लगा दिया गया कि श्आज सिर्फ दाल-चावल मिलेंगेश। चाय-कॉफी पर संकटरू गुजरात की एक ऑटोमोबाइल फैक्ट्री की कैंटीन ने तली हुई चीज बंद कर दी हैं और चाय की जगह नींबू पानी और गर्म सूप की जगह छाछ देना शुरू कर दिया है। हॉस्टल और पीजीरू हैदराबाद के आईटी कॉरिडोर में हॉस्टल वालों ने राजमा और छोले जैसी चीजें बनानी बंद कर दी हैं, जिससे उत्तर भारतीयों को खासी परेशानी हो रही है। दिल्ली हाईकोर्ट की कैंटीन में भी मुख्य भोजन हटाकर केवल सैंडविच, सलाद और फ्रूट चाट दिए गए। भारत में इस रसोई गैस संकट की असली वजह क्या है? जवाबरू इस संकट की जड़ें पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध से जुड़ी हैं। युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य और खाड़ी क्षेत्र से होने वाले व्यापारिक जहाजों की आवाजाही पर रोक लग गई है। इससे ऊर्जा और परिवहन लागत बढ़ गई है और मध्य पूर्व से तेल व गैस का उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक होने के नाते भारत पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ा है। इस संकट से छोटे कारोबारियों और टूरिज्म पर क्या असर पड़ रहा है? जवाबरू इस गैस किल्लत से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर और छोटे व्यवसायों पर दोहरी मार पड़ी हैरू रेस्टोरेंट बंदीरू पुणे का मशहूर श्मॉडर्न कैफेश् गैस खत्म होने के कारण लगातार दो दिन बंद रहा। पर्यटन पर खतरा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और गोवा जैसे पर्यटन राज्यों में होटल मालिक डरे हुए हैं। धर्मशाला होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्वनी बाम्बा के मुताबिक, गैस की अनिश्चितता के कारण होटल वाले एडवांस बुकिंग लेने से कतरा रहे हैं। फूड डिलीवरीरू एलारा सिक्योरिटीज के विश्लेषक करण तौरानी का मानना है कि इस ईंधन संकट से रेस्टोरेंट की क्षमता घटेगी और फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स पर भी असर पड़ेगा। लोग अब इलेक्ट्रिक ओवन और फ्रायर का इस्तेमाल करने वाले श्क्विक सर्विस चेनश् की तरफ रुख कर सकते हैं। हालात से निपटने के लिए क्या जुगाड़ और विकल्प अपनाए जा रहे हैं?

## ईरान ने भारतीय जहाजों के लिए खोला रास्ता, क्या यह बारूदी सुरंग बने होर्मुज में हमारा कूटनीतिक पंच है?

**नई दिल्ली।** स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरान-इस्राइल युद्ध के बीच एस जयशंकर की कूटनीति से भारतीय जहाजों को मिला सुरक्षित रास्ता। पढ़ें कैसे ईरान ने अमेरिका को रोककर भारत को दी इजाजत। पूरा मामला सवाल-जवाब के जरिए समझें। पश्चिम एशिया में भड़के युद्ध के बीच पूरी दुनिया की ऊर्जा सप्लाई लाइन खतरे में है। मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण स्ट्रेट ऑफहोर्मुज पश्चिमी देशों के विदेशी जहाजों के लिए लगभग श्नो-गो जोनश् बन चुका है। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में, ईरान की ओर से भारतीय जहाजों को होर्मुज से गुजरने देने की बात कही गई। हालांकि कई रिपोर्ट्स में ईरानी सूत्रों के हवाले इन रिपोर्ट्स को खारिज भी किया जा रहा है। इस बीच इस खबर पर पूरी दुनिया की नजर इस पर बनी हुई है। निश्चित तौर पर अगर भारतीय जहाजों को होर्मुज से गुजरने की इजाजत मिली है तो इससे देश में ऊर्जा संकट की संभावित आशंका को दूर करने में मदद मिलेगी। देश के लिए यह महत्वपूर्ण इसलिए भी है क्योंकि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की एक कॉल ने वह कर दिखाया है जो पश्चिमी देशों के जंगी बेड़े नहीं कर सके। आइए आसान सवाल-जवाब से समझते हैं भारत की इस बड़ी कूटनीतिक जीत के मायनेरू सवालरू अचानक होर्मुज में क्या हुआ और भारत को यह कूटनीतिक कामयाबी कैसे मिली? जवाबरू ईरान और इस्राइल के बीच चल रहे भीषण युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव चरम पर है। विदेशी जहाजों पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले हो रहे हैं, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसी बीच, भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास आराघची के बीच एक उच्च-स्तरीय कूटनीतिक वार्ता हुई। इस बातचीत का सीधा और त्वरित असर यह हुआ कि ईरान ने श्भारत के झंडे वालेश् टैंकरों को इस क्षेत्र से सुरक्षित गुजरने की अनुमति दे दी। सवालरू इस कूटनीतिक समझौते का जमीनी असर क्या देखने को मिला? जवाबरू कूटनीतिक सहमति बनते ही इसके नतीजे समुद्र में दिखने लगे। समझौते के तुरंत बाद दो भारतीय तेल टैंकर, श्पुष्पकश् और श्परिमलश, इस संवेदनशील जलडमरूमध्य से बिल्कुल सुरक्षित गुजरते हुए देखे गए। यह ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका, यूरोप और इस्राइल के जहाज अब भी प्रतिबंधों और हमलों के गंभीर खतरे का सामना कर रहे हैं। सवालरू ईरान की रणनीति क्या है और वह दूसरे देशों के जहाजों को क्यों रोक रहा है? जवाबरू ईरान स्ट्रेट ऑफहोर्मुज को एक रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। ईरान ने खुली चेतावनी दी है कि वह श्अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए एक लीटर तेल भी यहां से नहीं गुजरने देगाश। उसका मुख्य मकसद इस महत्वपूर्ण चोकपॉइंट को नियंत्रित करके दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था को झकझोरना और पश्चिमी देशों पर दबाव बनाना है। सवालरू भारत की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा के लिए इस कामयाबी के क्या मायने हैं? जवाबरू होर्मुज का रास्ता कच्चे तेल की सप्लाई के लिए दुनिया की जीवनरेखा है। युद्ध के कारण आपूर्ति बाधित होने के डर से तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। ऐसे में, जब दुनिया भर के टैंकर निशाने पर हैं

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।